नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 15

सोमवार, 26 मई से 01 जून 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत 03

हम पर हमला हुआ तो एक नहीं सौ बार ऑपरेशन सिंदूर चलाएंगे... 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

भारत में कुश्ती का भविष्य उज्जवलः योगेश्वर दत्त 10

जामुन में है बड़ा दम 11

करिश्मा तन्ना को नहीं मिल रहा ढंग का काम 12

इस्माईल खान

एक नजर

डीआरआई ने मिजोरम में मेथामफेटामाइन की बड़ी खेप पकड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने नशीली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 मई को मिजोरम के आइजोल-चंफई राजमार्ग पर एक महिंद्रा एक्सयूवी से 9.72 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त की। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में जब्त की गई गोलियों की कीमत 9.72 करोड़ रुपये आंकी गई है।

वित्त मंत्रालय की ओर से रविवार को इस संबंध में जानकारी साझा की गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ म्यांमार से भारत-म्यांमार सीमा के जोखावथर सेक्टर के माध्यम से मिजोरम में लाया गया था।

डीआरआई के अधिकारियों को 10 पैकेट मिले, जिनमें तस्करी की गई यह दवा छिपाई गई थी। इन पैकेटों को वाहन की पीछे की सीट पर एक कोटर/कक्ष में चालाकी से रखा गया था। बरामद की गई दवा और वाहन दोनों को जब्त कर लिया गया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जनवरी 2025 से अब तक डीआरआई ने मिजोरम में 72 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथामफेटामाइन और हेरोइन जब्त की है। इस दौरान 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषियों के लिए 10 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। डीआरआई की यह कार्रवाई नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ सख्त कदम है।

डांटने का मतलब किसी को आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने एक छात्र को डांटकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपी शिक्षक को बरी कर दिया है। आरोपी, एक स्कूल और एक छात्रावास का प्रभारी था, जिसने एक अन्य छात्र की शिकायत पर दूसरे छात्र को डांटा था जिसने बाद में एक कमरे में फांसी लगा ली। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्ला और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता था कि डांटने के कारण ऐसी दुखद घटना घट सकती है।

शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध से शिक्षक को बरी करने से इनकार कर दिया गया था।

पीठ ने कहा, पूरे मामले पर विचार करने के बाद, हम इसे हस्तक्षेप के लिए उपयुक्त मामला पाते हैं। जैसा कि अपीलकर्ता ने सही ढंग से प्रस्तुत किया है, कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने के कारण, वह भी एक छात्र की शिकायत के आधार पर, इतनी त्रासदी हो सकती है कि डांटने के कारण छात्र खुदकुशी कर ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस तरह की डांट-फटकार कम से कम यह सुनिश्चित करने के लिए थी कि दूसरे छात्र द्वारा की गई शिकायत पर ध्यान दिया जाए और सुधारात्मक उपाय किए जाएं। व्यक्ति ने अपने वकील के माध्यम से प्रस्तुत किया था कि उसकी प्रतिक्रिया उचित थी और वह केवल एक अभिभावक के रूप में डांट-फटकार थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र गलती को दोबारा न दोहराए और छात्रावास में शांति और सौहार्द बनाए रखे। उसने प्रस्तुत किया था कि उसके और मृतक छात्र के बीच कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था।

भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने बढ़ाई चिंता, 24 घंटे में 4 की मौत 685 आए नए मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में 4 लोगों की मौत हुई है और 685 नए मामले आए हैं। सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल (1,336), महाराष्ट्र (467), दिल्ली (375), गुजरात (265), कर्नाटक (234), पश्चिम बंगाल (205), तमिलनाडु (185) और उत्तर प्रदेश (117) में हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शनिवार, 31 मई तक देश में 3,395 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में 685 नए मामले सामने आए हैं, जबकि चार लोगों की मौत हुई है। इनमें से एक-एक मौत दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में हुई है।

दिल्ली में 375 सक्रिय मामले हैं, जो पिछले दिन की तुलना में 81 ज्यादा हैं। यहां एक 71 वर्षीय व्यक्ति की निमोनिया, सेप्टिक शॉक और तीव्र किडनी की समस्या के कारण मृत्यु हुई। वहीं, महाराष्ट्र में 43 नए मामले दर्ज किए गए। कर्नाटक में बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में 63 वर्षीय व्यक्ति की कोविड-19 और अन्य बीमारियों के कारण मृत्यु हो गई। कर्नाटक सरकार ने स्कूलों के जल्द खुलने को देखते हुए अभिभावकों से अपील की है कि बुखार, खांसी या सर्दी के लक्षण दिखने पर बच्चों को स्कूल न भेजें। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की सलाह दी है। ज्यादातर मामले हल्के हैं, और पिछले 24 घंटों में 265 मरीज अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। टीकाकरण को सबसे प्रभावी सुरक्षा माना जा रहा है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने की सलाह दी गई है, खासकर बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स और अन्य दवाओं की तैयारी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हाल के मामलों में उछाल का कारण दो नए सब-वैरिएंट्स एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 को माना जा रहा है। ये वैरिएंट्स पुराने स्ट्रेन से जेनेटिक रूप से अलग हैं और इम्यून सिस्टम को चकमा देने की क्षमता रखते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन्हें 'वैरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' की श्रेणी में रखा है, क्योंकि ये चीन, ताइवान, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तेजी से फैल रहे हैं। हालांकि, इनसे बीमारी की गंभीरता बढ़ने के सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इनकी तेजी से फैलने की क्षमता ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क कर दिया है।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश ने मचाई तबाही

24 घंटे कम से कम 32 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश ने भीषण तबाही मचाई है। पिछले 24 घंटे में बारिश संबंधी घटनाओं में कम से कम 32 लोगों की जान जाने की खबर है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे में बारिश की तीव्रता में कमी आ सकती है।

हालांकि बारिश से पूरी तरह निजात नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोत्तर में अगले दो दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान है। उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में मूसलाधार बारिश जारी रहने की संभावना है उत्तरी बंगाल और मेघालय पर बने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से असम, मिजोरम, मेघालय,नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भारी बारिश हो रही है। बाढ़, भूस्खलन और मकानों-होटलों के ढहने की वजह से कई लोग मारे गए हैं और कई अब भी लापता हैं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड औरछत्तीसगढ़ में हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलेंगी। उत्तर प्रदेश और राजधानी दिल्ली में भी 45 से 55 की गति से हवाएं चल सकती हैं और कई जगहों पर बौछार पड़ सकती है।

असम में कम से कम 9 की मौत

असम में भारी बारिश की वजह से कम से कम 9 लोगों की जान चली गई। लखीमपुर जिले में रंगानदी डैम से ज्यादा पानी छोड़े जाने की वजह से कम से कम दो की जान चली गई। गुवाहाटी में तीन बच्चों समेत पांच की मौत हो गई। बोंडा इलाके में भूस्खलने की वजह से एक शख्स की जान चली गई। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के पश्चिमी भाग में तीन जिलों में ह्यरेड अलर्टह्न और आठ अन्य जिलों में ह्यऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के ऊपरी इलाकों से आने वाले वर्षा जल ने राज्य में बाढ़ की स्थिति को और गंभीर कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से 58 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ प्रभावित 1,224 लोगों ने पांच राहत शिविरों में शरण ली है। यहां 11 अन्य राहत वितरण केंद्र भी खोले गए हैं।

मेघालय में 7 की मौत

मेघालय में तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। चेरापुंजी और मॉसिनराम में एक दिन में ही 47 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। नगालैंड के चूमौकेदिमा में सड़क पर चट्टान गिरने की वजह से एक शख्स की मौत हो गई। मिजोरम में घर और होटल ढहने की वजह से कम से कम 6 लोगों के मारे जाने की खबर है। इसमें म्यांमार के भी तीन नागरिक शामिल हैं। वे जिस होटल में ठहरे थे वह बारिश की वजह से ढह गया। मणिपुर में आइरिल और नांबुल नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

कार में बह गए दो परिवार

अरुणाचल प्रदेश में पानी के तेज बहाव की वजह से हाइवे से ही एक कार बह गई जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ईस्ट कामेंग जिले में एनएच-13 पर पानी के तेज बहाव की वजह से कार बह गई। वहीं सुबानसिरी जिले में दो मजदूर भूस्खलन के चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिवार के लिए चार लाख रुपये मदद राशि का ऐलान किया है।

भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए ममता जिम्मेदार : अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ही इसे प्रभावी रूप से रोक सकती है।

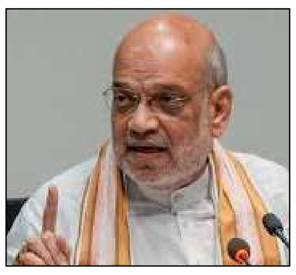

श्री शाह ने आज यहां नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा, बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं। बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगलादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। उनके आशीर्वाद से घुसपैठ हो रही है। आप मुझे बताइए, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं।

उन्होंने कहा, क्या दीदी (ममता बनर्जी) इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल पद्म (कमल/भाजपा) सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार ने पश्चिम बंगाल में घुसपैठ बेरोकटोक जारी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के वास्ते घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए सुश्री बनर्जी नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने जबानी हमला जारी रखते हुए सुश्री बनर्जी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सस्ती राजनीतिक टिप्पणी करने तथा एक तरह से देश की करोड़ों माताओं और बहनों की भावनाओं से खेलने का आरोप लगाया।

श्री शाह ने मुख्यमंत्री के उस आरोप के संदर्भ में यह टिप्पणी की जिसमें कहा गया था कि भाजपा नीत केंद्र सरकार अमेरिका के सामने चुप थी, जबकि हर जगह 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्रचार कर रही थी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि वह राजनीतिक लाभ के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' का फायदा उठा रही है, और इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी रैलियों में अक्सर उठाया जाने वाला चुनावी मुद्दा बना रही है।

एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन का निचोड़: शिवराज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज दुनिया के सामने जितनी समस्याएं हैं, उनका समाधान अगर कहीं है तो एकात्म मानव दर्शन में है। एकात्म मानव दर्शन बहुत क्लिष्ट दर्शन नहीं है, भारतीय चिंतन का निचोड़ है।

श्री चौहान ने रविवार को यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' दर्शन की 60वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रीय स्मारक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया में पहले राजतंत्र था, फिर लोगों ने कहा कि एक राजा ही क्यों रहे और स्वतंत्रता,

समानता व विश्वबंधुत्व के मंत्र पर राजतंत्र या तो समाप्त कर दिए गए या उनके अधिकार बहुत सीमित कर दिए गए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा कि पश्चिम की नकल नहीं करनी चाहिए। इसकी लिए पंडित दीनदयाल ने एकात्म मानव दर्शन दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने विस्तारपूर्वक 'एकात्म मानववाद' पर चर्चा की और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया।

श्री चौहान ने कहा, आज दुनिया के सामने जितनी समस्याएं हैं, उसका समाधान अगर कहीं है तो एकात्म मानव दर्शन में है। एकात्म मानव दर्शन बहुत क्लिष्ट दर्शन नहीं है, भारतीय चिंतन का निचोड़ है। उन्होंने कृषि के संदर्भ में भी एकात्म माननवाद के दर्शन पर भी बात की और उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की कोई सबसे बड़ी ताकत है तो वह खेती ही है।

वायुसेना की दक्षिणी कमान के कमांडिंग-इन-चीफ बने एयर मार्शल मनीष खन्ना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना की दक्षिणी कमान के नए प्रमुख की घोषणा की गई है। इस नियुक्ति के संबंध में रविवार को वायु सेना ने आधिकारिक जानकारी साझा की है। एयर मार्शल मनीष खन्ना ने रविवार 1 जून 2025 को तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार ग्रहण किया।

एयर मार्शल मनीष खन्ना अति विशिष्ट सेवा मेडल और वायु सेना मेडल से सम्मानित हैं। भारतीय वायु सेना ने इस नियुक्ति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि एयर मार्शल मनीष खन्ना को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना के फाइटर स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। वे एक कैटेगरी 'ए' के क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं और उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर तथा राष्ट्रीय रक्षा

कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की है।

एयर मार्शल मनीष खन्ना एक बेहतरीन फाइटर पायलट रहे हैं। वायुसेना के मुताबिक उन्हें विभिन्न फाइटर और ट्रेनर विमानों पर 4000 से अधिक घंटों का उड़ान अनुभव प्राप्त है।

एयर मार्शल को वायु रक्षा, ग्राउंड अटैक, स्ट्रैटेजिक रीकॉनसेंस और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर जैसे अभियानों का व्यापक अनुभव है।

राह टू क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट ने किया नि:शुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

कमर अली इदरीसी

दिल्ली: रविवार, 01 जून को सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक राह टू क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आई ब्लॉक, मदीना जामा मस्जिद, गली नंबर 8 संगम विहार के सामने के गरीब लोगों के लिए एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ संगम विहार के विधायक श्री चंदन चौधरी जी के हाथों फीता काटकर किया गया। जिनके साथ श्री कमर अहमद (पूर्व विधायक प्रत्याशी संगम विहार), डॉक्टर दूल्हे खान उपस्थित रहे।

इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में त्वचा विशेषज्ञ डॉ. गानिम खान, डॉ. अफान, डॉ.

वसीम ने सलाहकार के रूप में कार्य किया, इनके अलावा डॉ. रिफाकत अली (अध्यक्ष आरसीएफ ट्रस्ट), डॉ. मुहम्मद आरिफ (महासचिव आरसीएफ ट्रस्ट), डॉ. मुहम्मद हामिद (उपाध्यक्ष), डॉ. अदनान शमीम (कोषाध्यक्ष), डॉ. मुहम्मद आकिब (प्रवक्ता) और मुहम्मद सलमान (संयुक्त सचिव) ने न केवल अपने चिकित्सा कौशल साझा किए और लोगों को लाभ पहुँचाया बल्कि सभी प्रकार के प्रशासनिक कार्य भी किए।

उनके अलावा डॉ. जुबैर, डॉ. जाकिर, डॉ. हसन, डॉ. आसिम, डॉ. अरीना आजमी, डॉ. अरीशा मरियम, डॉ. बुशरा नूरी, डॉ. मंशूरा खान, डॉ. आयशा खातून, डॉ. करीमा भी मौजूद रहीं और उन्होंने वरिष्ठ चिकित्सक को सहयोग किया।

इस नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में डॉक्टर से परामर्श, दवाइयां, ब्लड प्रेशर जांच, ब्लड शुगर जांच बिल्कुल मुफ्त प्रदान की गई।

राह टू क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट ने इस तरह से बहुत से लोगों की जरूरतों को पूरा किया है। राह टू क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जैसे अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समाज के गरीब और अनाथ जरूरतमंद वर्गों के लिए काम करता रहता है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

ताजा खबर
संक्षिप्त

नशेड़ियों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बिहार। बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स

(एसटीएफ) और भोजपुर पुलिस ने शुक्रवार को भोजपुर जिले में दो खूंखार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो लाख से अधिक की हेरोइन बरामद की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसटीएफ) ने बताया, एसटीएफ के नवगठित नारकोटिक्स विभाग द्वारा पिछले एक महीने में राज्य में यह तीसरी बड़ी ड्रग जब्ती है। जब्त की गई हेरोइन का कुल बाजार मूल्य करीब एक करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 1.27 लाख रुपये नकद और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के साथ दो अन्य समेत 15 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, आरोपी को लगी गोली

नई दिल्ली। गोहाना के गांव गंगाना में पुलिस और

बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई. गोहाना और सोनीपत की सीआईए की संयुक्त कार्रवाई में दो वांछित बदमाशों को पकड़ने की कोशिश में फायरिंग हुई. जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी है जबकि दूसरे बदमाश को पकड़ लिया गया है. जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई गोहाना और सोनीपत की सीआईए टीम ने संयुक्त रूप से की. यह मुठभेड़ गांव गंगाना के पास खेतों में हुई. पुलिस ने जब दोनों बदमाशों को रोकने की कोशिश की तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें आरोपी रोहित को गोली लग गई. उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया. दूसरे आरोपी अंकुश को पुलिस ने मौके से ही पकड़ लिया. रोहित गांव गंगाना का रहने वाला है जबकि अंकुश गन्नौर के गांधीनगर का रहने वाला है. इन दोनों ने शुक्रवार देर रात गन्नौर में दो युवकों पर फायरिंग की थी।

सुंदर पत्नी को लेकर ताना मारने पर यूपी का शख्स छत पर चढ़ गया

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली का 25 वर्षीय व्यक्ति, जिसकी शादी चालीस दिन पहले एक सुंदर महिला से हुई थी, पड़ोसियों द्वारा ताने सुनने के बाद अपनी जान लेने के लिए छत पर चढ़ गया, क्योंकि पड़ोसियों ने उसे अपनी पत्नी से कम आकर्षक बताया था। घटना का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में, गुरुदेव नामक व्यक्ति अपनी छत के किनारे बैठा हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि अन्य लोग उसे नीचे आने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। उसे मनाने की कोशिश करने वालों में एक पुलिस अधिकारी भी दिखाई दे रहा है, लेकिन चकरपुर गढ़ी गांव का निवासी गुरुदेव अपने फैसले पर अड़ा हुआ है। आखिरकार ग्रामीणों और पुलिस अधिकारियों की मदद से गुरुदेव को नीचे उतारा गया। फिर उसे उसके परिवार को सौंप दिया गया। वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, बरेली पुलिस ने एक बयान जारी किया।

लुटेरी दुल्हन पर कसा शिकंजा, चार साथी भी गिरफ्तार

सूरत। सूरत की आठवां लाइंस पुलिस थाने ने एक लुटेरी दुल्हन और उसके साथियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार लुटेरी दुल्हन ने अपने साथियों के साथ मिलकर अहमदाबाद के वेजलपुर में रहने वाले एक शख्स के साथ फर्जी तौर पर निकाह किया था और एक ही रात में दुल्हन, उसकी नकली मां, दो नकली बहनों और एक एजेंट ने एक लाख रुपए वसूल कर सूरत लौट आए थे. वहीं, दूल्हे ने उनसे संपर्क किया तो उसके फोन नंबर ब्लॉक कर दिए थे और बलात्कार के आरोप में फंसाने की धमकी भी दी गई थी. जिसके बाद दूल्हे ने सूरत के नानपुरा इलाके में रहने वाली दुल्हन और उसके अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था. फिलहाल पुलिस ने इस मामले में लुटेरी दुल्हन और उसके चार साथियों को

गिरफ्तार किया है.

सूरत की अठवा लाइंस पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए यह वही लोग हैं जिन्होंने फर्जी तौर पर अहमदाबाद के वेजलपुर में रहने वाले एक शख्स युआन खान नौशाद खान पठान के साथ निकाह रचाया था. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए इन लोगों में जरीना खातून पत्नी शकील अहमद शेतरंजी वाला उम्र 52 वर्ष है, जो मैरिज ब्यूरो चलाती है. सना पुत्री सलीम शमशेर पठान उम्र 18 वर्ष 2 महीने है, जिसने निकाह किया था. नरगिस बानू पत्नी अब्बास भाई खलीफा, मुस्कान पत्नी आसिफ इस्माइल शेख और शाहिस्ता बानू पत्नी आसिफ इस्माइल शेख है. इन सभी लोगों ने सना के साथ निकाह करने वाले इस मामले के शिकायतकर्ता को एक दूसरे का रिश्तेदार और माता पुत्री का संबंध बताया था. इसके बाद मुस्लिम रीति रिवाज से ऑटो चालक को मौलवी बताकर निकाह कराया था. प्लान के तहत यह लोग निकाह के बाद और कुछ सामान देने के बहाने अहमदाबाद वेजलपुर दूल्हे के घर गए थे. इस दौरान दुल्हन ने अपने नकली माता पिता और बहन के सामने पति द्वारा मारपीट करने का ढोंग रचाया था और रोना धोना शुरू कर दिया था.

पत्रकार पर ब्लैकमेलिंग का आरोप, 20 लाख की वसूली का मामला पहुंचा न्यायालय

नोएडा। नोएडा में एक चौंकाने वाले मामले में पत्रकार पंकज पाराशर पर ब्लैकमेलिंग कर 20 लाख रुपए वसूलने का गंभीर आरोप लगा है। यह मामला पीड़ित प्रदीप कुमार गर्ग की ओर से 10 फरवरी को थाना फेज-3 में दर्ज कराया गया था।

पीड़ित की शिकायत के आधार पर थाना फेज-3 पुलिस ने पंकज पाराशर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोपी गौतमबुद्धनगर के थाना बीटा-2 क्षेत्र स्थित सेक्टर पाई-2 का रहने वाला है। प्रदीप कुमार गर्ग ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ वर्ष 2020 में थाना फेज-3 पर एक झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के अभाव में अंतिम रिपोर्ट न्यायालय को प्रेषित की थी। पीड़ित के अनुसार, पत्रकार पंकज पाराशर ने इस प्रकरण को लेकर अपने प्रभाव का दुरुपयोग किया और मीडिया में झूठी खबरें प्रकाशित करवाकर पीड़ित पर दबाव बनाया। आरोप है कि आरोपी पत्रकार ने प्रदीप गर्ग को डराया-धमकाया और कहा कि यदि उसने 20 लाख रुपए नहीं दिए तो वह मीडिया चैनलों पर उनके खिलाफ खबरें प्रसारित कर देगा तथा पुलिस पर दबाव डालकर चार्जशीट लगवाने की कोशिश करेगा।

इस भयवश पीड़ित ने आरोपी के बताए अनुसार 20 लाख रुपए उसके खाते में स्थानांतरित कर दिए। इस गंभीर प्रकरण में पुलिस की गहन जांच के बाद पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर अभियुक्त पंकज पाराशर के खिलाफ 22 मई को आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया। यह मामला अब न्यायालय के विचाराधीन है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी के बैंक खातों और फोन रिकॉर्ड की जांच भी की जा रही है। मामले में आगामी सुनवाई की तारीख तय की जा रही है।

9वीं कक्षा के छात्र की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़। हिसार में गुरुवार सुबह एक नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नाबालिग 9वीं कक्षा का छात्र है। स्थानीय लोगों ने उसे झाड़ियों के पास घायल अवस्था में पड़ा देखा तो तुरंत अस्पताल ले गए। लेकिन अस्पताल में छात्र को मृत घोषित कर दिया गया। छात्र की पहचान मस्तनाथ कॉलोनी निवासी दीक्षित के रूप में हुई है। दीक्षित आरपीएस स्कूल में 9वीं कक्षा का छात्र था। सुबह 7:30 बजे दीक्षित स्कूटी पर दूध लेने गया था। जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। मामला सेवन रोड कैंट का है, जहां झाड़ियों के पास से गोली की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि एक लड़का घायल अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ है।

जिसके बाद पुलिस और परिजनों को सूचना दी गई। दीक्षित के सहपाठी ने उसे फोन करके रेलवे लाइन के पास झाड़ियों के पीछे बुलाया, जैसे ही दीक्षित मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने मृतक पर हमला कर दिया। पेट में दो गोलियां लगने से दीक्षित घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा और आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से गोलियों के खोल बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार मृतक को उसके सहपाठी ने बुलाया था। जिसके बाद वह झाड़ियों के पास गया। आरोपी की तलाश जारी है।

डांस टीचर ने नाबालिग लड़की से की थी छेड़छाड़, हुआ गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने गुरुवार को एक नाबालिग लड़की के साथ चलती कार में यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक डांस प्रशिक्षक को गिरफ्तार किया। मामला कडुगोडी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दर्ज हुआ था। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 24 मई की सुबह

हुई। जब पीड़िता सड़क पर चल रही थी, तब एक कार में सवार 28 साल के युवक ने अपनी गाड़ी रोकी और खुद को डांस टीचर बताया।

आरोपी ने डांस क्लास की जानकारी देने के बहाने नाबालिग को कार में बैठने के लिए मना लिया। कुछ दूर जाने के बाद आरोपी ने कार के दरवाजे बंद कर दिए और नाबालिग लड़की के साथ गलत हरकत की। जब लड़की ने विरोध किया, तो आरोपी ने उसे वहीं छोड़ दिया जहां से उसे कार में बैठाया था और फिर वहां से भाग गया।

नाबालिग लड़की ने अपने माता-पिता को पूरी घटना बताई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी और पुलिस ने शिकायत दर्ज की। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी को पकड़कर गिरफ्तार कर लिया। घटना से जुड़ी और जानकारी अभी सामने आना बाकी है। 2 मई को बेंगलुरु में एक आईटी कंपनी की महिला कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। बेंगलुरु पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी, जो अब भी जारी है। यह मामला मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन के इलाके में दर्ज किया गया है।

यह घटना एक सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में हुई, जिससे शहर में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 11:30 बजे हुई थी, जब 20 साल की पीड़िता इको वर्ल्ड टेक पार्क के पास टहल रही थी। तभी एक बाइक सवार आरोपी आया और उसने पीछे से उसे गलत तरीके से छुआ, फिर वहां से भाग गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया था कि जब आरोपी ने बार-बार उसकी पीठ छूकर गलत हरकत की, तो वह डरकर जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसने ऑटो चालकों, सुरक्षा गार्डों और राहगीरों से मदद मांगी, लेकिन कोई उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया।

इससे पहले, कर्नाटक पुलिस ने 14 अप्रैल को बेंगलुरु में दो महिलाओं से छेड़छाड़ के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। तड़के एक रिहायशी इलाके में दो महिलाओं से छेड़छाड़ का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिससे शहर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक आवासीय इलाके में तड़के एक व्यक्ति दो युवतियों को परेशान करता दिख रहा है। 17 सेकंड के इस वीडियो में दो महिलाएं सुनसान सड़क पर चल रही थीं, जिसके दोनों तरफ घर हैं।

चोरी का खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार, नकदी और जेवर बरामद

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के कुरावली थाना क्षेत्र में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस और एसओजी टीम ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से 4

लाख 70 हजार रुपये नकद, एक टूटी हुई सोने की अंगूठी, एक मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। यह जानकारी सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सिटी अरुण कुमार ने पत्रकारों को दी।

उन्होंने बताया कि घटना 2 अप्रैल को कुरावली क्षेत्र के ग्राम लखोरा में हुई थी। यहां कल्याण सिंह के घर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवर और करीब 1.7 लाख रुपये नकद चुराए थे। चोरी गए जेवरों की कीमत 8 से 10 लाख रुपये थी। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

उन्होंने बताया कि एसओजी और कुरावली पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए घिरोर-कुरावली रोड पर श्रीराम भट्टे के पास से दो बदमाशों अनूप उर्फ अनुज (पुत्र घनश्याम) और मिथुन (पुत्र वेदप्रकाश) को गिरफ्तार किया। अनूप के खिलाफ 26 जबकि मिथुन के खिलाफ 4 आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। एसपी अरुण कुमार ने बताया कि दोनों अभियुक्त फिरोजाबाद, एटा और मैनपुरी में कई साल से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। सहायक पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी का सामान, मोटरसाइकिल और हथियार बरामद कर लिया है। इस सफलता के लिए एएसपी ने एसओजी और कुरावली पुलिस की संयुक्त टीम को 20 हजार रुपये का इनाम दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि दोनों अभियुक्तों से पूछताछ जारी है, ताकि अन्य चोरी की घटनाओं का भी खुलासा हो सके।

कैब ड्राइवर पहुंचा सलाखों के पीछे

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई की वाकोला पुलिस स्टेशन ने एक कैब ड्राइवर को 22 साल की छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया है. कैब ड्राइवर की पहचान 29 साल के अनीश आशिक अली शेख के रूप में हुई है. वाकोला पुलिस

स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि जब महिला प्रभात कॉलोनी से गोलीबार नाका जा रही थी तब सांताक्रूज के वकोला में अनीश ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी. घटना के बाद से आरोपी फरार था. आरोप है कि कैब ड्राइवर ने ट्रैवलिंग के दौरान उसे गलत तरीके से छुआ था. महिला कैब ड्राइवर की इस हरकत के चलते डर गई थी और कुछ दिनों बाद उसने अपने परिवार को अपनी आपबीती बताई. इसके बाद परिवार ने लड़की को लेकर नजदीकी वकोला पुलिस स्टेशन पहुंच शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने भी इसको गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज किया. पीड़िता द्वार बताई गई जगह की सीसीटीवी खंगाली गई, जिसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई. तकनीकी जानकारी की मदद से कैब ड्राइवर को मुंबई के जोगेश्वरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया. बता दें कि कैब में छेड़छाड़ या यौन शोषण का ये कोई पहला मामला नहीं है बल्कि आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहे हैं जिसमें महिलाओं को बदतर स्थितियों का सामना करना पड़ा है

मां के प्रेमी की बेटे ने की हत्या, करता था मारपीट और गाली-गलौज

नई दिल्ली। सदर बाजार इलाके में एक शख्स ने अपनी मां के लिव-इन पार्टनर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने हत्या के अगले दिन दोनों फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 23 वर्षीय गौरव नबी करीम इलाके में रहता है। उसके पिता की पांच साल पहले मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद आरोपी की मां रजनी (परिवर्तित नाम) धर्मेंद्र के साथ सदर बाजार इलाके में लिव-इन रिलेशन में रह रही थी। हालांकि, दोनों ने सभी को शादी करने के बारे में बताया था। धर्मेंद्र पर पहले से हत्या का मुकदमा चल रहा है।

बताया जाता है कि धर्मेंद्र अक्सर रजनी की पिटाई करता था, जिसकी गौरव को जानकारी थी। बुधवार रात गौरव अपने दोस्त ललित के साथ धर्मेंद्र के घर पहुंचा। इस दौरान रजनी कहीं गई हुई थी। तीनों ने वहीं पर शराब पी। शराब के नशे में धर्मेंद्र रजनी के बारे में अपशब्द कहने लगा। इस पर गौरव और ललित ने चाकू से वारकर धर्मेंद्र की हत्या कर दी और फरार हो गए। रात करीब 11 बजे पड़ोसियों ने कमरे से खून बहता देखकर पुलिस को कॉल कर इसकी सूचना दी।

एसआई तरुण यादव और कॉन्स्टेबल सतीश मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान धर्मेंद्र के तौर पर हुई। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर लिया। एसएचओ सहदेव तोमर की देखरख में इंस्पेक्टर बीएल मीना की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान कर गुरुवार दोपहर को दोनों दबोच लिया।

सड़क हादसे में चाचा-भतीजा समेत चार लोगों की मौत, अफरा-तफरी

लखनऊ। गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर सरोतर चंवर के समीप मेवात लाइन होटल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। शादी समारोह से लौट रहे एक टेम्पो ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य यात्रियों की भी इलाज के दौरान मौत

हो गई। इसके अलावा चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज मोतिहारी अस्पताल में चल रहा है। मृतकों में दीपक कुमार (40 वर्ष) जो कामाख्या साह का पुत्र है और यशराज कुमार (20 वर्ष) जो आशनरायण साह का पुत्र है।

ये दोनों मोहम्मदपुर लोहरगांव के निवासी हैं और केसरिया थाना क्षेत्र के हैं। इसके अलावा रितेश कुमार (10 वर्ष) और नीतीश कुमार की भी इस हादसे में मौत हो गई। दोनों सीवान जिले के मौका भगवानपुर के निवासी हैं और राधेश्याम साह के पुत्र बताए जाते हैं। घायलों में सनी कुमार, सुजल साह, अमन कुमार और रामजीवन कुमार शामिल हैं, जो मोहम्मदपुर गांव, वार्ड नंबर एक, पंचायत लोहरगांव, थाना केसरिया के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार सभी यात्री एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद मोतिहारी आए थे और रात वहीं गुजारी थी।

सुबह लौटने के दौरान यह हादसा हुआ. टेम्पो खड़ी ट्रक से टकरा गई, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया. बाद में चारों को गंभीर हालत में मोतिहारी अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान तीन की मौत हो गई. थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को पुलिस ने जब्त कर लिया है. इस मामले में अभी तक कोई आवेदन नहीं मिला है, आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

युवती को इंप्रेस करने के लिए एक युवक ने चलाई गोलियां, गिरफ्तार

हरियाणा। अपनी सहेली के साथ हुडा मार्केट सेक्टर-53 सेंटर जा रही युवती पर इंप्रेस करने के लिए एक युवक ने फायरिंग कर दी। युवती ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सुशांत लोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी से अवैध हथियार और कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक नॉर्थ दिल्ली निवासी लक्ष्मी वर्मा उर्फ महक अपने परिवार के साथ कन्हई कॉलोनी में रहती हैं और एक निजी कंपनी में काम करती हैं। उनके फ्लोर पर सत्यव्रत उर्फ सत्य पंडित भी किराए पर रहता है। सहेली अनु राजपूत लक्ष्मी से मिलने आई थी। शाम को वह अनु के साथ घूमने के लिए हुडा मार्केट सेक्टर-53 जा रही थी।

शादी में आए इंजीनियर की संदिग्ध स्थिति में मौत, कुएं में मिली लाश

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा में एक वैवाहिक समारोह में भाग लेने उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से आए एक इंजीनियर विकास विश्वकर्मा की संदिग्ध स्थितियों में मौत हो गई। वह बुधवार की रात बारात के दौरान लापता हो गए थे। उनकी लाश गुरुवार

सुबह एक कुएं में पाई गई। बताया गया कि 32 वर्षीय विकास उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के ओबरा में बिजली विभाग में जूनियर इंजीनियर के रूप में पोस्टेड थे।

वह मूल रूप से छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर शहर के गांधीनगर के रहने वाले थे। वह अपने भाई के दोस्त की बारात में गढ़वा जिले के डंडई प्रखंड के महूडंड गांव आए थे। बारात इसी जिले के सिंहपुर मर्चवार गांव गई थी। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, विकास अपने दोस्तों के साथ रात में बारात में डांस कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गए। उनके दोस्तों ने उन्हें फोन किया, पर संपर्क नहीं हो पाया। बाद में विकास के परिजनों को उनके लापता होने की जानकारी दी गई।

बंशीधरनगर पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। इसके बाद उनकी तलाश शुरू हुई। इसी बीच कुछ लोगों ने गांव के एक कुएं में एक व्यक्ति का शव देखा। शव की पहचान विकास के रूप में हुई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बंशीधर नगर अनुमंडल के डीएसपी सत्येंद्र कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। इस बात की जांच की जा रही है कि विकास किसी हादसे का शिकार हुए हैं या फिर उनकी हत्या की गई है। इस संबंध में विकास के दोस्तों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का पता चल सकता है।

सुंदर नगरी सिलेंडर ब्लास्ट में दो बच्चे की मौत

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले के नंद नगरी थाना क्षेत्र के सुंदर नगरी इलाके में गाड़ी में इस्तेमाल किए जाने वाले सीएनजी सिलेंडर में ब्लास्ट से दो मासूम बच्चों की इलाज के दौरान जीटीबी अस्पताल में मौत हो गई। इस हादसे में दोनों बच्चे 80 प्रतिशत से ज्यादा झुलस गए थे। मृतक बच्चों की पहचान साकिब और अब्बास के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुंदर नगरी इलाके के एक गोदाम में शनिवार शाम तकरीबन 4:30 बजे पुराना सीएनजी सिलेंडर की मरम्मत के दौरान जोरदार धमाका हुआ था। धमाका इतना जबरदस्त था कि गोदाम में लगे लोहे का दरवाजा टूट गया था। वहीं, इसकी चपेट में पास में खेल रहे तीन मासूम बच्चे आ गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची थी। घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान आज दो बच्चे की मौत हो गई।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसे को लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, इस दुर्घटना को लेकर इलाके के लोगों में भारी रोष है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गोदाम में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए पुराने सीएनजी सिलेंडरों की मरम्मत की जा रही थी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम लंबे समय से इस तरह के खतरनाक कामों में लिप्त था। कई बार पुलिस से शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय निवासियों के मुताबिक इस तरीके के हादसे यहां पहली भी हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई सबक नहीं लिया। जिसकी वजह से दो मासूम बच्चे की जान चली गई। वहीं, एक बच्चा राजा व गोदाम का कर्मचारी अरशद अभी भी जिंदगी और मौत से जंग लड़ रहे हैं। फिलहाल, पुलिस गोदाम मालिक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों के लिए शनि बाजार से ईद के लिए कपड़े खरीदने जाने वाली थी शबाना

जीटीबी अस्पताल की इमरजेंसी में तीनों बच्चों की मां शबाना की आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। साथ में बैठी महिलाएं उन्हें ढांढस बंधा रही थी कि उनके बच्चे जल्दी ठीक हो जाएंगे। रोते हुए शबाना उनसे कह रही थीं कि मेरे बच्चों को बचा लो। ईद के लिए मैं शाम को शनि बाजार से बच्चों के लिए नए कपड़े लेने जाने वाली थी। ये क्या हो गया। शबाना ने बताया कि वह बच्चों की पढ़ाई के लिए अनूपशहर से पति के साथ यहां आई थीं। उनके बच्चे ओ-ब्लाक में निगम स्कूल में पढ़ने जाते हैं। उनके घर के सामने ही उनका मायका है। उन्होंने बताया कि ईद के लिए बच्चों के कपड़े खरीदने थे। सोचा था कि बच्चे खेल कर ऊपर आ जाएंगे तो उनको लेकर शनि बाजार जाऊंगी। ऐसा कर पाती उससे पहले हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि जब धमाका होने पर घर से बाहर निकल कर देख तो उनके बच्चे घायल सड़क पर पड़े थे और तन पर कपड़े नहीं थे। कपड़ जल गए थे। वहीं बच्चों के नाना नईम ने कहा कि जिसकी लापरवाही से हादसा हुआ है, उनको कड़ी सजा मिलनी चाहिए। प्रशासन को भी सजग होना चाहिए और अवैध गतिविधियों को रोकना चाहिए।

धमाका सुन लगा कहीं बम फट गया, कंपन महसूस हुआ

जहीर आराम से घर में सो रहे थे। शाम को जोरदार धमाके से उनकी नींद टूटी। उन्हें लगा कहीं बम फट गया। उनके घर की खिड़कियों के शीशे भी टूट गए। बाहर निकले तो पड़ोसी के तीन बच्चे सड़क पर झुलसे हुए पड़े थे। घर के बगल वाला गोदाम पूरी तरह तहस-नहस था। तब उन्हें पता चला कि धमाका बम से नहीं सीएनजी गैस सिलेंडर के फटने से हुआ। जहीर का मसाले का काम है। उन्होंने बताया कि गोदाम में खतरनाक काम ही होता था। कोई कहने सुनने वाला नहीं। अब हादसा हुआ है तो शायद सबक लें। घटनास्थल से 20 मीटर दूरी पर अनवरी का घर है।

अनवरी बयां किया अनुभव

अनवरी ने बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि कंपन महसूस हुआ। ऐसा लगा कि कहीं बम फट गया हो। घर से बाहर झांक कर देखा तो बहुत बुरा दृश्य था, जिसे बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि गैस की बदबू गली में आती रहती थी।

कई बार गोदाम मालिक से आपत्ति जताई, लेकिन वह नहीं मानता था। उन्होंने बताया कि निकलते वक्त कई बार देखा कि एक सिलेंडर से दूसरे में गैस पलटी जाती थी। ऐसा ही कुछ करते वक्त हादसा हुआ होगा। गली के कोने पर चौधरी डेरी के संचालक ने नाम बताने से इन्कार कर दिया, लेकिन यह जरूर बताया कि ऐसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं। लोगों की बातों से जाहिर है कि इस क्षेत्र में अवैध रूप से खतरनाक काम हो रहे हैं।

रेखा गुप्ता में दिखती है योगी आदित्यनाथ की छवि : डॉ.बसंत गोयल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने सौ दिन के कार्यकाल में इतनी खामोशी से मेहनत की कि उनकी कामयाबी के चर्चे पूरे देश में हो रहे हैं। यह कहना है प्रमुख चिकित्साविद डॉ.बसंत गोयल का। डॉ.बसंत गोयल कहते है मात्र सौ दिन के शासन में रेखा गुप्ता सरकार नें दस साल से विकास को तरस रही दिल्ली के विकास को पटरी पर लाकर खड़ा कर दिया है। दूसरे शब्दों में चंद समय में विकास की मजबूत बुनियाद रख दी है, हर क्षेत्र में उन्होंने मेहनत की है जिसके परिणाम आने वाले समय में सबके सामने होंगे। शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य का अथवा यमुना की सफाई का मसला हो या फिर प्रदूषण से निपटने का हर क्षेत्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया है।

बसंत गोयल ने कहा कि पहले मोहल्ला क्लीनिक का बहुत बुरा हाल था, मोहल्ला क्लीनिक में लोगों को कोई सुविधा नहीं मिलती थी, मोहल्ला क्लीनिक बंद पड़े रहते थे, उनके आस पास गंदगी रहती थी लेकिन भाजपा ने दिल्ली में अपने 100 दिनों में मोहल्ला क्लीनिकों में सुधार किया है जो आने वाले समय में सभी को दिखेगा। बसंत गोयल ने आगे कहा कि दिल्ली में भाजपा के 100 दिनों में आयुष्मान कार्ड बनने शुरू हो गए हैं और अच्छी बात यह है कि लोगो नें उनका फायदा लेना भी शुरू कर दिया है। बसंत गोयल कहते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता में योगी आदित्यनाथ की छवि दिखाई देती है क्योंकि जितनी मेहनती वे है और इन 100 दिनों में जितना काम उन्होंने किया है ऐसा काम बहुत ही कम मुख्यमंत्री कर पाते हैं। बसंत गोयल ने कहा कि रेखा गुप्ता बहुत ही परिश्रमी मुख्यमंत्री हैं, रेखा गुप्ता लोगों को भी अपने साथ जोड़ना जानती हैं क्योंकि इन 100 दिनों में दिल्ली में जितने भी कार्यक्रम हुए हैं लगभग उन्होंने उन सभी कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। बसंत गोयल ने आगे कहा की दिल्ली में अब डीएम को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे दी गई है जिसके तहत वे भी अपने कार्य कर रहे हैं। बसंत गोयल ने आगे कहा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली की जनता को जागरुक भी कर रही है कि दिल्ली के विकास में जितना महत्व दिल्ली सरकार का है उतना दिल्ली की जनता का भी है।

दिल्ली के जंगपुरा में जमकर गरजा बुलडोजर

मद्रासी कैंप में तोड़ी जा रही 300 से ज्यादा झुग्गियां

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में आज सुबह से मद्रासी कैंप में अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर ऐक्शन शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों के संभावित विरोध से निपटने के लिए यहां भारी तादाद में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात हैं। इस बुलडोजर कार्रवाई के दौरान करीब 300 से अधिक झुग्गियों को तोड़ा जाएगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मॉनसून में भीषण जलभराव को रोकने के लिए बारापुला नाले की सफाई की आवश्यकता जताते हुए 1 जून से मद्रासी कैंप को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने 9 मई को दिए आदेश में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के अलावा विस्थापित लोगों को नरेला में बसाने का भी कहा था। करीब 60 साल से बसी झुग्गी बस्ती में 300 से अधिक मजदूर वर्ग के परिवार रहते हैं।

12 अप्रैल को अधिकारियों ने झुग्गी बस्ती की दीवारों पर सरकार द्वारा आवंटित फ्लैटों के लिए पात्र परिवारों की सूची चिपकाई थी। लगभग 370 परिवारों में से सिर्फ 189 ही फ्लैट के लिए पात्र पाए गए। मद्रासी कैंप के निवासी मुरुगन ने दावा किया, "करीब 300 परिवारों में से केवल 189 को ही फ्लैट आवंटित किए गए हैं - हमें जो फ्लैट दिए जा रहे हैं, वे भी अधूरे हैं और उनकी हालत भी खराब है।"

बारापुला नाले पर अतिक्रमण हटाना जरूरी : दिल्ली हाईकोर्ट

जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस मनमीत पी.एस. अरोड़ा की बेंच ने 9 मई को अपने आदेश में कहा था, ह्यह्यअतिक्रमण हटाने की कार्रवाई व्यवस्थित तरीके से की जानी चाहिए। बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए मद्रासी कैंप के निवासियों का पुनर्वास भी आवश्यक है। कोई भी निवासी पुनर्वास के अधिकार से इतर किसी अन्य अधिकार का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह सार्वजनिक भूमि है, जिस पर अतिक्रमण किया गया है।

हाईकोर्ट द्वारा मद्रासी कैंप के निवासियों के 20 मई से सुचारू पुनर्वास के निर्देश भी दिए गए थे। अधिकारियों ने अवैध तरीके से रह रहे परिवारों को बारापुला नाले को जाम से मुक्त कराने के लिए अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हटाने के वास्ते ध्वस्तीकरण नोटिस जारी किया था।

हाईकोर्ट ने कहा था कि विशेष रूप से आगामी मॉनसून के मौसम को देखते हुए पुनर्वास अत्यंत आवश्यक है, साथ ही बारापुला नाले की समय पर सफाई आसपास के क्षेत्रों में गंभीर जलभराव को रोकने के लिए भी जरूरी है।

बेंच ने कहा कि 20 मई से 31 मई के बीच मद्रासी कैंप से सभी सामान हटा दिए जाने चाहिए और एक जून से तोड़फोड़ शुरू होनी चाहिए। हाईकोर्ट द्वारा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली सरकार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों को 19 से 20 मई तक दो शिविर आयोजित करने का आदेश दिया गया था।

बता दें कि, अदालत ने मद्रासी कैंप को अवैध निर्माण बताते हुए कहा कि इससे नाले में रुकावट पैदा हुई और नाला अवरुद्ध हो गया, जिसके कारण बारिश के दौरान खासकर मॉनसून के मौसम में आसपास के इलाकों में गंभीर जलभराव हो गया।

दिल्ली-एनसीआर में अचानक बदला मौसम, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। जून के पहले दिन दिल्ली में बादल छाए रहे और दिनभर तेज हवाएं चलने लगीं। आईएमडी ने आंधी, बिजली गिरने, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की थी। पूरे एनसीआर में तेज हवाएं के साथ बारिश शुरू हो गई। लेकिन हवा अभी भी नहीं रुकी है। हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक भी जा सकती है। इस दौरान तापमान भी सामान्य से कम रहने का अनुमान है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, हवा की गुणवत्ता फिलहाल नियंत्रण में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई 193 दर्ज किया गया। इसे मध्यम श्रेणी में रखा गया है। एनसीआर के शहरों का एक्यूआई भी कुछ जगहों पर संतोषजनक तो कुछ जगहों पर मध्यम श्रेणी में है। निकट भविष्य में इसके बढ़ने की कोई संभावना नहीं है।

भारतीय सेना का कर्नल बनकर ठगी करने वाला 77 वर्षीय धोखेबाज गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। खुद को भारतीय सेना का कर्नल बताकर युवाओं को सेना में नौकरी दिलाने व सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले 77 वर्षीय धोखेबाज सीताराम गुप्ता को क्राइम ब्रांच ने पंजाब से गिरफ्तार किया है। वह पंजाब विश्वविद्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह का अर्थशास्त्र का छात्र था।

वह दिल्ली में भारतीय सेना में नौकरी दिलाने के लिए धोखाधड़ी और जालसाजी के तीन मामलों में भी शामिल रहा है। इन मामलों में उसे दोषी पाया गया है। डीसीपी अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक सीताराम गुप्ता उर्फ सीताराम सिंगला पंजाब के पटियाला से गिरफ्तार किया गया। 2007 में उसने भारतीय सेना कल्याण आवास संगठन (एडब्ल्यूएचओ) में फ्लैट और दुकान की पेशकश करने के धोखाधड़ी के मामले में वांछित था। विवेक विहार थाने में दर्ज में इस मामले में उसे जमानत मिल गई थी। बैंक कर्मचारी अनिल निगम ने विवेक विहार थाने में शिकायत कर बताया कि सीताराम सिंगला नाम का व्यक्ति खुद को दिल्ली में तैनात कर्नल रैंक का सैन्य अधिकारी बताया था और शिकायतकर्ता को एक फ्लैट की पेशकश की, जिसे आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गनाइजेशन द्वारा बनाया जाना था। उसी योजना के तहत उसने एक दुकान भी बुक कराने की पेशकश की थी। एडवांस 56,000 रुपये लिकर उसने शिकायतकर्ता को दो रसीदें सौंपीं। संदेह के बाद शिकायतकर्ता ने विवेक विहार थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी के तहत मामला दर्ज करवा दिया था।

सोसायटियों में 50% गीले कचरे का निपटान जरूरी: मेयर

- दिल्ली में प्रतिदिन 11,500 मीट्रिक टन कचरा
- 1,000 कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनियों में बदला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सोसायटियों और कॉलोनियों के पास 50 प्रतिशत गीले कचरे का निपटान करना जरूरी है। इससे यह कचरा लैंडफिल साइटों तक पहुंचने से रुक जाएगा। यह बात पर्यावरण विशेषज्ञों ने सतत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए परिवर्तनकारी दृष्टिकोण विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में कही। इस सम्मेलन में महापौर राजा इकबाल सिंह, पश्चिमी दिल्ली की जिला अधिकारी एवं शहर सदर पहाड़गंज जोन की पूर्व उपायुक्त वंदना राव, भारत प्रदूषण नियंत्रण संघ (आइपीसीए) के संस्थापक एवं निदेशक आशीष जैन और उपनिदेशक डॉ. राधा गोयल समेत कई अन्य विशेषज्ञों ने भी हिस्सा लिया।

सम्मेलन में महापौर ने कहा कि दिल्ली की आबादी तीन करोड़ है। इसके तहत प्रतिदिन कुल 11,500 मीट्रिक टन कचरा निकलता है। इसमें से करीब सात हजार मीट्रिक टन कचरे का निगम प्रोसेस करता है। जबकि चार हजार मीट्रिक टन कचरा तीनों लैंडफिल साइटों पर पहुंचता है। मौजूदा हालात को देखते हुए दिल्ली में सोसायटियों और कॉलोनियों में कचरे का मौके पर ही निपटान किया जाना बेहद जरूरी है। सोसायटियों में गीले कचरे का 50 प्रतिशत निपटान किया जाना जरूरी है। इससे कूड़े को खत्म करने और उसे लैंडफिल साइट तक ले जाने की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी।

जीरो वेस्ट कॉलोनियों से एक साल में 300 मीट्रिक टन कूड़ा प्रोसेस

आशीष जैन ने बताया कि नगर निगम के साथ मिलकर दिल्ली में अब तक करीब एक हजार कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनियों में बदला जा चुका है। इसके जरिए सोसायटी से निकलने वाले कूड़े को प्रोसेस करने में मदद मिली है। अब इन सभी जीरो वेस्ट कॉलोनियों से एक साल में 300 मीट्रिक टन कूड़ा प्रोसेस किया जा रहा है।

ठोस कूड़ा उत्पादकों की पहचान जरूरी

सम्मेलन में विशेषज्ञों ने दिल्ली में प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े को कम करने के लिए बल्क वेस्ट जनरेटर की पहचान करने की बात भी कही। नगर निगम ने विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का पंजीकरण शुरू कर दिया है, जो प्रतिदिन सौ किलो या उससे अधिक कूड़ा पैदा कर रहे हैं।

ऐसे ठोस कूड़ा उत्पादकों (बल्क वेस्ट जनरेटर) को निगम के समक्ष पंजीकरण कराना होगा। इस विषय पर आशीष जैन ने कहा कि पांच हजार वर्ग किलोमीटर तक की सोसायटी और कॉलोनियों को भी ठोस कूड़ा उत्पादकों की श्रेणी में लाया जाना चाहिए। साथ ही दिल्ली में ठोस कूड़ा उत्पादकों की पहचान करना भी जरूरी है। ताकि दिल्ली के हर क्षेत्र से निकलने वाले कूड़े की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

एक नजर

दहेज हत्या मामले में पति समेत अन्य आरोपी बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा अदालत ने दहेज हत्या मामले में पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों को बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा की अदालत ने कहा कि मामले में गवाहों व साक्ष्यों की कमी के कारण संदेह का लाभ आरोपियों को दिया जाना चाहिए। अदालत ने मृतक के आरोपी पति आशु, जेठ संजय, देवर रिंकू, सास रानी और ननद बबीता को आईपीसी की धारा 498ए (पति और उसके रिश्तेदारों द्वारा विवाहित महिला के खिलाफ क्रूरता), धारा 304 बी (दहेज हत्या) और धारा 34 (सामान्य इरादे) से आरोप मुक्त कर दिया। आरोपियों की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अनुराग सिंह ने अदालत को अवगत कराया कि अभियोजन पक्ष ने यह भी आरोप लगाया था कि मृतक ने दहेज की मांग के कारण उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपियों के खिलाफ थाना अतरौली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि, उसी समय जांच अधिकारी ने खुद उक्त मामले में अदालत द्वारा पारित फैसले की एक कापी दाखिल की, जिसके तहत सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया था। अदालत द्वारा पारित फैसले के अवलोकन से पता चला कि शिकायतकर्ता शशि (अब मृतक) ने यह बयान दिया था कि आरोपियों ने न तो दहेज की मांग की थी और न ही उन्होंने उसे परेशान किया था।

स्कूलों में फेलोशिप शिक्षण कार्यक्रम को अनुमति मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में फेलोशिप शिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत होगी। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए इसको अनुमति दे दी है। इसकी शुरूआत पांच स्कूलों से होगी। इसके बाद इसे अन्य में लागू किया जाएगा। निदेशालय की ओर से जारी परिपत्र के तहत स्कूलों में कुल 50 कक्षाएं और 29 फेलो इस साझेदारी के तहत कार्यरत होंगे। सभी फेलो दो वर्ष तक पूर्णकालिक शिक्षण करेंगे। साथ ही, छात्रों के शैक्षणिक और नेतृत्व कौशल को विकसित करेंगे। इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को उच्च स्तरीय शिक्षा मुहैया कराना है। साथ ही, कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा देना है। यह फेलोशिप एक गैर सरकारी संस्था के साथ समझौते के जरिए लागू होगी।

एटीएस टीम ने किए दो बदमाश गिरफ्तार, मोबाइल फोन और बाइक जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। एएटीएस की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराध की दुनिया में नए-नए शामिल हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। उनसे छीना गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त कर ली गई है। उनकी पहचान दरियागंज निवासी कफील और शास्त्री पार्क निवासी आफताफ के रूप में हुई है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के एडिशनल डीसीपी के मुताबिक, 17 मई को आइपी एस्टेट थाने में बाइक सवार दो बदमाशों द्वारा मोबाइल फोन छीनने की शिकायत दर्ज हुई थी। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें बाइक सवार बदमाश कैद हो गए। उनकी पहचान करने के बाद टेक्निकल सर्विलांस की मदद से 27 मई को दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस जांच में उनका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला।

दिल्ली पुलिस की एंटी थेफ्ट सेल ने चोर को दबोचा, मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी थेफ्ट सेल ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान इंदिरा कैंप एंड्रयूजगंज निवासी प्रेम कुमार के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने डीडीए मार्केट, सफदरजंग एन्क्लेव से गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि जिले में मोबाइल चोरी व सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एक टीम गठित की गई थी। टीम ने हाल ही में हुई चोरी की घटनाओं वाले स्थानों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस दौरान डीडीए मार्केट, सफदरजंग एन्क्लेव में एक चोर के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने मार्केट से एक युवक को पकड़ा, जिसकी पहचान प्रेम कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद किए, जिन्हें वह बेचने की फिराक में घूम रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

स्टेडियम, कॉलेज और जैतपुर तक मैट्रो; भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने उठाई मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि हम उनके द्वारा अधिग्रहित की गई जमीन पर कॉलेज, स्टेडियम और जैतपुर तक मैट्रो बनाने की मांग दिल्ली प्रशासन और एलजी के सामने रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समय में कम पैसे पर जमीन अधिगृहित की गई थी। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सरकार ने बदरपुर, मीठापुर और आस-पास के गांवों में बहुत कम दरों पर जमीनें अधिग्रहित की थीं। अधिग्रहित जमीन पर एनटीपीसी पावर हाउस बनाया गया। अब पावर हाउस बंद पड़ा है और यहां के सभी निवासियों की मांग है कि यहां स्टेडियम, कॉलेज बने। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी कहते हैं, "कांग्रेस के शासनकाल में सरकार ने बदरपुर, मीठापुर और आस-पास के गांवों में बहुत कम दरों पर जमीनें अधिग्रहित की थीं। अधिग्रहित जमीन पर एनटीपीसी पावर हाउस बनाया गया। अब पावर हाउस बंद पड़ा है और यहां के सभी निवासियों की मांग है कि यहां विश्वस्तरीय स्टेडियम और कॉलेज बनाया जाए। रामवीर सिंह ने कहा कि मैं इस मांग का समर्थन करता हूं और इस मुद्दे को संसद में उठाऊंगा। इस बारे में एलजी और डीडीए के उपाध्यक्ष से भी बात करूंगा। मैं इस जमीन पर स्टेडियम और कॉलेज बनवाने की पूरी कोशिश करूंगा।

मेट्रो स्टेशन पर जांच में दिव्यांग, गर्भवती महिलाओं को प्राथमिकता मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में यात्रा के लिए पहुंचने वाले यात्रियों की कुछ श्रेणी को अब सुरक्षा जांच में प्राथमिकता मिलेगी। जांच में जुटे सीआईएसएफ के जवान ऐसे लोगों को बिना कतार के सीधे सुरक्षा जांच कर अंदर प्रवेश करने देंगे। इस विशेष श्रेणी में दिव्यांग, गर्भवती महिलाएं, नवजात बच्चे के साथ महिला, बुजुर्ग और घायल शख्स शामिल हैं। सीआईएसएफ अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली मेट्रो में सफर के दौरान कभी-कभी सुरक्षा जांच के लिए लंबी कतार लग जाती है। कई बार अधिक यात्रियों के एक साथ आने से ऐसी समस्या होती है। इस दौरान कई बार बुजुर्ग, महिलाएं एवं दिव्यांगों को सुरक्षा जांच के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। इसका समाधान करने के लिए डीएमआरसी एवं सीआईएसएफ ने तय किया है कि उन्हें सुरक्षा जांच में प्राथमिकता दी जाएगी। वह बिना कतार के सीधे आगे आकर अपनी सुरक्षा जांच करवा सकेंगे। इस व्यवस्था से संबंधित जानकारी सुरक्षा जांच वाली जगह पर पोस्टर लगाकर यात्रियों को दी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा जांच के दौरान अगर किसी यात्री पर गलत ढंग से इस सुविधा का लाभ लेने का शक होगा तो यात्री से दस्तावेज मांगे जा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश: जनपद मिर्जापुर में अपना दल एस पार्टी ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मिजार्पुर में अपना दल के जिलाध्यक्ष ई० राम लौटन बिन्द के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय रेलवे स्टेशन दक्षिणी प्रवेश द्वार के सामने पथरहिया जिला-मिजार्पुर में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर कर जी की 300 वीं जयंती दिवस मनाया गया। जयंती दिवस के इस पुनीत अवसर पर मुख्य अतिथि अपना दल एस की मा० राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण तथा संचालन प्रदेश सचिव रामवृक्ष बिंद ने किया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई ने कम उम्र में ऐसे समय शासन की बागडोर अपने हाथों में लिया जब सती प्रथा का दौर था वो अपनी प्रजा से बहुत प्यार करती थी। उन्होंने महिलाओं के उत्थान के लिए भरसक प्रयास किया। महिलाओं को संपत्ति में अधिकार व अस्त्र शस्त्र की शिक्षा भी महिलाओं को उनके शासन में दिया गया। तीन सौ वर्ष पूर्व इतिहास में हम सबके लिए राजमाता अहिल्याबाई होल्कर कर ने एक अद्भुत मिसाल पेश की हैं जिसके लिए मैं उन्हें याद कर पुन नमन करती हूं।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री जी ने अपने कार्यकताओं से कहा कि आज इतने कम समय में हमारी पार्टी आगे बढ़ी है ये आप सबकी त्याग और तपस्या की देन है लेकिन हमारा लक्ष्य सिर्फ एक सांसद या विधायक बन जाना नहीं है बल्कि अपनी पार्टी के सामाजिक न्याय की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मेरा पूरा प्रयास रहता है कि मैं ज्यादा से ज्यादा समय अपने संसदीय क्षेत्र में दूं, लेकिन सब जगह मेरा पहुंचना संभव नहीं है इसलिए आप जहां जाएं वहां आप अनुप्रिया पटेल हैं, आप सांसद हैं और आप पार्टी की सामाजिक न्याय की विचारधारा से लोगों को जोड़े तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। अभी आगे 2027 में विधानसभा का चुनाव है फिर अगला चुनाव आएगा तो चुनाव तो आते जाते रहेंगे लेकिन यदि हमारा संगठन मजबूत होगा तो हम आगे बढ़ेंगे, पार्टी भी आगे बढ़ेगी जिससे समाज के वंचित, दबे, कुचले लोगों के लिए हमारी पार्टी का चिंतन है उसका कल्याण भी कर पाएंगे। विधायक रिंकी कोल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन न्याय व्यवस्था और परोपकारी भावना से ओत-प्रोत हो कर शासन चलाया, उन्होंने मंदिरों, घाटों, कुओं और तालाब का निर्माण करवाया।

वह बाद में तीर्थ स्थलों के रुप में जाने गए। उन्होंने कहा कि अपना दल एक मात्र ऐसा पार्टी है जो छोटे बड़े सभी लोगों का सम्मान करता है, जो देश में अच्छा काम किया है। अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को हुआ था और मृत्यु 13 अगस्त 1795 को हुआ। अहिल्याबाई होलकर का विवाह खंडेराव होलकर से हुआ था। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर एक सभ्य सोच रखने वाली महिला थी।

जिलाध्यक्ष ई रामलौटन बिंद ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई ने महिला सशक्तिकरण व शिक्षा को बढ़ावा देने वाली उचित न्याय करने वाली शासिका थी हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और भविष्य में उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जबसे मा० अनुप्रिया पटेल जी मिजार्पुर की सांसद हुई है तबसे जनपद मिजार्पुर में विकास ही विकास हो रहा है जिसकी किताब भी है जिनके पास नहीं है वो कार्यालय से ले सकते है और उसके बारे में जनपद के चट्टी चौराहे पर लोगों को बताए कि जबसे हमारी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद अनुप्रिया पटेल जब से मिजार्पुर की सांसद हुई है तब से मिजार्पुर में कितना विकास हुआ है तभी पार्टी का चौमुखी विकास होगा। उन्होंने बताया कि एक जून को लखनऊ में नए प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत समारोह का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें उन्होंने सभी कार्यकताओं से आने की अपील किया। इसके साथ ही उन्होंने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया।

इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव रमाशंकर सिंह पटेल, राष्ट्रीय महासचिव व्यापार रमेश पटेल, राष्ट्रीय सचिव किसान मंच रमाकांत पटेल, राष्ट्रीय सचिव मेघनाथ पटेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चिकित्सा मंच डॉ एसपी पटेल, राष्ट्रीय सचिव युवा मंच अजीत पटेल, प्रदेश के पदाधिकारीगण अनिल सिंह पटेल, आनंद सिंह पटेल, दुखहरण सिंह पटेल, राजेंद्र प्रसाद सिंह पटेल, अरुणेश पटेल, दुर्गेश पटेल, रामवृक्ष बिन्द, अनिल सिंह पगड़ी, लाल बहादुर सिंह, मुन्नर सिह पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेंद्र कोल, राधेश्याम पटेल, संजय उपाध्याय, राजकुमार सिंह पटेल, सुरेश पटेल, विजय शंकर केसरी, कुलदीप सिंह पटेल, उदय पटेल, संतोष विश्वकर्मा, राधिका बेलदार, नमिता केसरवानी, जयशंकर पटेल, गुलाब बहादुर पटेल, शंकर सिंह चौहान, राजेश मौर्य, वरुण पटेल, धनंजय सिंह, उमाशंकर सोनी, रामसहाय सिंह, अखिलेश बिंद, रतन सिंह, दुर्गा प्रसाद केसरवानी, दिनेश कुमार पटेल, अर्जुन सोनकर, राम लखन सिंह पटेल, राजकुमार पाल, डॉ संतोष बिन्द, सतीश बिन्द, रमाशंकर पटेल

अभिषेक पटेल, मनोज कुमार बिन्द, आरिफ अली मंसूरी, रविंद केसरी, मनोज कुमार सिंह, अर्चना अग्रहरि, पूनम सिंह, निशा बिन्द, पिंकी सिंह, रेखा चौरसिया, कल्पना गुप्ता, शशि कला सुषमिता, नैना कुमारी, हर्षित सिंह, सोनेलाल पटेल, विशंभर पांडे गौरव दुबे, राहुल ओझा, शुभम दुबे, अनूप कुमार पांडे, अजय केसरी, इश्तियाक मंसूरी, अमित कुमार मौर्य, विजय कुमार प्रजापति, नीरज कुमार प्रजापति, शिवनारायण पटेल, दीनानाथ पटेल, लक्ष्मण सिंह, राजेश सिंह, प्रशांत शुक्ला, रामकिशन बिन्द, मिथिलेश कुमार पटेल, अजय पाठक, अनिल चौरसिया, बृजेश कुमार बिन्द, सुशील पटेल, कमलेश पाल, मारतण्र्ड बहादुर सिंह आदि अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहें। उक्त आशय कि जानकारी जिला मीडिया प्रभारी शंकर सिंह चौहान ने दी।

पत्नी से अवैध संबंधों के शक में युवक की चाकू गोदकर की हत्या

रजनेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश: बरेली में शनिवार को दिनदहाड़े युवक की हत्या से सनसनी फैल गई बताया जा रहा है कि आरोपी ने अवैध संबंधों के शक में वारदात को अंजाम दिया है वारदात के बाद से आरोपी फरार हो गया ,पुलिस की टीमें उसकी तलाश में लगी हुई है। बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला कांकरटोला में जरी कारीगरी की ताबड़तोड़ चाकू मारकर हत्या कर दी गई आरोपी की तलाश में पुलिस व एस ओ जी की टीम दविश दे रही है परिवार ने पुरानी रंजिश में हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है लेकिन पूछताछ में खुला है कि आरोपी को शक था कि जरी कारीगरी से उसकी पत्नी से संबंध है उसने अपनी पत्नी से भी मारपीट की थी।

35 साल का अरशद एक जरी कारखाने में कारीगर था परिजनों के मुताबिक उसकी भाभी की तबीयत खराब थी उनके लिए खून का इंतजाम करने अरशद शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे ब्लड बैंक जा रहा था तभी रास्ते में पहले से ही घात लगाए बैठे आमिर ने उसे पर अचानक चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया घायल अरशद को परिजनों ने पास के निजी अस्पताल भर्ती कराया वह इलाज के दौरान शाम 5:00 बजे उसकी मौत हो गई। अरशद के पिता जहीर अहमद ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आमिर और उसके बेटे फरमान ने उनके बेटे की चाकू मार कर हत्या कर दी बताया है कि अरशद और आमिर के बीच करीब 1 महीने पहले शादी समारोह में झगड़ा हो गया था उसके बाद से आमिर उनके बेटे से रंजिश मानता था और उसकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही बारादरी पुलिस मौके पर पहुंची एसपी सिटी मानुष पारीक व सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने भी मौके का मुआयना किया उन्होंने पूछताछ की तो पता लगा कि आमिर शकी मिजाज का इंसान है क्योंकि अरशद की शादी नहीं हुई थी और उसका आमिर के घर भी आना-जाना था तो आमिर को लगता था कि उसकी पत्नी से उसके संबंध है इस वजह से वह कुछ दिनों से वो अपनी पत्नी की भी पिटाई कर रहा था।

उत्तर प्रदेश: किसान मोर्चा को लेकर होगी 4 तारीख को जन हड़ताल

अल्ताफ राजपूत

उत्तर प्रदेश: संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 4 जून 2025 बिजली के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा जिलाधिकारी महोदय बिजनौर के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार को सुबह 11:30 बजे एक मांग पत्र प्रेषित करेगी यह निर्णय आज दिनांक 1 जून 2025 को सभा के क्षेत्रीय कार्यालय कोट मंसा मैं अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा की जिला कमेटी की बैठक में लिया गया जिसकी अध्यक्षता सभा के उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष शमशाद हुसैन की तथा संचालन जिला महासचिव सुभाष चंद्र किया शमशाद हुसैन ने कहा कि बिजली का काफी कम प्राइवेट क्षेत्र में चला गया है जिसके कारण आम आदमी को काफी कठिनाइयों और आर्थिक नुकसान हो रहा है।

पूरी तरह से बिजली का निजीकरण अगर होता है, तो आम आदमी को किस को बिजली नसीब नहीं होगी और बहुत महंगी हो जाएगी इसलिए केंद्र सरकार से बिजली के निजीकरण पर रोक लगाने की मांग की जाएगी सरकार नई कृषि विपणन कृषि नीति जो लाई है वह किसान मजदूर के पक्ष में नहीं है खाना महंगा होगा यह किसानों को उधार में फंसा कर उजाड़ देगी उन्हें जमीन से बेदखल कर देगी और कृषि यंत्रों का प्रयोग कर कर कृषि शर्म कार्य छीन लेगी इसमें म एस पी नहीं है सरकारी खरीद नहीं है राशन वितरण प्रणाली के लिए भंडारण नहीं है।

किसान अनाज नहीं अनुबंध फैसले उगाएगे बाजार से खाना खरीदने को मजबूर होंगे इसलिए सरकार की नई कृषि विपणन नीति देश हित में नहीं है बैठक में डॉक्टर उस्मान दयाराम सिंह कादिर अंसारी डॉक्टर दानिश अली को जिला कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया और कादिर अंसारी को अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा जनपद बिजनौर का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया बैठक में मोहम्मद तकी महेंद्र सिंह मोहम्मद शफीक अर्जुन सिंह कुद्रतुल्लाह नफीस अहमद दिलशाद अहमद मुन्ने आदि शामिल रहे।

झारखंड के गोड्डा पुलिस के ललमटिया थाना प्रभारी को मिली बड़ी सफलता

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार भेजा गया न्यायिक हिरासत में

सोनू कुमार

झारखण्ड: ललमटिया थाना कांड संख्या- 44/2025, दिनांक- 28.05.2025 धारा- 121/121 (ए)/122/109/118/132/324(4) बी०एन०एस० एवं 27 आर्म्स एक्ट

दिनांक- 27.05.2025 कि रात्रि में राजमहल परियोजना (ई०सी०एल०), ललमटिया क्षेत्र अन्तर्गत ओ०सी०पी० के पहाडपुर गाँव में हो रहे खनन कार्य में बाधा डालने एवं मजदुरों पर हमला करने के उद्देश्य से कुछ अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा गोली-बारी की घटना कारित की गयी थी। इस घटना में एक ई०सी०एल० कर्मी घायल हुआ था। जिस संबंध में ललमटिया थाना कांड संख्या 44/2025, दिनांक- 28.05.205 धारा 121/121 (ए)/122/109/118/132/324(4) बी0एन0एस0 एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया है।

घटना के उदभेदन एवं संलिप्त अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, गोड्डा के द्वारा प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक, कुमार गौरव के नेतृत्व में एक एस०आई०टी० टीम गठीत किया गया। गठित एस०आई०टी० टीम के द्वारा मानवीय आसूचना एवं तकनिकी अनुसंधान के आधार पर कांड में संलिप्त पटवारी सोरेन एवं अजीत हेम्ब्रम को पकड़ा गया और दोनों अभियुक्तों का स्वीकारोक्ति बयान लिया गया इन्होने अपने बयान में इस घटना में संलिप्ता की बात स्वीकर करते हुए अन्य अभियुक्तों कि सलिप्ता की बात बतायें हैं।

दोनों अभियुक्तों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दो देशी कट्टा एवं दो गोली को बरामद किया गया है। तत्पश्चात दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को आज न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि ये दोनों अभियुक्त पूर्व के कई कांडो में आरोपित रहें हैं।

अभियुक्त का अपराधिक इतिहासः-

ललमटिया थाना कांड संख्या 35/2023, दिनांक 13.04.2023 धारा 307/353 भा०द०वि एवं 27 आर्म्स एक्ट

2. ललमटिया थाना कांड संख्या 37/2023, दिनांक 26.04.2023 धारा 302/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट

3. राजाभीठा थाना कांड संख्या- 08/2023, दिनांक 06.03.2023 धारा 307/326/506/34 भा०द०वि० एवं 27 आम्स एक्ट

जप्त समानों की विवरणीः-

1. देशी कट्टा- 02
2. जिन्दा कार्तुस 303-01
3. मिस फायर कार्तुस 303 - 01

गिरफ्तार व्यक्ति का नाम-पताः-

1. पटवारी सोरेन उम 25 वर्ष पिता मंगल सोरेन, सा०- हर्रखा, थाना- ललमटिया, जिला गोड्डा

2. अजीत हेम्ब्रम उम्र 27 वर्ष पिता संझला हेम्ब्रम, सा० हर्रखा, थाना ललमटिया, जिला गोड्डा

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मीः-

1. पुलिस निरीक्षक, बिरेन्द्र पासवान, बोआरीजोर प्रभाग।
2. पुलिस निरीक्षक उपेन्द्र कुमार महतो, महागमा प्रभाग।
3. पु०अ०नि० रौशन कुमार, थाना प्रभारी, ललमटिया थाना।
4. पु०अ०नि० धुर्व कुमार, थाना प्रभारी, बोआरीजोर थाना।
5. पु०अ०नि० राजन कुमार राम, थाना प्रभारी, हनवारा थाना।
6. पु०अ०नि० शौरभ कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी, मेहरमा थाना।
7. पु०अ०नि० अमित माकर्की, थाना प्रभारी, बलबडा थाना।
8. पु०अ०नि० पंकज कुमार सिंह, थाना प्रभारी, ठाकुरगंगटी थाना
9. पु०अ०नि० अश्विनी कुमार, ललमटिया थाना।
10. पु०अ०नि० प्रभास दास, ललमटिया थाना।
11. तकनिकी शाखा, गोड्डा
12. थाना सशस्त्र बल

छत्तीसगढ़: सोशल मीडिया के सहारे सुनाया कर्ज का दुखड़ा सुसाइड से पहले की दुखभरी वीडियो आई सामने

मोहनीश कुमार धीवर

छत्तीसगढ़: रायगढ़ में शख्स ने जहर खाने से पहले बनाया वीडियो बना कर दुनिया को दिखाया और सोशल मीडिया में पोस्ट कर दिया और कहा 'मुझे उधारी वाले बहुत परेशान कर रहे हैं। धीरे-धीरे दूंगा बोल रहा हूं तो कोई मान नहीं रहा है। कोई घर खाली करने को कह रहा तो कोई घर पर कब्जा कर लिया है। बहुत शौक से घर बनाया हूं। टेंशन नहीं झेल पार रहा हूं। मरना पड़ रहा है।"ये बातें वीडियो जारी कर रायगढ़ जिले के रहने वाले होटल संचालक रूपेश दीवान (42) ने कही है। जहर खाने से पहले उसने वीडियो बनाकर वायरल किया है। घटना शनिवार सुबह 10:30 बजे की है। जानकारी लगते ही परिजन शख्स को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है।

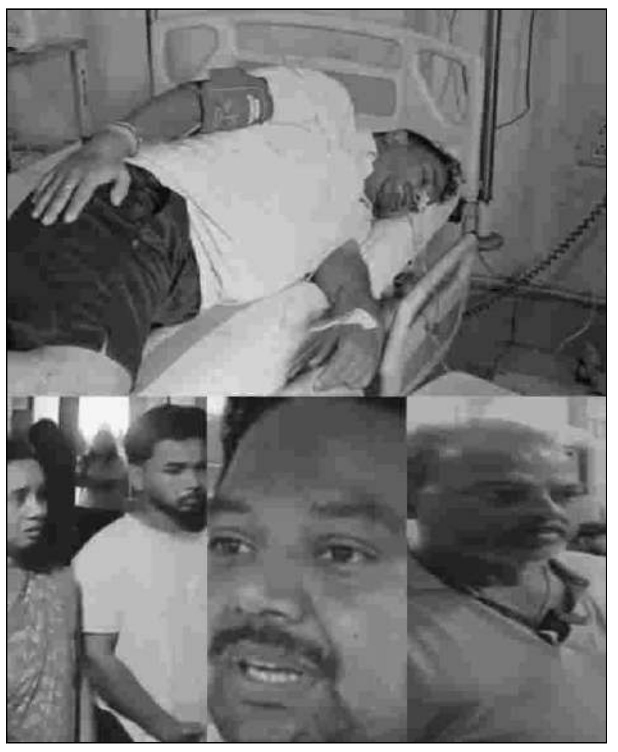

पीड़ित शख्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती है। रिटायर्ड बैंककर्मी से लिए थे उधार जानकारी के मुताबिक अतरमुड़ा क्षेत्र निवासी रूपेश दीवान ने रिटायर्ड बैंककर्मी अरुण मिश्रा के यहां किराए से होटल चलाता था। रूपेश जरूरत पड़ने पर अक्सर अरुण मिश्रा से उधार में लेता था। पहले उसने उधार के रुपए लौटाए भी थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह रुपए नहीं लौटा सका।शुक्रवार की शाम अरुण मिश्रा, बेटे और अन्य 3-4 लोग रूपेश दीवान के घर पहुंचे। घर पर रूपेश नहीं था। इस दौरान उसकी पत्नी और बेटा ही घर मौजूद थे, तभी अरुण मिश्रा ने रूपेश की पत्नी से बदसलूकी की।शुक्रवार शाम पीड़ित की पत्नी ने थाने में अरुण मिश्रा की शिकायत की थी।इस दौरान अरुण मिश्रा और उसका बेटा घर में ताला लगा दिया, जिससे परेशान होकर रूपेश दीवान ने जहर खा लिया। रूपेश दीवान और उसकी पत्नी थाने जाने वाले थे, लेकिन अरुण मिश्रा का प्रताड़ना सह नहीं सका। घर से दूर जाकर जहर खा लिया।वीडियो वायरल होने पर परिजन खोजने निकले थे। वह घर से दूर बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। उसके पास जहर की बॉटल पड़ी हुई थी।

परिजन उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे और थाने में मामले की जानकारी दी।पुलिस ने रिटायर्ड बैंककर्मी अरुण मिश्रा और उसके बेटे को हिरासत में लिया है।अरुण मिश्रा मेरी साली का हाथ पकड़ लिया था मामले में पीड़ित के साढ़ू परमानंद मिश्रा ने बताया कि रिटायर्ड बैंककर्मी 20% से ब्याज ले रहा था। लोन देने वाला अरुण मिश्रा मेरी साली का हाथ पकड़ लिया था। साली को डरा-धमका रहा था। घर में कब्जा कर लिया है। घर में ताला लगा दिया है। साली और साढू 15-17 लाख दे चुके हैं, लेकिन फिर भी परेशान किया जा रहा है।अरूण साली और साढ़ को धमकाता है। कहता है कि उसने घर को खरीदा है।

कोरे कागजों में हस्ताक्षर भी करा लिया है। थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस को भी घर खरीदने की बात कही, लेकिन वह उसका घर नहीं है।परमानंद मिश्रा पीड़ित का रिश्तेदार हिरासत में रिटायर्ड बैंककर्मी और उसका बेटा उरढ आकाश शुक्ला ने बताया कि अरुण मिश्रा और उसके बेटे को हिरासत में लिया गया है। पीड़ित का इलाज जारी है, वह फिलहाल क्ढव में भर्ती है। डॉक्टर पूरी कोशिश कर रहे हैं कि शख्स को जल्द ठीक किया सके। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

राजस्थान: दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण होने पर हौसला अफजाई

मोहम्मद नवाज खान (अजमेर)

राजस्थानः सचिव बदरुद्दीन कुरैशी ने बताया तारा शाह नगर हुसैनी मोहल्ला विकास समिति की तरफ से दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण करने पर राशिद अली अब्बासी की पुत्री साइना बानो अब्बासी को समिति की तरफ से प्रशंसा पत्र देकर वह मुंह मीठा करवा कर सम्मानित किया गया।

वह आगे भविष्य में भी उज्जवल भविष्य के लिए कामना की गई इस अवसर पर समिति के मेंबरों ने बताया इस तरीके से बच्चों को हौसला अफजाई करने से दूसरे बच्चों को भी हौसला मिलता है समिति समय-समय पर ऐसे सामाजिक कार्य करती रहती है इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष आफताब नवाजी उपाध्यक्ष नौशाद अब्बासी कोषाध्यक्ष निजामुद्दीन और अमन खान मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: जन सेवा दल के बरेली जिलाध्यक्ष आरके सिंह ने किया जनता के साथ जनसंपर्क

रजनेश श्रीवास्तव

उत्तर प्रदेश: जन सेवा दल के बरेली जिलाध्यक्ष आरके सिंह ने पार्टी को मजबूत करने के लिए क्षेत्र में भ्रमण शुरू किया है वह अपनी टीम के साथ समाज में जागरूकता की और जनसंपर्क कर जन सेवा दल का पॉवर प्रोजेक्ट के बारे में बता रहे हैं , जिससे लोग प्रभावित होकर जन सेवा दल से जुड़ रहे हैं , आरके सिंह के सहयोगी रहे रोहताश श्रीवास्तव ने जानकारी दी उन्होंने आज अनिरुद्ध पुर जाकर गांव में समाज के लोगों से जाकर पिछड़े वर्ग के लोगों से जनसंपर्क किया पार्टी को मजबूत बनाने के लिए योजना बनाई गई। आज आंवला तहसील अलीगंज अनिरुद्धपुर में हुआ जन सेवा दल की मीटिंग का आयोजन

मीटिंग के दौरान जन सेवा दल के जिला अध्यक्ष आर के सिंह के द्वारा विचार व्यक्त करते हुए बताया गया कि जन सेवा दल सजातीय भाई लोगों की पार्टी हैं सविता सेन नंद श्रीवास्तव सहित सभी लोग अपने सरनेम को एक करने का प्रयास करें जिसमें समाज के सभी कार्य आसानी से किया जा सके सभी समाज व सामाजिक संगठन समाज के उत्थान को लेकर राजनीति में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लें तथा एक ही मंच पर खड़े होकर जन सेवा दल के साथ रहे संस्थापक विनेश ठाकुर भैया जी हाथों को मजबूत करने अपने समाज से अपील करते हुए कहां है कि सभी लोग समय पर एकत्रित हो जाये।

जन सेवा दल जिला अध्यक्ष आर के सिंह प्रेमपाल श्रीवास्तव करेली रोहतास श्रीवास्तव प्रधानाचार्य संजीव श्रीवास्तव रमेश श्रीवास्तव रिटायर टी टी बसंत श्रीवास्तव कुवार पाल श्रीवास्तव परमेश्वरी दयाल श्रीवास्तव प्रदीप श्रीवास्तव अमित श्रीवास्तव हिमांशु श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव मास्टर संजीव श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

राजस्थानः थांदला में साईं मंदिर स्थापना दिवस पर लगा भक्तों का तांता

शिव-शक्ति के साथ पुत्र गणेश - कार्तिकेय व हनुमानजी महाराज की हुई प्राण प्रतिष्ठा

रियाज मोहम्मद खान

राजस्थानः धर्म भूमि थांदला में धर्म की गंगा सतत प्रवाहित हो रही है। यहाँ हिन्दू सनातन संस्कृति में प्रेम व सद्भावना का अनूठा संगम देखने को मिलता है। नगर के एक मात्र साईं मंदिर के 27 वें स्थापना दिवस पर शिव साईं भक्त मण्डल व त्रिमूर्ति महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में शिव परिवार व हनुमानजी महाराज की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। जानकारी देते हुए संस्थापक ललित शर्मा, अध्यक्ष महेश गढ़वाल व पवन नाहर ने बताया कि साईं शिव भक्तों की बरसों से इच्छा थी कि साईं मंदिर परिसर में शिव परिवार को भी स्थापित किया जाये ताकि धमवलम्बियों को एक ही स्थान पर ज्यादा देव दर्शन व भक्ति का लाभ मिल सके।

सबकी आशा के अनुरूप नगर के विद्वान पण्डित द्वारिका प्रसाद शर्मा व अन्य पंडितों के सानिध्य में साई बाबा के समीप ही शिवलिंग को आसमान से उनकी स्थापना जगह पर व आदिशक्ति माता पार्वती, कुमार कार्तिकेय, विघ्नहर्ता गणेशजी व कष्टभंजन हनुमानजी महाराज को पूरे विधि विधान के साथ प्रतिष्ठित किया गया। चूंकि यहाँ स्थापित शिवलिंग पवित्र नर्मदाजी से लाया गया है इसलिए इसका नामकरण ओंकारेश्वर महादेव किया गया। इस अवसर पर सभी नव प्रतिष्ठित शिव परिवार व साईं बाबा का आकर्षक श्रृंगार करते हुए महा आरती की गई व सायं 6:30 बजे से विशाल भंडारें का आयोजन किया गया जो देर रात तक चलता रहा।

सकल आयोजन में यजमान प्रीति मयूर पंचाल, उर्मिला जगदीश प्रजापत रहे। वही ललित शर्मा, महेश गढ़वाल, पवन नाहर के अलावा समिति के अमृतलाल चौहान, सुभाष डामर, राजेश जैन काऊ, विपिन नागर, भगवानलाल शर्मा, बाबूभाई प्रजापत, शीतल मौर्य, कमलेश कुवाड़, सुरेश जैन, आत्माराम शर्मा, मकना भाई, समकित तलेरा, दिलीप पाटीदार, जितेंद्र चौरड़िया, श्रीमंत अरोड़ा, कमलेश कुवाड़, महेश पंचाल, प्रकाशचन्द्र धानक, दिनेश राठौड़, राजा राठौड़, मंदिर के पुजारी कैलाश आचार्य, बाबूभाई पाटीदार सेवक, पण्डित महेश गिरी, देवेंद्र अरोड़ा, सुभाष भटेवरा, रिपु गुप्ता, अरुण राठौड़, मोहन गढ़वाल, लवनेश चौहान, साईं डामर, त्रिमूर्ति महिला मंडल के माया भटेवरा, लक्ष्मी जाधव, सरोज शर्मा, ममता शर्मा, पुष्पा गिरी, ज्योति सोनी, पुष्पा शर्मा, शांति प्रजापत, जमुनाबाई गढ़वाल, निर्मला डामर, साधना परमार, रेखा पाटीदार, अनिता डांगुर, कीर्ति राठौड़, पद्मा राठौड़ आदि ने सक्रियता से कार्य करते हुए अहम भूमिका निभाई।

विधायक सहित अन्य गणमान्य नागरिक हुए शामिल

थांदला के नवीन प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में विधायक वीरसिंह भूरिया, जसवंत भाबर व उनके सहयोगी साथी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विश्वास सोनी, अंगुरबाला स्वर्णकार सोनी, समाजसेवी दिनेश कलाल, पार्षद राजू धानक समाजसेवी सचिन सौलंकी, अर्जुन सोनी, दिनेश चतुर्वेदी, मैथूसिंह बारिया सहित अनेक साईं शिव भक्तों ने शमिल होकर धर्म लाभ लिया।

दिल्लीः गणेश नगर दिल्ली में माता काली का भव्य जागरण

प्रदीप शर्मा

दिल्लीः किन्नर समाज से काजल गुरु द्वारा भव्य जागरण का आयोजन किया गया

जागरण के शुभ अवसर पर माता रानी का दिव्य दरबार सजाया गया,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत इस धार्मिक अनुष्ठान में भक्तों ने माता के चरणों में शीश नवाकर जनकल्याण की सुख-समृद्धि की कामना की।

जागरण में प्रसिद्ध गायक कलाकारों को आमंत्रित किया गया,जिन्होंने माता रानी के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा वातावरण भक्तिरस में डूब गया। भक्तिमय गीतों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते और भक्ति में लीन होकर नृत्य करते रहे। जागरण में वृंदावन से आए कलाकारों ने आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया। राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती और माँ दुर्गा की जीवंत झांकियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

जागरण में देर रात तक श्रद्धालु माता रानी के भजनों का आनंद लेते रहे और माता के दरबार में मत्था टेककर परिवार की खुशहाली व समाज में सुख-शांति की प्रार्थना की। सुबह महाआरती कर प्रसाद वितरित किया गया। एनसीआर समाचार से नोएडा संवाददाता प्रदीप शर्मा की खास

एक्सप्रेसवे किनारे सफाई कर्मचारी हुआ हादसे का शिकार, जिला अस्पताल किया रेफेर

उत्तर प्रदेशः सुल्तानपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की सर्विस लाइन पर रविवार शाम को बड़ा हादसा हो गया। बल्दीराय निवासी दो सफाई कर्मचारी विपिन कुमार पुत्र अमृत लाल और राजकुमार पुत्र स्व.किशोरी लाल अनियंत्रित होकर बुलेट बाइक से गिर पड़े,जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा बल्दीराय थाना क्षेत्र के डीह गांव के समीप हुआ,जब दोनों कर्मचारी एक निमंत्रण से लौट रहे थे। अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी बल्दीराय पहुंचाया गया,जहां से राजकुमार की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।विपिन कुमार की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

उत्तर प्रदेशः खूनी वर्चस्व की हुई जंग दोस्त ने सीने में मारी गोली, मुठभेड़ में चारों हत्यारोपी गिरफ्तार

राजू

उत्तर प्रदेशः दोस्ती टूटी तो गोलियों से बोला गुस्सा, कटपुला पुल पर पुलिस का ऐक्शन जावेद घायल, हथियार और बाइकें बरामद बरेली।

शहर के थाना कैंट क्षेत्र में दोस्ती, दुश्मनी में बदल गई और नतीजा हुआ खौफनाक मर्डर। वर्चस्व की इस खूनी लड़ाई में संकित चौहान की जान चली गई। उसके ही पुराने दोस्त अमन उर्फ रितिक ने सीने में गोली दाग दी। मर्डर में शामिल बाकी तीन साथी जावेद, आशीष उर्फ सोमू और अंशु को लेकर बरेली पुलिस ने जबरदस्त मुठभेड़ कर डाली। चारों गिरफ्तार हुए, जावेद मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुआ। कैसे टूटी दोस्ती, कैसे रची गई हत्या की साजिश?

रची गई सुनियोजित साजिश, सुनसान जगह पर ले जाकर मारी गोली चारों ने प्लान के तहत संकित को शराब पिलाने के बहाने जोर तलैया के पास ले जाया। अमन ने रास्ते में अपने घर (डिफेंस कॉलोनी) से .315 बोर का अवैध तमंचा लाकर साथ लिया। ग्राम पंचायत कार्यालय मोहनपुर के पास सुनसान रास्ते पर पहुँचते ही जावेद, आशीष और अंशु ने संकित को पकड़ लियाअमन ने सीने में गोली मार दी।

हत्या के बाद अमन और जावेद R15 बाइक (UP 25 DN 0265) आशीष और अंशु Splendor (UP 25 ED 3301) से भाग निकले। कटपुला पुल पर पुलिस मुठभेड़, जावेद घायल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली के निर्देशन मेंएसपी सिटी मानुष पारीक, सीओ सिटी प्रथम और थाना कैंट पुलिस की टीम ने सूचना मिलने पर कटपुला पुल के पास घेराबंदी की। हत्या में प्रयुक्त तमंचा एक जिंदा कारतूस, एक खोखा,दो बाइक,पुलिस पर फायरिंग में इस्तेमाल तमंचा मुठभेड़ पर मुकदमा संख्या 308/2025 दर्ज किया गया है, धारा 109 बीएनएस व 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत।

झाबुआ देवी अहिल्या जयंती पर महिला पुलिस ने संभाली थाने की कमान महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल

आरिफ मोहम्मद

मध्य प्रदेशः मध्य प्रदेश में लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। पुलिस अधीक्षक कप्तान पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देश और थाना निरीक्षक दिनेश रावत के मार्गदर्शन में महिला पुलिस अधिकारियों ने न केवल जिम्मेदारी को बखूबी निभाया, बल्कि यह साबित कर दिया की वे हर मोर्चे पर सक्षम हैं।

महिला पुलिस अधिकारियों की टीम ने संभाला मोर्चा

इस विशेष दिन पर सहायक उपनिरीक्षक अर्चना चौहान, प्रधान,आरक्षक तारा डूडवे और महिला आरक्षक बिंदु ने थाने पर होने वाली समस्त गतिविधियों को पूर्ण दक्षता से संचालित किया। आरोपियों को समझाइश देना, रिपोर्ट दर्ज करना, नगर की गलियों और मार्गों पर पैदल गश्त एवं यातायात नियंत्रण जैसी जिम्मेदारियाँ इन महिला पुलिसकर्मियों ने पूरे आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा से पूर्ण की ।

नगरवासियों ने जताया गर्व

नगर में महिला पुलिस टीम की सक्रिय उपस्थिति और अनुशासित कार्यशैली को देखकर आमजन ने उनके कार्यों की सराहना की। नगरवासियों ने कहा कि यह पहल न केवल देवी अहिल्या बाई की शिक्षाओं और आदर्शों को साकार करती है, बल्कि यह समाज में महिलाओं की भूमिका को और मजबूती से स्थापित करती है।

उत्तर प्रदेशः गाजीपुर के नन्द बाजार में बालू से लदा ट्रक धंसा,जाम की स्थिति,यात्रियों को हुई दिक्कत

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः उत्तर प्रदेश के जनपद गाजीपुर के स्थानी नंदगंज बाजार के पूर्वी छोर पर स्थित त्रिमोहानी पर बालू से लदा ट्रेलर रोड पर धंसा जिससे त्रिमूहानी पर चार घंटे तक जाम लगा रहा और यात्रियों की होती रही दिक्कत। बताते चलें कि आज दोपहर 12:00 बजे नंदगंज से शादियाबाद की तरफ जाने वाले प्रमुख मार्ग पर लाल बालू लदा टेलर शादियाबाद की तरफ मुड़ा और जैसे ही त्रिमुहानी पर धंस गया।

ड्राइवर के लाख प्रयास के बाद भी बालू से लदा ट्रेलर नहीं निकल पायो करीब 12:00 से लेकर 4:00 बजे तक ट्रेलर रोड के बीचो-बीच चार घंटे खड़ा रहा जिससे बस,ट्रैक्टर,जिप्सी डीसीएम जैसे बड़े वाहन बड़ी मुश्किल से इधर से उधर जा पा रहे थे, पूरी तरह से जाम की स्थिति पैदा हो गई थी वहां पर पुलिस बूथ बना है फिर भी वहां पर कोई पुलिस की मदद नहीं उपलब्ध थी जिससे यात्रियों को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ो किसी तरह से ट्रेलर ड्राइवर ने मजदूरों को बुलाकर के ट्रैक्टर से बालू को लदवा करके खाली करायो तब जाकर 5:00 बजे के आसपास ट्रेलर रोड से हटा और आवागमन सामान्य हुआ।

हरियाणा:सतीश नापा बने ब्लॉक सुपरवाइजर

रमेश कुमार

हरियाणाः फतेहाबादः सर्वत्र शिक्षा समिति की एक बैठक जिला कार्यालय फतेहबाद में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता सर्वत्र शिक्षा समिति के जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका ने की। बैठक में राजस्थान के राज्य परियोजना निदेशक रमेश शाक्य मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। बैठक में जिला फतेहाबाद के ब्लॉक नागपुर के लिए सतीश नापा को ब्लॉक सुपरवाइजर नियुक्त किया,जिनकी नियुक्ति रमेश शाक्य राज्य परियोजना निदेशक राजस्थान की देख रेख हुई। नवनियुक्त ब्लॉक सुपरवाइजर सतीश नापा को फूलो का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। सतीश नापा ने आश्वासन दिया कि वो पूरी ईमानदारी से सर्वत्र शिक्षा समिति के लिए कार्य करेंगे और जरूरतमंदो को संस्कार शिक्षक के लिए प्रेरित कर ग्राम पंचायतों में सर्वत्र शिक्षा समिति के माध्यम से रोजगार दिलवाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर कार्यालय में गुरविंदर सिंह, राम गोपाल, सचिन कुमार मौजूद थे।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला, चार पर हुई एफआईआर

उत्तर प्रदेशः देहात कोतवाली क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में दहेज की मांग पूरी न होने पर एक विवाहिता को मारपीट कर घर से निकालने का मामला सामने आया है।पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति जगराम,गुमानी देवी, रंजू और कुसुम के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।बताया जा रहा है कि पीड़िता की शादी लगभग दो वर्ष पूर्व हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष द्वारा लगातार दहेज की मांग की जा रही थी।

मध्य प्रदेशः राहुल नवरंग ने आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी की सच्चाई सामने रखी

आजाद समाज पार्टी के बैनर में कांशीराम साहब की तस्वीर गायब, सच्चाई आई सामने

फूलचंद मालवीय

मध्य प्रदेशः इंदौर से एक बड़े खुलासे में, आजाद समाज पार्टी कांशीराम के नेता चंद्रशेखर आजाद की सच्चाई सामने आई है। उनके पार्टी के बैनर में कांशीराम साहब की तस्वीर गायब है,और मुलायम सिंह यादव की तस्वीर लगाई गई है। यह एक बड़ा सवाल है कि क्या आजाद समाज पार्टी वाकई में कांशीराम साहब के मिशन को आगे बढ़ा रही है या सिर्फ उनके नाम का उपयोग कर रही है।

मिशन महाराजा बली सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल नवरंग ने पहले ही कहा था कि आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद को न तो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी के आंदोलन से मतलब है और न ही मान्यवर कांशीराम साहब के आंदोलन से। उनका एकमात्र उद्देश्य मिशन की आड़ में दलाली करना है। अब यह बात और भी स्पष्ट हो गई है कि आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद अपने हितों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

मान्यवर कांशीराम साहब के आंदोलन को आजाद समाज पार्टी खत्म कर रही है

आजाद समाज पार्टी मान्यवर कांशीराम साहब के आंदोलन को आगे नहीं बढ़ा रही है, बल्कि खत्म कर रही है। यह पार्टी आंदोलन की आड़ में अपना धंधा चला रही है और कांशीराम साहब के अनुयायियों को गुमराह कर रही है। यह एक बड़ा विश्वासघात है और कांशीराम साहब के अनुयायियों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए। आजाद समाज पार्टी के इस कदम से उनके समर्थकों में आक्रोश है। कई लोगों ने पार्टी के इस निर्णय की निंदा की है और कहा है कि यह कांशीराम साहब के मिशन के साथ विश्वासघात है।

मध्य प्रदेश में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी की दलाली

मध्य प्रदेश में भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी ने खुले आम दलाली की। राहुल नवरंग ने खुद इनको पकड़ा था जब ये बीजेपी का प्रचार कर रहे थे और बीजेपी से पैसे ले रहे थे। यह एक बड़ा खुलासा है और यह साफ जाहिर करता है कि आजाद समाज पार्टी के नेता और कार्यकर्ता अपने हितों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

आजाद समाज पार्टी के बैनर में कांशीराम साहब की तस्वीर गायब होने और मध्य प्रदेश में दलाली के मामले से यह साफ जाहिर होता है कि पार्टी की प्राथमिकता कांशीराम साहब की विचारधारा नहीं है, बल्कि कुछ और है। राहुल नवरंग की बातों से यह स्पष्ट होता है कि आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद अपने हितों के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। अब देखना होगा कि आगे चलकर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता क्या निर्णय लेते हैं और क्या यह पार्टी अपने समर्थकों का विश्वास बनाए रख पाएगी या नहीं।

नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरेली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः थाना आंवला पुलिस टीम ने बीती रात यानी 31 मई 2025 को मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए ग्राम किशनपुर गौटिया के पास से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के कब्जे से कुल 42 किलो डोडा (अफीम का अवशेष) बरामद किया गया है, जिसे चार प्लास्टिक के कट्टों में छिपाकर रखा गया था। साथ ही एक टैम्पू वाहन (UP 25 HT 4893) को भी जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल नशीले पदार्थ की तस्करी में किया जा रहा था। गिरफ्तार किए गए तीनों अभियुक्तों के खिलाफ मु0अ0स0 357/25 के तहत धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट NDPSActके अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

अभियुक्तों को हिरासत में लेकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा चुका है।

पुलिस की सक्रियता से नशा तस्करों पर लगाम। बरेली पुलिस की यह कार्रवाई नशा तस्करी के खिलाफ एक ठोस कदम है। एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई यह गिरफ्तारी यह स्पष्ट करती है कि पुलिस अवैध मादक पदार्थों के व्यापार पर पूरी नजरबनाएहुए हैऔर अपराधियों कोकिसी भी कीमत पर बक्सानही जाएगा।

संपादकीय

वायुसेना प्रमुख की चिंता

भारत के वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सार्वजनिक मंच से रक्षा-सौदों की लेटलतीफी पर चिंता जताई है, तो यह कोई सामान्य टिप्पणी या सरोकार नहीं है। सीआईआई के बिजनेस समिट में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि ऐसा कोई रक्षा प्रोजेक्ट नहीं है, जो तय समय पर पूरा हुआ हो। जब रक्षा सौदों के करार पर दस्तखत किए जाते हैं, तब जानकारी होती है कि यह प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं होगा, लेकिन फिर भी हस्ताक्षर कर दिए जाते हैं। यहीं से पूरी प्रक्रिया बिगड़ जाती है। एयर चीफ मार्शल ने यहां तक संकेत दिए हैं कि इसी से युद्ध की तैयारियां प्रभावित होती हैं। वायुसेना प्रमुख ने यह खुलासा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव आरके सिंह की उपस्थिति में किया है, जाहिर है कि यह चिंता एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंचेगी। प्रधानमंत्री और वायुसेना प्रमुख की रूबरू मुलाकातें भी होती रही हैं। उनमें भी यह मुद्दा उठा होगा।

हमारी वायुसेना लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर और अन्य रक्षा-उपकरणों का संकट और समयहीनता उस परिदृश्य में झेल रही है, जब चीन ने पाकिस्तान को 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान जे-35 ए देने की घोषणा की है। चीन ऐसे 30-35 विमान पाकिस्तान को मुहैया कराएगा, जबकि भारतीय सेना के पास 5वीं पीढ़ी का एक भी लड़ाकू विमान नहीं है। दुश्मन को कमतर नहीं आंकना चाहिए। वायुसेना प्रमुख का यह रहस्योद्घाटन तब सार्वजनिक हुआ है, जब भारत की वायुसेना 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकियों के बड़े अड्डे 'मिट्टी-मलबा' कर चुकी है, करीब 170 आतंकियों को ढेर कर चुकी है और कई प्रमुख एयरबेस, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर चुकी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' हमने अपनी वायु-शक्ति की बदौलत ही जीता है, लिहाजा वायुसेना प्रमुख की ये चिंताएं बेहद गंभीर हैं। चीफ मार्शल पहले भी फरवरी, 2025 में एक ट्रेनर जेट के कॉकपिट में बैठे हुए कह चुके हैं कि उन्हें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स (एचएएल) पर भरोसा नहीं है। एचएएल मिशन मोड में काम नहीं कर रही है। बहरहाल अब उन्होंने निजी क्षेत्र की कंपनियों को आगे आने का आह्वान किया है। भारत में 21 निजी कंपनियां रक्षा-उत्पादन के क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि सरकारी नेतृत्व की 16 सार्वजनिक कंपनियां भी जुड़ी हैं।

भारत के लिए युद्ध हमेशा अंतिम विकल्प है

वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था।

-डॉ. राघवेन्द्र शर्मा-

भारतीय सनातन सभ्यता में ऐसे कई प्रसंग एक जैसे दर्ज हैं, जिन्हें देखकर और पढ़कर ऐसा प्रतीत होता रहा है मानो इतिहास स्वयं को दोहरा रहा हो। अनेक कालखंडों में, दशकों में, सदियों में और युगों में, हमने कई घटनाएं ऐसी पढ़ी हैं, जिनके अध्ययन उपरांत ऐसा लगता है जैसे आज जो हमारे रूबरू है उसे पहले भी कहीं और पहले भी देखा जा चुका है। उदाहरण के लिए हम भारत और पाकिस्तान के बीच स्थाई रूप से व्याप्त बने हुए तनाव को ले सकते हैं। आजादी के बाद से लेकर अब तक पाकिस्तान जो कुछ भी कर रहा है और भारत की ओर से जिस प्रकार से संयम, धैर्य का प्रदर्शन किया जा रहा है, यह हमें द्वापर युगीन कौरवों की अति और भगवान कृष्ण की सहृदयता का स्मरण कराता हैं।

जब कौरवों के षडयंत्रों को पूरी तरह विफल करते हुए पांडव अपना अधिकार प्राप्त करने हेतु प्रयासरत थे। तब उनके नेतृत्वकर्ता के रूप में भगवान कृष्ण ने यह निर्णय लिया कि हमें अंत तक युद्ध के अलावा उपलब्ध सभी विकल्पों पर विचार करना चाहिए। ऐसा ही हुआ, भगवान कृष्ण ने शांति दूत के रूप में हस्तिनापुर गमन किया और वहां उपस्थित दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र सहित समस्त कुरुवंशियों को अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का सहज समाधान नहीं हो सकता। इससे राज सत्ता पर अधिपत्य जमाए रखने की आकांक्षा पाले बैठे लोगों की तुष्टि भले ही होती हो, लेकिन अनिष्ट प्रजा का ही होता है। दोनों ही पक्ष की सेनाओं के हजारों लाखों लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं। उनसे अधिक लोग सदा के लिए अपंग हो जाते हैं। फल स्वरुप मानव समाज को युगों युगों तक उस अपराध का असहनीय दंड भुगतना होता है, दरअसल जो उन्होंने किया ही नहीं होता। अतः टकराव का रास्ता छोड़ते हुए कुरु वंश को पांडवों का सम्मान बनाए रखना चाहिए। भगवान कृष्ण ने राजसभा में मौजूद प्रजा के गणमान्य प्रतिनिधियों और कुरु वंश के सामर्थ्यवान पदाधिकारियों को भी यह सीख दी कि वे दुर्योधन और धृतराष्ट्र की अपवित्र महत्वाकांक्षाओं को समझें और उन्हें पाप पूर्ण कृत्य करने से रोकें। ताकि युद्ध के रूप में आसन्न अनिष्ट एवं अनर्थ को रोका जा सके। सभी सामर्थ्यवान प्रबुद्ध जन चुपचाप बने रहे। वहीं काल के वशीभूत, अपने अनर्थ से अपरिचित दुर्योधन ने जब उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया और भगवान कृष्ण को ग्वाला, गायों को चराने वाला, आदि शब्दों से असम्मानित करते हुए उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दे डाला, तब यह तय हो गया कि अब कुरुवंशियों को काल के गाल में समाने से कोई नहीं रोक सकता। समूचा ब्रह्मांड जानता है कि केवल और केवल दुर्योधन एवं धृतराष्ट्र की हठ धर्मिता के चलते महाभारत का युद्ध हुआ और उसमें लाखों लोग अकारण ही काल के गाल में समा गए। अंततः जीत सत्य स्वरूप श्री कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडवों की ही हुई।

वर्तमान परिवेश में देखें तो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति कुरु वंश और पांडवों जैसी ही है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बार-बार पाकिस्तान और वहां के हुक्मरानों को चेतावनी दे रहे हैं कि अंततः युद्ध विनाश का कारण होता है। जबकि वहां के हुक्मरान और सेना प्रमुख हमारे प्रधानमंत्री के वक्तव्यों की ठीक उसी प्रकार अनदेखी कर रहे हैं, जैसे हस्तिनापुर की राजसभा में दुर्योधन ने भगवान कृष्ण के प्रति असम्मानजनक व्यवहार का प्रदर्शन किया था। श्री मोदी जानते हैं कि पाकिस्तानी राजनेता और वहां की सेना भारत विरोधी एजेंडे को ही लंबे समय तक सत्ता पर काबिज बने रहने का जरिया मान कर बैठे हुए हैं। यही कारण है कि उन्होंने पाकिस्तानी अवाम का भला चाहते हुए उसे भी आगाह किया है कि वह अपना भला बुरा समझे और दुनिया भर में आतंकवाद को निर्यात करने वाले वहां के नेताओं, हुक्मरानों तथा सेना की नापाक हरकतों को पहचानें, समय रहते उन्हें वास्तविकता का एहसास कराते हुए उन्हें भारत में आतंकवाद निर्यात करने के गलत रास्ते पर जाने से रोकें । यदि पाकिस्तानी अवाम के ईमानदार प्रयास हुए तो संभव है वह आने वाले समय में भारतीय सदाव्यता के चलते भुखमरी, कंगाली और निकट भविष्य में सन्निद्ध गृह युद्ध जैसी विभीषिका से स्वयं को बचा सकेगा। अब निर्णय पाकिस्तान को करना है कि उसे अपनी अवाम का पेट भरने के लिए रोटी की उपलब्धता उचित लगती है या फिर भारतीय सेना की गोलियों से मरना ज्यादा अच्छा लगता है।

यहां कुछ-कुछ प्रसंग सीख के रूप में हम रामायण युगीन घटनाओं से भी ग्रहण कर सकते हैं। उस कालखंड में भी मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने उस स्थिति में भी लंका वासियों का भला करने का और उन्हें अनिष्ट से बचाए रखने का हर संभव प्रयास किया था, जबकि वहां का राजा रावण उनकी धर्मपत्नी सीता जी का अपहरण करने का पाप कर चुका था। भगवान कृष्ण के सानिध्य में सज्ज पांडव और प्रभु श्री राम की कृपा में तैनात वानर दल किसी भी दृष्टि से पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न शत्रु पक्ष का अनिष्ट करने में कमजोर नहीं थे। संकल्प मात्र से ही दुष्टों को नाश करने का सामर्थ्य उन्हें सहज ही प्राप्त था। लेकिन प्रभु श्री राम ने भी पहले हनुमान जी को लंका भेजा, जिन्होंने लंका जलाने से पहले रावण को बार-बार समझाया कि वह युद्ध को हर हाल में टालने का हर संभव प्रयास करे। इसी में राक्षस जाति की भलाई है। जब समुद्र पर सेतु बन गया। युद्ध को आतुर वानर सेना लंका के समक्ष हुंकार भरने लगी। तब प्रभु श्री राम ने एक बार फिर लंका को विनाश से बचाने का रास्ता खोजा और अंगद को शांतिदूत के रूप में प्रेषित किया। जैसा कि हमारे धर्म ग्रंथ बताते हैं, रावण के सिर पर भी काल मंडरा रहा था। सो उसे सामने खड़ा सत्य भी समझ नहीं आ रहा था, या फिर यू कहा जाए कि वह समझना ही नहीं चाहता था। बात त्रेता युग की हो या फिर द्वापर की, पाप पूर्ण कृत्यों में संलग्न पक्ष ने सत्य के मार्ग पर अडिग, धर्म परायण, सामर्थ्यवान, सज्जनों की सहृदयता को कमजोरी ही समझा और स्वतः ही मृत्यु के भोज्य बन बैठे। हाल ही में जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गुजरात के प्रवास पर गए तब उन्होंने भुज की पवित्र भूमि से भारत और पड़ोसी देश को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के ऐसे प्रयास हैं, जिनके माध्यम से हमने आतंकवादियों का तो नाश किया, उनके प्रशिक्षण कैंपों को भी ध्वस्त किया। सामरिक महत्व के जिन एयर बेसों को देखकर पाकिस्तानी हुक्मरान और वहां की सेना फूली नहीं समा रही थी, उन्हें तहस नहश किया।

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

-संजय गोस्वामी-

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-क्क्क डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी।

यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था।यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-जोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरूआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वगीर्कृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इस्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इस्तीफा दे देते। हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया। भारतीय पुरातत्व संस्थान (एएसआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में, वैज्ञानिक तरीकों की वकालत करता है और पौराणिक मान्यताओं से खुद को दूर रखता है।

न जाने कितना लंबा चलेगा सिंदूर खेला

-राकेश अचल-

पाकिस्तान के खिलाफ 7 मई को शुरू हुए आपरेशन सिंदूर के बाद 10 मई को भले ही सीज फायर हो गया हो किंतु सियासी सिंदूर खेला हर दिन तेज हो रहा है। कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल और राज्य इसके शिकार हो रहे हैं।आगामी 9 जून से ये सिंदूर खेला और तेज हो जाएगा।

सरकार एक ओर सेना से आपरेशन सिंदूर के ठिठकने के बाद माकड्रिल करा रही है दूसरी तरफ सियासी ड्रिल भी कर रही है। पहले सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भाजपा ने शहीद जवानों की तस्वीरंत लगाकर मैदान मारा था, वहीँ अबकी पहलगाम के नागरिक शहीदों और उनकी विधवाओं की तस्वीरों से परहेज कर आपरेशन सिंदूर के लिए शुभांकर बनाई गई कर्नल सोफिया कुरेशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीरें और सिंदूर की डिब्बियां इस्तेमाल की जा रहीं हैं। भोपाल में प्रधानमंत्री की मौजूदगी में हो रहे महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में ये सब देखा जा सकता है।

भाजपा के सिंदूर खेला को लेकर मैने पहलगाम हादसे के फौरन बाद कहा था कि सरकार और सरकारी पार्टी भाजपा आपरेशन सिंदूर को भुनाएगी। अब सिंदूर खेला पर सबसे पहले जबाबी हमला किया है तृण मूल कांग्रेस की सुप्रीमो और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने।ममता बनर्जी ने केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा, ह्लकेंद्र ने विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस (सैन्य अभियान) का नाम ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण रखा।ह्व बनर्जी ने कहा, ह्लमैं इस बात से निराश हूं कि मोदी ने बंगाल की आलोचना ऐसे समय में की है जब केंद्र के आतंकवाद विरोधी रुख का समर्थन करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं।ह्व

ममता बनर्जी ने कहा, ह्लमोदी जी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हैड्ड उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन बंगाल करेंगे, ऑपरेशन सिंदूर की तरह। मैं उन्हें चुनौती देती हूं झ्र अगर उनमें हिम्मत है, तो चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं। और वे हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। भाजपा जुमला पार्टी के नेता की तरह चीजों का राजनीतिकरण करना चाहती है। आप बकवास कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पश्चिम बंगाल में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सिंदूर के साथ क्षेत्र के गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध का जिक्र किया और दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले पारंपरिक सिंदूर खेला के दुरुपयोग की बात कही।

आपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री अमेरिका के रास्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप औऔर चीन के बारे में एक भी शब्द बोलने के बजाय अपनी रैलियों में आपरेशन सिंदूर और कांग्रेस पर बोल रहे हैं। आपरेशन सिंदूर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बजाय आपातकाल की 50 वीं सालगिरह पर विशेष सत्र बुलाया जा रहा है। मजे की बात ये है कि समूचा विपक्ष भाजपा के आपरेशन सिंदूर और आपरेशन सिंदूर खेला का मुकाबला नहीं कर पा रहा है। सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों के जरिये कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों में सेंध लगा दी है। शशि थरूर इसका सबसे बडा प्रतीक बने हुए हैं। मेरा अनुभव है कि आपरेशन सिंदूर खेला लंबा खिंचेगा।

सरकार जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए आपरेशन दर आपरेशन जारी रखने वाली है। नये आपरेशन का नाम आपरेशन शील्ड रखा गया है। इसके तहत सीमावर्ती चार राज्यों जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के साथ हरियाणा तथा केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ में फिर से शनिवार को मॉक ड्रिल होगी। ऑपरेशन शील्ड के तहत होने वाली इस ड्रिल में हवाई हमलों से बचने का अभ्यास किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्थाओं को भी जांचा जाएगा। इसके बाद देर शाम को ब्लैकआउट भी किया जाएगा।

सिंदूरी आवरण के जरिये भाजपा 2025,26,27,तक होने वाले तमाम विधानसभा चुनाव जीतना चाहती है। इसके बाद सिंदूर का कोई नया विकल्प तलाश लिया जाएगा। वैसे भी 2028 से आमचुनाव की तैयारियां शुरू होना है। आम चुनाव के लिए नारी शक्ति वंदन कानून पर अमल का मुद्दा लंबित है ही। वक्फ बोर्ड कानून, एक देश, एक राष्ट्र जैसे मुद्दे अभी सुप्तावस्था में है ही।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

-ललित गर्ग-

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है।

निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में भी आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए।

मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

कानपुर मेट्रो परियोजनाः तुर्की कंपनी के भागने से ठेकेदारों में हड़कंप

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर मेट्रो परियोजना में संलग्न तुर्की कंपनी गुलेरमक के निर्माण कार्य के दौरान भागने की घटना ने स्थानीय ठेकेदारों और प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। ठेकेदारों के अनुसार कंपनी ने अपने बकाया भुगतान को लंबित रखा है और उन्हें धोखा दिया है। इस पर ठेकेदारों ने प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। यूपीएमआरसी के संयुक्त महाप्रबंधक ने इस मामले पर अपने दृष्टिकोण साझा किया और ठेकेदारों के बकाया भुगतान के विवरण दिए। उन्होंने यह भी बताया कि अगर गुलेरमक भुगतान में विफल रही, तो उन्हें राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य किया जाएगा। ठेकेदारों ने अपने बकाया भुगतान का विवरण साझा किया, जिसमें मेट्रो मार्बल के 3.70 करोड़, रेडिएंट सर्विसेज के 1.20 करोड़, श्रेयांस इन्फ्राटेक के 1.70 करोड़, एस इंटीरियर के 74.80 लाख, एमडी एहसान पेंटर के 39.80 लाख, विनोद गुप्ता एंटरप्राइजेज के 8.54 लाख, नंदन प्रीफैब के 29.50 लाख और श्री बालाजी एंटरप्राइजेज के 21.50 लाख रुपये शामिल हैं। ठेकेदारों का कहना है कि कंपनी ने बार-बार भुगतान का आश्वासन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। यूपीएमआरसी के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने बताया कि गुलेरमक ने कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के चार स्टेशनों का निर्माण कार्य पूरा किया था, और इसके लिए यूपीएमआरसी ने कंपनी को पूरा भुगतान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये ठेकेदार गुलेरमक के सब-कॉन्ट्रैक्टर्स हैं, और अनुबंध के अनुसार मेट्रो ने 5 प्रतिशत राशि रिजर्व में रखी है, जो एक वर्ष बाद जारी की जाएगी। यदि गुलेरमक ठेकेदारों को भुगतान करने में विफल रहती है, तो यूपीएमआरसी इस राशि को ठेकेदारों को जारी करने के लिए बाध्य होगी।

कर्नल सोफिया पर विवादित बयान मामले की सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एक अहम मोड़ आ सकता है। कोर्ट इस मामले में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता शामिल हैं, ने पहले ही विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की थी। एसआईटी ने अपनी पहली स्टेटस रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री से इस रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेने के निर्देश दिए हैं।

क्या है विवाद - मध्य प्रदेश की मोहन सरकार में मंत्री विजय शाह ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर सार्वजनिक मंच से विवादित टिप्पणी की थी, जिसे सेना, महिला संगठनों और विपक्षी दलों ने अपमानजनक और असंवैधानिक बताया था। इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की थीं।

चीनी सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव बढ़ाया, विमान और युद्धपोत देखे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइवान की हवाई क्षेत्र और आसपास के इलाकों में चीन के 31 सैन्य विमान, 1 पोत और 9 नौसैनिक जहाज देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि चीन की सेना ने ताइवान के पास सैन्य दबाव और बढ़ा दिया है। इनमें से 22 विमान ताइवान स्ट्रेट की मीडियन लाइन पार कर ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों में घुसे। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान की सेना ने हालात पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। एक दिन पहले भी एमएनडी ने बताया था कि 61 चीनी विमानों ने सुबह 8ः15 बजे तक उड़ान भरी और कई ने मीडियन लाइन पार की थी। इसके साथ ही कई नौसैनिक जहाज भी देखे गए थे। बढ़ते खतरे के बीच ताइवान की सेना युद्ध तैयारी को प्राथमिकता दे रही है। रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के अनुसार, नए हथियारों के साथ सैनिकों को नए प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने कहा कि देश को लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना होगा और हथियारों का भंडार बनाना जरूरी है।

ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरी बार आतंकी हमला कर देते : सांसद मिश्रा

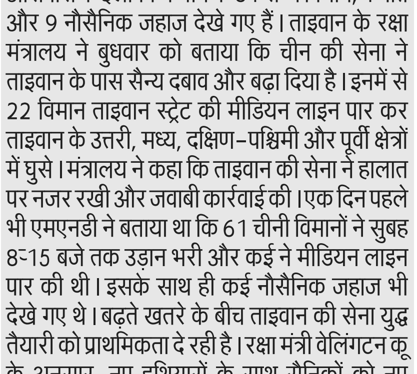

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में हमला कर 27 निर्दोषियों को मार डाला। इसके बाद एक और हमले की साजिश करने लगे। ऐसे में यदि ऑपरेशन सिंदूर नहीं चलाते तो दूसरा हमला भी आतंकी कर देते। मनन मिश्रा ने 27 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआर कांगो) में कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम की घटना के बाद भारत ने 15 दिनों तक इंतजार किया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि पाकिस्तान खुद आतंकियों के खिलाफ एक्शन लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके उलट, हमारी खुफिया एजेंसियों ने बताया कि आतंकी फिर से भारत में हमले की तैयारी कर रहे हैं। तभी, 7 मई को भारत ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें 100 आतंकी मारे गए। मिश्रा आतंकी हमले पर दुनिया को भारत का पक्ष बताने के लिए अलग-अलग देशों में गए 7 में से एक डेलिगेशन का हिस्सा हैं। शिवसेना सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में एक डेलिगेशन ने मंगलवार को कांगो के सांसदों और नेताओं के सामने भारत का पक्ष रखा। मनन मिश्रा इसी डेलिगेशन में शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था।

अमरनाथ यात्रा को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने की अपील, कहा- बाबा भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे

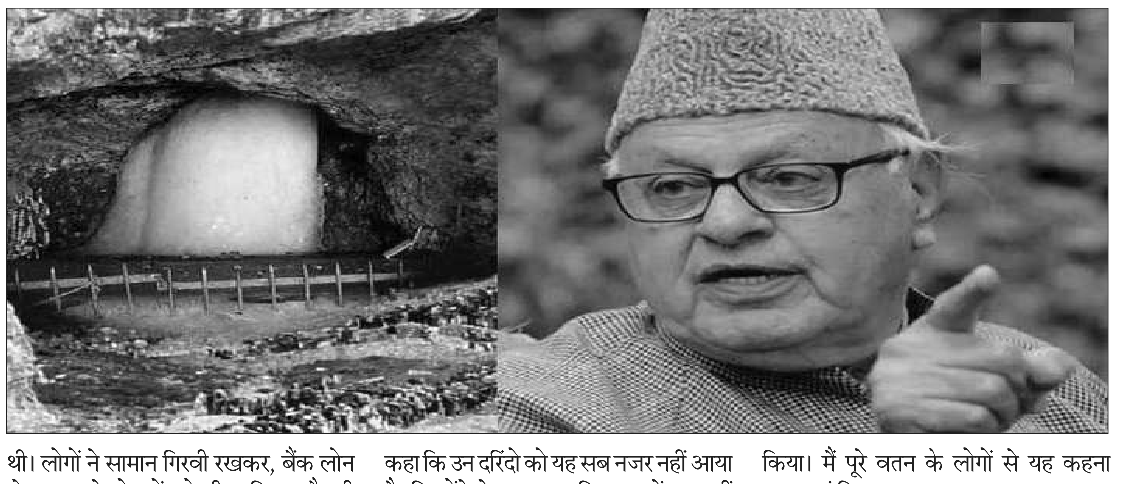

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला ने श्री अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में श्रद्धालुओं को आमंत्रित करते हुए कहा कि यहां भोलेनाथ आपका इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ उन्होंने स्थानीय लोगों से कहा कि हमें अपनी आर्थिकी के लिए पर्यटन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। अगर हमें इस रियासत को आगे लेकर चलना है तो हमें उन टिकाऊ कारोबारी क्षेत्रों में आगे बढ़ना होगा, जो हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में समर्थ रहें।

पहलगाम में पत्रकारों के साथ बातचीत में डॉ फारूक अब्दुल्ला ने बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से जम्मू-कश्मीर के पर्यटन को पहुंचे नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा कि बेशक कश्मीर दुनिया का सबसे खूबसूरत जगह है। यहां दुनियाभर के पर्यटक आना चाहते हैं, पर्यटन में यहां बड़ी संभावना है, लेकिन इसके साथ एक मुसीबत यह भी है कि अगर एक गोली कहीं चल जाए तो लोग भागते हैं। मैंने करगिल में देखा, लोग भाग गए। हमारी सरकार थी। लोगों ने सामान गिरवी रखकर, बैंक लोन लेकर अपने होटलों को ठीक किया, टैक्सी वालों ने टैक्सी खरीदे। हर एक ने अपने आप को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाए। बीते कुछ वर्ष से यहां पर्यटन जोर पकड़ रहा था और लोगों को इस वर्ष उम्मीद थी कि यहां करोड़ों की तादाद में देशी विदेशी सैलानी आएंगे।

उन्होंने आतंकियों को इंसानियत और कश्मीरियत का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा कि उन दरिंदो को यह सब नजर नहीं आया है, जिन्होंने ने यह कत्ल किया, उन्हें यह नहीं दिखा कि इन मासूमों का क्या होगा? इनके पास अल्लाह के सिवा कुछ नहीं है, यह खूबसूरती (वादी) ही इन मासूम लोगों को मिली है और वह इसी से रोजी रोटी कमाते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले की जितनी निंदा की जाए कम है। जो हुआ, हमें उसका अफसोस है। इसमें हमारा कोई कसूर नहीं है, यह हमने नहीं किया। मैं पूरे वतन के लोगों से यह कहना चाहता हूं कि आप वापस आइए, हम आपका इंतजार कर रहे हैं। हम ही नहीं, यहां भोलेनाथ भी आपका इंतजार कर रहे हैं। श्री अमरनाथ की यात्रा होने वाली है, ज्यादा से ज्यादा आइए, हर तरफ से आइए, जब आप यहां से होकर अपने घर जाएंगे तो बताएंगे कि आपने कितनी खूबसूरती देखी है और किस तरह लोग यहां इंतजार कर रहे हैं।

गुजरात समेत सीमावर्ती 4 राज्यों में गुरुवार को फिर होगी मॉक ड्रिल

अहमदाबाद। यूं तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम हो चुका है, हांलाकि दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। वैसे भारतीय सेना पड़ोसी पाकिस्तान को माकूल जवाब देने को पूरी तरह मुस्तैद है। देश के लोगों को भी किसी भी हालात में सतर्क रखने के लिए कल यानी गुरुवार को फिर एक बार मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत देश के चार सीमावर्ती राज्य गुजरात, पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में मॉक ड्रिल की जाएगी। जिसमें शाम 5 से 8 बजे तक सिविल डिफेंस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। लोगों को युद्ध की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाएगा। गत 7 मई को गुजरात में कुल 19 स्थानों पर यह मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी। जिसमें सूरत, वडोदरा, काकरापार पहली श्रेणी में, अहमदाबाद, भुज, जामनगर, भावनगर, कांडला, नलिया, अंकलेश्वर, गांधीनगर, ओखा, वाडिनार दूसरी श्रेणी में और तीसरी श्रेणी में मेहसाणा, नर्मदा, भरूच, डांग, कच्छ और नवसारी जिले शामिल थे। गुजरात ही नहीं बल्कि केन्द्र सरकार ने 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल करने की घोषणा की थी। दूसरी ओर 6-7 मई की रात को भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई कर दी थी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किये, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गये थे। अब पाकिस्तान में 12 और आतंकवादी ठिकानों की सूची तैयार है। पीओके से लेकर पाकिस्तान के अंदर तक आतंकवाद की जड़ों को खत्म करने के लिए अभियान चल रहा है। भारतीय सेना स्पष्ट कर चुकी है ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। मतलब साफ है कि जब तक पड़ोसी देश में छिपे आतंकवादियों को नेस्तनाबूद नहीं कर दिया जाता तब तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा।

यूपी में 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, पुलिस चला रही ऑपरेशन लंगडा अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर किए। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किए। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश कर रही थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ाया है। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा है।

ऑपरेशन लंगड़ा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों में अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो पुलिस उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करना है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे। इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है, लेकिन इसकी कार्यशैली और नैतिकता पर भी चर्चा होती रही है।

मैंने ही मोदी सरकार से नोटबंदी की सिफारिश की थी ! चंद्रबाबू नायडू ने कहा- इसकी फिर से जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कडप्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये, 1,000 रुपये और 2,000 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए। डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूँ, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है।

नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ़ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बाँटने की ज़रूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

जो बीजेपी नेता नहीं कर रहे वह शशि थरूर कर रहे : उदित राज

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने पार्टी सांसद शशि थरूर की तीखी आलोचना करते हुए उन्हें बीजेपी का सुपर प्रवक्ता बताया है और उन पर पीएम मोदी और केंद्र सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान की पोल खोलने और आतंकवाद विरोधी अपने रुख के लिए समर्थन जुटाने बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को विदेश भेजा है, जिसमें एक प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी शामिल थे। शशि थरूर के प्रतिनिधिमंडल में बीजेपी, झामुमो, टीडीपी और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों के सांसद शामिल हैं। उन्होंने अमेरिका, गुयाना और पनामा जैसे देशों का दौरा किया है, जहां उन्होंने सांसदों, थिंक टैंक, मीडिया और प्रवासी लोगों से बातचीत की और आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों के खिलाफ एकजुट भारतीय मोर्चा पेश किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरुर की आलोचना करते हुए उदित राज ने कहा कि बीजेपी नेता जो नहीं कह रहे हैं। वह शशि थरूर कर रहे हैं। उन्होंने पिछली सरकारों के योगदान के बारे में शशि थरूर की समझ पर भी सवाल उठाया और पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की भारतीय सशस्त्र बलों का श्रेय लेने के लिए आलोचना की। थरूर ने भारत को निशाना बनाकर लगातार आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की और कहा कि हाल के वर्षों में एक अहम बदलाव का मतलब है कि आतंकवादी अब समझ गए हैं कि उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी।

कैश कांडः जस्टिस वर्मा की बढ़ी मुश्किलें, मॉनसून सत्र में सरकार ला सकती है महाभियोग प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश कांड में बुरी तरह फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति द्वारा लगाए गए आरोपों को गंभीर मानते हुए केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में महाभियोग ला सकती है। 3 मई को सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी आवास में आग लगने के बाद वहां नकदी की बड़ी मात्रा में गड्डियां मिलीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार मॉनसून सत्र में यह प्रस्ताव लाएगी। दोनों सदनों के अध्यक्षों से अनुरोध किया जाएगा और विपक्ष से भी इस मामले पर सहमति ली जा सकती है। रिपोर्ट के बाद जस्टिस वर्मा से इस्तीफा मांगा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया है। उन्हें 20 मार्च को ट्रांसफर करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया था। उन्होंने 5 अप्रैल को शपथ तो ली लेकिन अब तक उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जांच रिपोर्ट की एक प्रति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश के साथ भेजी थी। बता दें कि जांच समिति 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) द्वारा गठित की गई थी। जिसमें पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधवालया और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनु सिवरमन शामिल थीं। बता दें कि संसदीय कानून के मुताबिक, महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए लोकसभा में कम से कम 100 सांसद और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के द्वारा प्रस्ताव को समर्थन मिलनी चाहिए। इसके बाद दोनों सदनों में कम से कम दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होना चाहिए।कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि अभी तक उन्हें सरकार की ओर से कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि सभापति जगदीप धनखड़ और अध्यक्ष ओम बिरला विपक्षी नेताओं से संपर्क कर सर्वसम्मति बनाने की कोशिश करेंगे।

यूपी ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, पुलिस चला रही ऑपरेशन लंगडा अभियान

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस ने 24 घंटे में 10 एनकाउंटर किए। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर पैदा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किए। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश कर रही थी।

लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ाया है। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई अपराधियों को पकड़ा है।

ऑपरेशन लंगड़ा पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों में अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करते हैं, तो पुलिस उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं।

इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करना है, जिससे उनमें पुलिस का खौफ बना रहे। इस ऑपरेशन के कारण कई हिस्ट्रीशीटर अपराध छोड़कर सामान्य जीवन जीने लगे हैं। यह रणनीति अपराध नियंत्रण में प्रभावी मानी जा रही है, लेकिन इसकी कार्यशैली और नैतिकता पर भी चर्चा होती रही है।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ सहित 14 राज्यों में 2 जून तक होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में 28 मई से 2 जून तक बारिश, बिजली गिरने और 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश में 27 और 28 मई को ओलावृष्टि की संभावना है। उत्तराखंड में 28 मई से 2 जून तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजस्थान और जम्मू के कुछ क्षेत्रों में 28 मई को लू (हीटवेव) की चेतावनी भी दी गई है।

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और विदर्भ में 31 तक बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। ओडिशा में 27 और 29 मई को बहुत भारी बारिश हो सकती है, जबकि विदर्भ और पश्चिम बंगाल में 29-30 मई को बारिश की संभावना है। उत्तर भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और फिर 4-5 दिनों में गिरावट का अनुमान है। मध्य भारत में तीन दिनों तक कोई खास बदलाव नहीं, इसके बाद तापमान 2-3 डिग्री तक बढ़ सकता है। पूर्व भारत में 5 दिनों तक कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी 2 जून तक देश के विभिन्न भागों में भारी बारिश, आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की है। दक्षिण भारत, पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी एवं मध्य भारत के साथ-साथ उत्तर भारत के कई राज्यों में यह असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी वर्षा और गरज-चमक के साथ तूफानी हवाएं चलने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में लू का भी खतरा बना हुआ है। केरल एवं माहे के साथ-साथ तटीय कर्नाटक में 28 मई से 2 जून तक गरज-चमक और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बहुत भारी वर्षा की संभावना है। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 28 मई से 2 जून तक लगातार भारी से बहुत भारी बारिश संभव है। आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और तेलंगाना में भी अगले पांच दिनों तक बौछारें, आंधी और 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार तक पहुंचने वाली तेज हवाएं चलने की संभावना है। तेलंगाना में 28-29 मई को बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।गुजरात में 70 किमी/घंटा तक की तूफानी हवाएं चल सकती हैं। कोंकण और घाट क्षेत्रों में अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। अगले सात दिनों तक पूर्वोत्तर राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना है। मिजोरम (28 मई), असम और मेघालय (29-30 मई) को लेकर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने स्टूडेंट वीजा के इंटरव्यू पर रोक लगाई :अमेरिका जाने वाले छात्रों के सोशल मीडिया की जांच होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार ने विदेशी छात्रों के लिए नए वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को इसे लेकर एक आदेश जारी किया। आदेश का मकसद देश की यूनिवर्सिटीज में यहूदी विरोध और वामपंथी विचारों को रोकना है। रुबियो ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों को आदेश जारी कर कहा– वे स्टूडेंट वीजा के लिए नए इंटरव्यू शेड्यूल न करें, क्योंकि ट्रम्प सरकार अमेरिका आने वाले छात्रों के सोशल मीडिया प्रोफाइल की जांच को और सख्त करने जा रही है। उन्होंने आगे कहा– तत्काल प्रभाव से कांसुलर सेक्शन आगे के दिशानिर्देश जारी होने तक स्टूडेंट या एक्सचेंज विजिटर (एफ, एम और जे) वीजा के लिए नए अपॉइंटमेंट की इजाजत नहीं दे। हालांकि पहले से शेड्यूल किए गए इंटरव्यू हो सकते हैं, लेकिन लिस्ट में नए अपॉइंटमेंट नहीं जोड़े जाएं। अधिकारी सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट जांच रहे यह रोक एफ, एम और जे वीजा केटेगरी पर लागू होती है, जो ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय छात्रों और एक्सचेंज विजिटर्स को कवर करती हैं। दावा है कि ये इन प्रोग्राम्स के जरिए आने वाले छात्र अमेरिका सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं या यहूदी–विरोधी माहौल को बढ़ावा दे सकते हैं। ट्रम्प सरकार ने अधिकारियों को इंस्टाग्राम, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म पर पोस्ट, लाइक, कमेंट और शेयर की जांच करने के भी आदेश दिए हैं, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले कंटेंट का पता लगाया जा सके। द गार्जियन के मुताबिक अधिकारी मार्च से, उन छात्रों के सोशल मीडिया की जांच कर रहे हैं, जो फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में शामिल थे। वे ऐसे पोस्ट के स्क्रीनशॉट ले रहे हैं, जिन्हें अपमानजनक माना जाता है, भले ही बाद में वह कंटेंट हटा दिया गया हो। हालांकि इस आदेश में यह साफ तौर पर नहीं बताया गया है कि भविष्य में सोशल मीडिया जांच में क्या देखा जाएगा। पहले, सोशल मीडिया जांच केवल उन छात्रों के लिए लागू थी, जो फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों में शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का बड़ा आरोप, शराब पिलाने का दिया ऑफर, टेबल पर चढ़कर...

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा पेमन ने संसदीय निगरानी संस्था से शिकायत की है कि उन्हें शराब पीने और नाचने के लिए कहा गया। एबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फातिमा ने बुधवार को कथित तौर पर आरोप लगाया, मेरे एक पुरुष मित्र ने मुझे शराब पीने और मेज पर नाचने के लिए कहा। सीनेटर फातिमा पेमन (30) ने आगे कहा कि वह शराब नहीं पीती हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके वरिष्ठ सहयोगी ने एक आधिकारिक समारोह में बहुत अधिक शराब पीने के बाद कई अनुचित टिप्पणियां कीं। फातिमा पेमन ने दावा किया कि उनसे कहा गया, चलो तुम्हारे लिए कुछ शराब लाते हैं और तुम्हें मेज पर नाचते हुए देखते हैं। मैंने आस कोवर्ज से कहा, अरे माने एक लाइन बनाई है, दोस्त। और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। आपको बता दें कि फातिमा पेमन का जन्म अफगानिस्तान में हुआ था और वह ऑस्ट्रेलिया की संसद के अंदर हिजाब पहनने वाली पहली सीनेटर हैं। स्वतंत्र सीनेटर पेमन ने 2024 में वामपंथी लेबर सरकार से नाता तोड़ लिया, उस पर गाजा में फिलिस्तीनियों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया। पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले पूर्व राजनीतिक कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने 2021 में आरोप लगाया था कि संसदीय कार्यालय के अंदर उनके सहकर्मी ने उनके साथ बलात्कार किया, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए। बाद में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया की संसद में शराब पीने, धमकाने और यौन उत्पीड़न के मामले सामने आते रहते हैं।

किंग चार्ल्स–3 बोले– ट्रंप के दौर में कनाडा के भविष्य की चिंता

लंदन, एजेंसी। अमेरिका कनाडा को 51वां राज्य बनाने को लेकर मुखर है। राष्ट्रपति बनने से पहले और अब पदभार संभालने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप कनाडा को अमेरिका में शामिल होने को लेकर कई बयान दे चुके हैं। दो देशों के बीच हो रही जुबानी जंग के बीच ब्रिटेन के राजा– किंग चार्ल्स– तृतीय ने कहा है कि उन्हें ट्रंप के दौर में कनाडा के भविष्य को लेकर चिंता हो रही है। किंग चार्ल्स ने कहा, कनाडा एक ऐसी दुनिया में अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है जो पहले कभी इतनी खतरनाक नहीं रही। उन्होंने कहा, कई कनाडाई लोग अपने आस–पास की दुनिया में हो रहे व्यापक परिवर्तन को लेकर चिंतित और चिंतित हैं। किंग चार्ल्स–III ने कनाडा की संप्रभुता का समर्थन करते हुए कहा, उत्तरी भाग वास्तव में मजबूत और स्वतंत्र है।

एलन मस्क की कंपनी ने एक और स्टारशिप रॉकेट लॉन्च किया, नियंत्रण खोया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अरबपति कारोबारी की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स ने एक और स्टारशिप रॉकेट लॉन्च किया। हालांकि, प्रक्षेपण के बाद यह नियंत्रण से बाहर हो गया। 123 मीटर लंबे रॉकेट को टेक्सास के स्पेसएक्स लॉन्च साइट स्टारबेस से नौवीं बार प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स ने बाद में पुष्टि की कि अंतरिक्ष यान नियंत्रण खोने के कारण तीव्र गति में रहा यान टुकड़े–टुकड़े हो गया।

हम पर हमला हुआ तो एक नहीं सौ बार ऑपरेशन सिंदूर चलाएंगे, पनामा में बोले भारतीय सांसद

पनामा , एजेंसी। भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं। अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौकरशाह टीम इंडिया की तरह पाकिस्तानी दुष्प्रचार को धराशायी करने में जुटे हैं। इन शिष्टमंडलों में शामिल सभी लोग दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को अलग-अलग मंचों पर बेनकाब कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद नीत शिष्टमंडल फ्रांस के सफल दौरे के बाद अब इटली जाएगा। डीएमके सांसद नीत दल ग्रीस पहुंचा है। अन्य दल बहरीन, कतर, रूस, जापान और यूएई जैसे देशों का दौरा कर चुके हैं। वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कूटनीतिक मुहिम जारी है।

इंडोनेशिया पहुंचा भारतीय प्रतिनिधिमंडल : जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद बुधवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की वैश्विक पहुंच के तहत कई देशों का दौरा कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने अब तक जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर का दौरा किया है। शशि थरूर ने पनामा विधानसभा की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा से मुलाकात की कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पनामा विधानसभा अध्यक्ष, डाना कास्टानेडा से मुलाकात के बाद कहा, जब हमने राष्ट्रपति को कश्मीर से एक शॉल भेंट की, जहां त्रासदी (पहलगाम आतंकी हमला) हुई थी। उन्होंने, हमें पनामा के योद्धाओं का प्रतीक देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हम उस ताकत के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ेंगे और मुझे लगा कि यह नेशनल असेंबली से विदा लेने के लिए एक उत्कृष्ट संदेश था।

पनामा पहुंचा भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल : कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पनामा सिटी के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा, भारत एक शांति प्रिय देश है। हमारी जो भारतीय संस्कृति है, हमने पूरे विश्व को अहिंसा और शांति का बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश दिया लेकिन इसी भारतीय संस्कृति ने विश्व को यह भी महत्वपूर्ण संदेश दिया कि अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ना, यह केवल उचित नहीं बल्कि अनिवार्य है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, हमारे प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर आवश्यक था क्योंकि ये आतंकवादी आए और उन्होंने 26 महिलाओं को उनके पति और उनके विवाहित जीवन से वंचित करके उनके माथे से सिंदूर मिटा दिया। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, हमारी भाषा, धर्म, क्षेत्र और राजनीतिक दलों में विविधता है लेकिन हम पूरी दुनिया को यह संदेश दे रहे हैं कि जब राष्ट्रीय महत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है तो हम एक हैं तथा एक स्वर में बोलते हैं....पाकिस्तान के पास खोने के लिए कुछ नहीं है लेकिन भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है...प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को संदेश दिया है कि अगर आप हमला करेंगे तो हम चुप नहीं रहेंगे....अगर आप हम पर हमला करेंगे तो भारत में एक बार नहीं बल्कि सौ बार ऑपरेशन सिंदूर चलाने की ताकत है। राजनीतिक विरोधी भी राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आने पर भारत सरकार के साथ सिंगापुर दौरे पर गए भारतीय शिष्टमंडल में शामिल पश्चिम बंगाल से निर्वाचित तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, बहुत से लोग, खास तौर पर वे लोग जो राजनीति को करीब से नहीं देखते, वे सोचते हैं कि जब राष्ट्रीय सुरक्षा या देश की संप्रभुता की बात आती है तो विपक्ष का क्या रुख होगा? उन्होंने कहा, मैं सत्ताधारी दल या राजनीतिक दल से असहमत हो सकता हूं, ऐसे में उनसे पूरी ताकत से लड़ूंगा। लेकिन जब मेरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है, तो मैं दृढ़ता से सरकार के साथ खड़ा रहूंगा और अपने देश के सर्वोत्तम हित में काम करूंगा। मैं अपने राजनीतिक हितों को अपने राष्ट्रीय हित के आड़े नहीं आने दूंगा।

दो भारतीय शांति रक्षकों को संयुक्त राष्ट्र मरणोपरांत करेगा सम्मानित, मिशन के दौरान दिया सर्वोच्च बलिदान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र दो भारतीय शांतिरक्षकों को मरणोपरांत सम्मानित करेगा। दोनों भारतीय शांतिरक्षक अपने कर्तव्य को निभाने के दौरान बलिदान हो गए थे। यह सम्मान समारोह 29 मई को अंतरराष्ट्री शांति रक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। जिन दो भारतीय शांतिरक्षकों को सम्मानित किया जाएगा, उनमें ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा और हवलदार संजय सिंह शामिल हैं।

इन दो भारतीय सैनिकों को मरणोपरांत किया जाएगा सम्मानित : ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा, यूएन डिसइंगेजमेंट ऑब्जर्वर फोर्स और हवलदार संजय सिंह यूएन स्टैबलाइजेशन मिशन, कांगो में तैनात थे। दोनों को मरणोपरांत डैग हैमर्सजोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। भारत संयुक्त राष्ट्र शाति सेना में चौथा सबसे ज्यादा योगदान करने वाला देश है। फिलहाल विभिन्न यूएन शांति रक्षक अभियानों में भारत के 5300 सैन्य और पुलिस जवान तैनात हैं। ये सैनिक अबेई, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, डेमोक्रेटिक रिपब्लिकन ऑफ कांगो, लेबनान, सोमालिया, साउथ सूडान और वेस्टर्न सहारा जैसे देशों में तैनात हैं। 29 मई को होने वाले सम्मान समारोह में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिया गुटेरेस 1948 से अब तक संयुक्त राष्ट्र मिशन में बलिदान हुए 4,400 शांति रक्षकों की याद में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सम्मान समारोह में कुल 57 सैन्य, पुलिस और सामान्य नागरिक शांति रक्षकों को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा। ये 57 शांति सैनिक बीते साल विभिन्न यूएन मिशन में बलिदान हुए। बीते साल भारतीय सेना की मेजर राधिका सेन को 2023 यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 2024 का मिलिट्री जेंडर एडवोकेट सम्मान घाना के स्क्वाड्रन लीडर शैरोन मिनसोटे और यूएन की महिला पुलिस अधिकारी सिएरा लिओन की सुपरीटेंडेंट जैनब गबला को दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस की शुरुआत साल 2002 में की गई थी। यह दिन शांति मिशन के दौरान सेवा करने वाले सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है। साल 1948 में पहली बार पश्चिम एशिया में इस्राइल और अरब देशों के बीच हुए युद्ध में शांति सैनिकों की तैनाती की गई थी। उसके बाद से दुनियाभर में करीब 20 लाख शांति सैनिक 71 ऑपरेशन में सेवाएं दे चुके हैं।

फ्रांस में लाइलाज रोगियों को मौत चुनने का मिलेगा अधिकार, जानिए क्या होगी शर्तें; विरोध भी कम नहीं

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के निचले सदन नेशनल असेंबली ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक के तहत फ्रांस में लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त व्यस्क लोगों को मौत चुनने का अधिकार मिलेगा। यूरोप में लंबे समय से मौत चुनने के अधिकार को कानूनी करने की मांग उठ रही हैं। फ्रांस में भी लंबे समय से ऐसी मांग की जा रही है और महीनों से इस पर संसद में चर्चा में चल रही है। लंबी चर्चा के बाद मंगलवार को नेशनल असेंबली ने इसकी मंजूरी दे दी। अब इस विधेयक को उच्च सदन सीनेट में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित विधेयक में जहां गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों को मौत का विकल्प चुनने की मंजूरी दी गई है, वहीं इसके साथ कड़ी शर्तें भी लगाई गई हैं। शर्तों के तहत लाइलाज बीमारी होने पर मरीज को खुद ही जहर लेना होगा, लेकिन अगर वह खुद इस स्थिति में नहीं है कि खुद अपनी जान ले सके तो उस स्थिति में डॉक्टर या नर्स की मदद से व्यक्ति को जहर दिया जा सकेगा। विधेयक के तहत मौत का विकल्प चुनने के लिए मरीज का कम से कम 18 साल का होना जरूरी है। साथ ही उसका फ्रांस का नागरिक होना भी जरूरी है। मौत का विकल्प चुनने से पहले स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम यह सत्यापित करेगी कि व्यक्ति लाइलाज बीमारी से ग्रस्त है और उसका कोई इलाज नहीं है।

विदेश सचिव मिस्री अमेरिका में, रणनीतिक तकनीकी सहयोग और व्यापार वार्ता पर की चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बुधवार (भारतीय समयानुसार) को अमेरिकी अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की और इंडिया-यूएस स्ट्रैटेजिक ट्रेड डायलॉग (भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता) के शीघ्र आयोजन पर चर्चा की। इसके साथ ही महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों को लेकर गंभीर मंत्रणा की। यह मुलाकात रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच उच्च स्तरीय सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वाशिंगटन में आयोजित बैठक में मौजूदा ढांचे को मजबूत करने और दोनों देशों के बीच प्रमुख तकनीकी और व्यापार पहलों पर गति बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वाशिंगटन में भारतीय दूतावास ने एक्स को बताया, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-अमेरिका सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए अवर सचिव जेफरी केसलर से मुलाकात की। उन्होंने तकनीकी और व्यापार सहयोग को गहरा करने के लिए भारत-अमेरिका रणनीतिक व्यापार वार्ता के शीघ्र आयोजन पर भी चर्चा की। मिस्री वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, इस दौरान उनका ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ

अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, उनकी यह यात्रा फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद हो रही है, जहां दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका समझौता - सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को बढ़ावा देना - 21वीं सदी के लिए रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा लॉन्च किया था। उस यात्रा के दौरान, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त रूप से 21वीं सदी के लिए अमेरिका-भारत समझौता का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य सैन्य, वाणिज्यिक और तकनीकी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रगति को बढ़ावा देना है। जनवरी 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण के बाद से यह पीएम मोदी की अमेरिका की पहली आधिकारिक यात्रा थी। उल्लेखनीय रूप से, पीएम मोदी नए प्रशासन के गठन के बाद अमेरिका में आमंत्रित किए जाने वाले शुरुआती विश्व नेताओं में से एक थे।

ट्रंप की विलय की धमकियों पर किंग चार्ल्स का जवाब- चुनौतियां बढ़ीं, लेकिन कनाडा एक मजबूत और आजाद देश

ओटावा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकियों के बीच किंग चार्ल्स का बड़ा बयान सामने आया है। कनाडा की संसद को संबोधित करते हुए किंग चार्ल्स ने कहा कि बेशक कनाडा एक मजबूत और आजाद देश है और कनाडा के लोगों को अपना लोकतंत्र, बहुलतावाद, कानून का शासन, स्वायत्ता, आजादी और अपने मूल्य बेहद प्यारे हैं और कनाडा की सरकार इन मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दुनिया अब ज्यादा खतरनाक डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा के विलय की धमकियों को लेकर इससे पहले किंग चार्ल्स ने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा था। ऐसे में कनाडा की नई सरकार के पहले संसद सत्र के उद्घाटन के अवसर पर किंग चार्ल्स के भाषण पर सभी की निगाहें थीं। किंग चार्ल्स ने भी कनाडा के लोगों की चिंताओं को समझा और अपने भाषण में ट्रंप का नाम लिए बगैर कनाडा की आजादी का पूरा समर्थन किया। किंग चार्ल्स ने कहा कि कनाडा बेशक एक मजबूत और आजाद देश है। ट्रंप का नाम लिए बगैर किंग चार्ल्स

ने कहा कि एक देश, जिसे कनाडा के लोग और मैं बहुत प्यार करता हूं, उसने कनाडा के निर्यात पर टैरिफ लगाने का फैसला किया है। मुक्त व्यापार व्यवस्था ने कनाडा को दशकों तक समृद्ध बनाया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं और हमें आंखें खोलकर रहना होगा। दुनिया अब ज्यादा खतरनाक और अस्थिर हो गई है। ब्रिटिश राजशाही में बीते 70 वर्षों में किंग चार्ल्स पहले राजा हैं, जिन्होंने कनाडा की संसद के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। कनाडा कॉमनवेल्थ का हिस्सा है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने किंग चार्ल्स को कनाडा आने का आमंत्रण दिया था। कनाडा की सीनेट में जब किंग चार्ल्स ने अपना संबोधन दिया, उस वक्त कई पूर्व प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के जज और वरिष्ठ नेता भी सीनेट में मौजूद रहे। आमतौर पर कनाडा की संसद के उद्घाटन सत्र को किंग के प्रतिनिधि गवर्नर जनरल द्वारा संबोधित किया जाता है, लेकिन इस बार खुद किंग चार्ल्स कनाडा पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें ट्रंप ने कनाडा को अपने प्रस्तावित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली का हिस्सा बनने की पेशकश की।

क्या हो सकते हैं पाकिस्तान के दो टुकड़े इस शर्त पर अलग देश बन सकता है बलूचिस्तान

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान ने अपने लिए अलग देश घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उसने भारत समेत दूसरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी मदद मांगी है। मीर यार बलूच दिल्ली में बलूच दूतावास खोलना चाहते हैं। तो सवाल यह है कि किस आधार पर किसी देश को अलग देश का दर्जा दिया जाता है और बलूचिस्तान के लिए यह सफर कितना मुश्किल है। अगर किसी भी नए देश को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता नहीं दी तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस क्षेत्र को देश नहीं माना जा सकता है. अगर देश का दर्जा अलग है तो उसके पास एक निश्चित क्षेत्र, एक स्थायी आबादी और एक सरकार होनी चाहिए। इसके अलावा यह अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक है। बलूचिस्तान की आजादी के लिए संयुक्त राष्ट्र की मदद के साथ-साथ दुनिया बड़े देशों और प्रमुख शक्तियों का साथ जरूरी होगा. अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक राज्यों के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाते हैं। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि आपका किसी दूसरे देश के साथ कोई विवाद या मनमुटाव न हो। बलूचिस्तान और पाकिस्तान की लड़ाई कई दशक से चली आ रही है. वहीं पाकिस्तानी सरकार और सेना का दमन बलूच में बढ़ता ही गया है. बीएलए और बीएलएफ पाकिस्तान में सालों से लड़ रहे हैं. साथ ही एक औपचारिक सरकार होनी चाहिए

जो देश चलाने के फैसले लेने, कानून बनाने और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार हो। इसके अलावा दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने की क्षमता भी होनी चाहिए। बलूचिस्तान की राह में रोड़े इसलिए हैं क्योंकि पाकिस्तान बलूचिस्तान को अलग देश बनाने के लिए कभी राजी नहीं होगा। क्योंकि यह पाकिस्तान का 44प्रतिशत हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार राज्य के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाते हैं. इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि आपका किसी अन्य देश के साथ कोई विवाद या तकरार न हो. बलूचिस्तान और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्ध चल रहा है।

ट्रम्प बोले- पुतिन आग से खेल रहे:कहा- मैं न होता तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन को चेतावनी दी है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन आग से खेल रहे हैं। ट्रम्प का यह बयान यूक्रेन पर जारी हवाई हमलों के बाद आया। उन्होंने कहा कि अगर वे नहीं होते तो रूस के साथ बहुत बुरा हो चुका होता। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प इस हफ्ते के आखिर तक रूस पर नए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने भी प्रतिबंध बढ़ाने की बात कही थी। इस दौरान ट्रम्प ने यह भी कहा था कि पुतिन पूरी तरह पागल हो गए हैं। दरअसल रूस ने 24 मई को यूक्रेन पर 3 साल में सबसे बड़ा हवाई हमला किया था, जिसके बाद से ट्रम्प खुलकर पुतिन की आलोचना कर रहे हैं। रूस ने कीव पर 9 बैलिस्टिक मिसाइलों, 60 क्रूज मिसाइलों और 298 ड्रोन से हमला किया था।

पूर्व रूसी राष्ट्रपति बोले- सिर्फ तीसरा विश्वयुद्ध बुरी चीज : ट्रम्प के बयान पर रूस के पूर्व राष्ट्रपति और वर्तमान में सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मैं सिर्फ एक ही बुरी चीज के बारे में जानता हूं- तीसरा विश्वयुद्ध। मुझे उम्मीद है कि ट्रम्प इसे समझेंगे। इससे पहले मेदवेदेव ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि अगर पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को मदद देना बंद नहीं किया तो यूक्रेन में बफर जोन पौलेंड तक पहुंच जाएगा।

अमेरिकी सांसदों ने प्रतिबंधों के लिए ट्रम्प पर दबाव बढ़ाया : रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासले ने पुतिन को खेल खत्म होने का संदेश देने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। वहीं रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट रिचर्ड ब्लूमेंथल ने उन देशों पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है जो रूसी तेल, गैस और कच्चे माल

की खरीद कर रहे हैं।

रूस का आरोप- यूक्रेन पुतिन की हत्या करना चाहता था : रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का हेलिकॉप्टर गिराने की कोशिश की। रूसी वायु सेना के मेजर जनरल यूरी डैशकिन के मुताबिक पुतिन 20 मई को कुर्स्क के दौरे पर गए थे। डैशकिन ने बताया कि इस दौरान यूक्रेनी एयरफोर्स ने पुतिन के हेलिकॉप्टर पर 46 ड्रोन से हमला किया, लेकिन हमने सभी ड्रोन मार गिराए। डैशकिन ने कहा- हमने एक साथ कई ड्रोन का मुकाबला किया और राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर की सुरक्षा सुनिश्चित की। यूक्रेन के कब्जे के बाद पहली बार कुर्स्क गए थे पुतिन कुर्स्क वही जगह है जहां पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने अचानक हमला किया था और 1100 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था। यह हमला इसलिए बहुत खास था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी विदेशी सेना ने रूस की जमीन पर हमला किया था। पुतिन ने इस इलाके का दौरा करते हुए कहा था कि अब इस जमीन पर फिर से रूस का कब्जा हो गया है। उन्होंने यहां पर बारूदी सुरंगें हटाने के लिए और सैनिक भेजने का आदेश भी दिया था, ताकि लोग अपने घर वापस लौट सकें। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोड जैसे इलाकों में रूस के खिलाफ अभियान चला रही है।

सोने का भाव 90000 से नीचे आने की संभावना

नई दिल्ली।

शादी-ब्याह के इस मौसम में सोना अब भी 95,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर बना हुआ है, जिससे ग्राहकों और निवेशकों की जेब पर दबाव बना हुआ है। ले किन सोने के भाव में फिर से `गिरावट की संभावना जताई जा रही है।` जिससे` निवेशकों और ग्राहकों की` चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि 9 जुलाई के बाद सोने के दामों में गिरावट आ सकती है। इसका मुख्य कारण है अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आयात शुल्क के मुद्दे पर अनिश्चितता का समापन होने की संभावना। वैश्विक टैरिफ से जुड़े अनिश्चितता के हल हो जाने से निवेशकों के लिए सोने में बना दबाव कम हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा 3,270 डॉलर प्रति औंस के करीब सोने की कीमत संभावित रूप से 3,000 डॉलर तक गिर सकती है, जिससे घरेलू बाजार में सोने की कीमत 90,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे आ सकती है।

विदेश सचिव विक्रम ने वाशिंगटन में अमेरिकी उपमंत्री जेफरी से की मुलाकात

भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ाने पर विचार व्यक्त किए गए

वाशिंगटन।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी उपमंत्री जेफरी केसलर से वाशिंगटन में महत्वपूर्ण मुलाकात की। चर्चा में उभरती प्रौद्योगिकियों और उभरती क्षेत्रों में भारत-अमेरिका सहयोग को बढ़ाने पर विचार व्यक्त किए गए। भारतीय दूतावास ने साझा किया कि मिसरी ने तकनीकी और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की बात कही। इससे पहले भारतीय मंत्रालय ने एक बयान जारी किया था कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के फॉलो-अप के तौर पर है। इस दौरे पर विक्रम मिसरी ने अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी और भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने के लिए कहा। उन्होंने भी इंडिया-यूएस कॉम्पैक्ट के साथ एक नयी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर चर्चा की। यह सम्मेलन भारत और अमेरिका के बीच ताकतवर साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है और दोनों देशों के बीच वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यापारिक जीवन में नए दरवाजे खोल सकता है।

ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री में गिरावट, तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली।

वाहन पोर्टल के अनुसार इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने मई माह में बिक्री में गिरावट का सामना किया। इस साल कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 20 फीसदी रही, जबकि पिछले साल इस समय यह आंकड़ा 60 फीसदी था। जानकारों के मुताबिक 2025 के मई महीने में केवल 15,221 इलेक्ट्रिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 37,388 था। इसके विपरीत पुराने प्लेयर टीवीएस मोटर ने 25 फीसदी मार्केट शेयर के साथ पहले स्थान पर अपना स्थान बनाया, जबकि बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर 22.6 फीसदी हिस्सेदारी के साथ थमा। एथर एनर्जी का मार्केट शेयर अप्रैल के 14.9 से घटकर मई में 13.1 फीसदी रह गया। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर इस साल 38 फीसदी गिरा है जबकि बुधवार को शेयर 0.7 फीसदी की तेजी के साथ 52.88 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी ने इस साल सेल्स नंबर में गड़बड़ी और ट्रेड सर्टिफिकेट को लेकर विवादों में भी घिरी है। फरवरी में किए गए दावों के अनुसार कंपनी ने 25,000 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में 28 फीसदी मार्केट शेयर हासिल किया।

भारत में 2027 तक 383 फीसदी बढ़ जाएगा एजेंटिक एआई का इस्तेमालः रिपोर्ट

नई तकनीक के जरिए मशीनें स्वतंत्रता से निर्धारण लेने के क्षमता से लाभान्वित होंगी

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत में मानव संसाधन क्षेत्र के दिग्गजों का विचार है कि भविष्य में एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एजेंटिक एआई) के इस्तेमाल में वृद्धि देखने को मिल सकती है। अमेरिका में जारी की गई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2027 तक एजेंटिक एआई की मान्यता में 383 फीसदी की वृद्धि संभव है। इस नई तकनीक के जरिए मशीनें स्वतंत्रता से निर्धारण लेने के क्षमता से लाभान्वित होंगी। भारत में इस `विभाग से संबंधित एक अधिकारी को उम्मीद है कि एजेंटिक एआई के चलते उन्हें 24.7 फीसदी कर्मचारियों की भूमिकाओं में बदलाव करना पड़ेगा। वहीं 88 फीसदी अधिकारियों का कहना है कि वो अपने स्टाफ को दोबारा प्रशिक्षित करने की योजना बना रहे हैं ताकि वे इस बदलते दौर में तकनीक के साथ तालमेल बिठा सकें।

रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि 81 फीसदी भारतीय एचआर लीडर्स मानते हैं कि एजेंटिक एआई के साथ काम करने के लिए सॉफ्ट स्किल्स जैसे टीमवर्क और कम्युनिकेशन अब और ज्यादा जरूरी हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में एचआर लीडर्स का बड़ा तबका इस बदलाव को अपनाने को तैयार है। करीब 85 फीसदी भारतीय एचआर अधिकारी मानते हैं कि आने वाले पांच सालों में मानव कर्मचारी और डिजिटल एजेंट एक साथ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा, 60 फीसदी से ज्यादा एचआर अधिकारियों का मानना है कि उनके कर्मचारी अभी भी यह नहीं समझते कि एआई उनकी नौकरी को किस तरह प्रभावित करेगा।

सेबी पूर्व प्रमुख के खिलाफ लोकपाल ने खारिज किए सभी आरोप

मुंबई।

सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को भारत के लोकपाल ने खारिज कर दिया है। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के आधार पर बताया कि उन आरोपों में कोई सत्यापन योग्य साक्ष्य नहीं मिले, और ये आरोप सिर्फ अनुमानों और धारणाओं पर आधारित थे। हिंडनबर्ग रिपोर्ट में उनके पति धवल बुच के साथ जुड़े वित्तीय लेन-देन के संदेह और कई कंपनियों से कथित संबंधों के आरोप सामने आए थे। लेकिन लोकपाल ने इन सभी आरोपों को मान्यता से रखा इनकार कर दिया। जस्टिस ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता में छह सदस्यीय पीठ ने घोषणा की कि शिकायतें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत जांच योग्य नहीं हैं और कानूनी रूप से जांच शुरू करने की कोई पर्याप्त वजह नहीं है। इसके चलते सभी आरोप खारिज कर दिए गए हैं। लोकपाल ने यह उल्लेख किया कि उन्हें पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिला, और इससे जांच की आधारिक निगरानी नहीं की जा सकती।

भारत, चालू वित्त वर्ष में तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगाः आरबीआई

बैंकों को जोखिमों से निपटने की जरूरत

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में देश के वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाए रहने की संभावना जताई है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे, वित्तीय क्षेत्र की मजबूती और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के चलते देश इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। आरबीआई ने बताया कि ग्लोबल वित्तीय बाजार में उत्पन्न अनिश्चितताओं को विकास का नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति का सकारात्मक पहलू माना जा रहा है। इसके साथ ही, रिपोर्ट ने बताया कि नवीनतम शुल्क नीतियों में बदलाव के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता के प्रभाव आ सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने लगातार दो समीक्षाओं में प्रमुख नीतिगत दरों में कटौती की है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में और भी मजबूती आ सकती है। रिपोर्ट में ब्याज दर के मामले में भी ध्यान दिया गया है और बताया गया है कि बैंकों को जोखिमों से निपटने की जरूरत है, खासकर मुनाफा मार्जिन में कमी को ध्यान में रखते हुए। आरबीआई ने व्यापार समझौतों और बातचीत के माध्यम से प्रभावों को संभालने की सलाह दी है, जिससे नए वित्त वर्ष में चालू खाता घाटा प्रबंधनीय हो सके।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुए। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज सबह बाजार तेजी के साथ खुला वहीं दोपहर में बाजार में सपाट कारोबार हो रहा था पर अंत में निवेशकों की भारी खरीदारी से बाजार ऊपर आया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक (0.39 फीसदी की बढ़त के साथ ही 81,633.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 81.15 अंकों 0.33त बढ़कर 24,833.60 अंकों पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 में से 24 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं शेष 6 कंपनियों के शेयर नीचे आये। दूसरी ओर, आज निफ्टी 50 की 50 में से 37 कंपनियों के शेयरों में बढ़त रही। वहीं शेष 13 कंपनियों के शेयर नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.49 फीसदी की बढ़त के साथ रहीजबकि बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा 0.60 फीसदी नीचे आये।

सेंसेक्स में शामिल अन्य कंपनियों में आज सनफार्मा के शेयर 2.11 फीसदी, एटरनल (जोमेटो) 1.83 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 1.78, टाटा स्टील 1.27, टेक महिंद्रा 1.24, एक्सिस बैंक 1.15, टाटा मोटर्स 1.05, कोटक महिंद्रा बैंक 0.97, इंफोसिस 0.95, एचडीएफसी बैंक 0.75, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.73, मारुति सुजुकी 0.69, पावरग्रिड 0.62, टाइटन 0.57 फीसदी की फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयर 0.30 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.21, आईटीसी 0.17, टीसीएस 0.15 और एनटीपीसी के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

प्रीपेड यूजर्स के लिए रिलायंस जियो ने पेश किए 5 नए प्रीपेड प्लान्स

नई दिल्ली/एजेंसी

गेमिंग के शौकीन प्रीपेड यूजर्स के लिए रिलायंस जियो ने 5 नए प्रीपेड प्लान्स पेश किए हैं। जियो की वेबसाइट पर लिस्टेड इन प्लान्स की कीमत 48, 98, 298, 495 और 545 रुपए हैं। इन हाई स्पीड डेटा प्लान्स का फायदा उन यूजर्स को होगा, जो बिना गेम डाउनलोड किए सीधे क्लाउड के जरिए गेम खेलना चाहते हैं। क्योंकि, इन प्लान्स के साथ यूजर्स को जियो गेम्स क्लाउड का फ्री एक्सेस भी मिलेगा।

जियो गेम्स क्लाउड की प्रो पास की कीमत रुपए 398 है और इसकी वैलिडिटी 28 दिन की होती है। लेकिन, इन नए प्लान्स के साथ यूजर्स को यह सर्विस फ्री मिलेगी। बता दें कि, जियो गेम्स क्लाउड रिलायंस की क्लाउड गेमिंग सर्विस है, जो यूजर्स को पीसी, जियो सेट-टॉप बॉक्स और स्मार्टफोन पर प्रीमियम गेम्स खेलने की सुविधा देती है। भारत में इंटरनेट डेटा की खपत बढ़ी, गांवों में सबसे ज्यादा डिमांड ट्राई की मार्च-2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इंटरनेट और मोबाइल डेटा की खपत लगातार तेज़ी से

बढ़ रही है। खासतौर पर गांवों और छोटे कस्बों में मोबाइल और 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सर्विस की डिमांड में बढ़ी है।

ट्राई के मुताबिक, भारत में वायरलेस सब्सक्राइबर बेस यूजर्स की संख्या 116.03 करोड़ से बढ़कर 116,37 करोड़ हो गई है। इसमें मोबाइल और 5लर फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सर्विस दोनों कनेक्शन शामिल हैंसिर्फ मोबाइल यूजर्स की संख्या फरवरी के 115.40 करोड़ से बढ़कर मार्च में 115.69 करोड़ हो गई है। वहीं, 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस सब्सक्राइबर संख्या बढ़कर 68 लाख हो गई, जिसमें सबसे बड़ा योगदान जियो का रहा है।

इंडसइंड बैंक के पांच अधिकारियों के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप

अधिकारियों के बैंक खातों को भी किया फ्रीज

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया सहित पांच वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग के गंभीर आरोपों के चलते कड़ी कार्रवाई की है। सेबी की जांच में परिणाम सामने आने के बाद बैंक के शेयरों में तेज़ गिरावट आई थी। सेबी ने पांच अधिकारियों के खिलाफ शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाया है और उनके बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके साथ ही सेबी ने 19.7 करोड़ रुपए के अवैध लाभ को भी जब्त करने का आदेश दिया है। इंडसइंड बैंक द्वारा 1,529 करोड़ रुपए के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बड़ी के खुलासे के बाद सेबी ने यह जांच शुरू की थी। इस घटना के परिणामस्वरूप सभी पांच अधिकारियों पर आगे की कार्रवाई तक सिक्योरिटीज में ट्रेडिंग से रोक लगाई गई है। इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोपों के चलते इंडसइंड बैंक एक बार फिर विवादों के घेरे में है, जिससे बैंक की सार्वजनिक छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

टीसीएस के सीईओ को सैलरी पैकेज 26.52 करोड़ मिला

सैलरी में 1.39 करोड़ वेतन, 2.13 करोड़ लाभ, भत्ते एवं सुविधाएं शामिल

नई दिल्ली/एजेंसी

देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ और एमडी के. कृतिवासन को वित्त वर्ष 2024-25 में 26.52 करोड़ रुपये का वेतन मिला है। यह वित्त वर्ष 2023-24 के मुकाबले 4.6 प्रतिशत अधिक है। कृतिवासन के सैलरी में 1.39 करोड़ रुपये का वेतन, 2.13 करोड़ रुपये के लाभ, भत्ते एवं सुविधाएं, 23 करोड़ रुपये का कमीशन शामिल है। वित्त वर्ष 2024 तक एचसीएलटेक के सीईओ सी. विजयकुमार सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय आईटी सीईओ थे। विजयकुमार को 84.16 करोड़ रुपये सैलरी पैकेज मिला। इसी तरह, इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख ने वित्त वर्ष 24 में 66.25 करोड़ रुपये कमाए, जबकि विप्रो के नवनियुक्त सीईओ श्रीनि पल्लिया को 50 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का पैकेज मिला। बता दें कि श्रीनि पल्लिया की इसी साल नियुक्ति हुई है। वहीं अन्य आईटी कंपनियों ने लेटेस्ट सैलरी ब्रेकअप को अपडेट नहीं किया है। टीसीएस की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि के. कृतिवासन को मिलने वाला वेतन कंपनी द्वारा अपने 6.07 लाख कर्मचारियों को दिए जाने वाले एवरेज सैलरी का लगभग 330 गुना है। वहीं टीसीएस के सीएफओ समीर सेकसरिया के कुल पारिश्रमिक में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कंपनी के मुताबिक, प्रमोशन के बाद कर्मचारियों के पारिश्रमिक में औसत वार्षिक वृद्धि 5.5 से 7.5 प्रतिशत के बीच रही। इस वर्ष 1.1 लाख कर्मचारियों को प्रमोट किया गया।

आरबीआई का बही-खाता वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 76.25 लाख करोड़ हुआ

31 मार्च 2024 तक 70,47,703.21 करोड़ रुपये था

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का 31 मार्च 2025 तक बही-खाते का आकार सालाना आधार पर 8.20 प्रतिशत बढ़कर 76.25 लाख करोड़ रुपये हो गया। जिसकी वजह से केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये का भारी लाभ हो सिल हुआ है। आरबीआई की गुरुवार को जारी वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि संपत्ति के मामले में वृद्धि सोने, घरेलू निवेश एवं विदेशी निवेश में क्रमशः 52.09 प्रतिशत, 14.32 प्रतिशत और 1.70 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई। इस दौरान आय में 22.77 प्रतिशत और व्यय में 7.76 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष का अंत 2,68,590.07 करोड़ रुपये के समग्र अधिशेष के साथ हुआ जबकि पिछले वर्ष यह 2,10,873.99 करोड़ रुपये था, जिसके परिणामस्वरूप 27.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार बही-खाते का आकार 5,77,718.72 करोड़ रुपये या 8.20 प्रतिशत बढ़कर 31 मार्च 2025 तक 76,25,421.93 करोड़ रुपये हो गया। यह 31 मार्च 2024 तक 70,47,703.21 करोड़ रुपये था। देनदारियों के संबंध में आरबीआई ने कहा कि यह वृद्धि जारी नोट, पुनर्मूल्यांकन खातों एवं अन्य देनदारियों में क्रमशः 6.03 प्रतिशत, 17.32 प्रतिशत और 23.31 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक घरेलू परिसंपत्तियों का हिस्सा 25.73 प्रतिशत था। वहीं विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, सोना तथा भारत के बाहर वित्तीय संस्थानों को दिए गए ऋण एवं अग्रिम राशि कुल परिसंपत्तियों का 74.27 प्रतिशत थीं। वहीं 31 मार्च 2024 तक यह क्रमशः 23.31 प्रतिशत और 76.69 प्रतिशत थी। इसमें कहा गया है कि 44,861.70 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया और उसे आकस्मिकता निधि (सीएफ) में स्थानांतरित कर दिया गया।

मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट्स से वसूले जाने वाले शुल्क एक समान होः एएएचएल

नई दिल्ली/एजेंसी

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने सरकार से मांग की है कि मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट्स को एक ही जोन या यूनिट की तरह ट्रीट किया जाए, ताकि दोनों जगह यात्रियों और एयरलाइंस से वसूले जाने वाले शुल्क एक जैसे हों। कंपनी ने इस बारे में सरकार को प्रस्ताव भेजा है। अगर ये प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो दोनों एयरपोर्ट्स पर लगने वाले शुल्क में समानता आ जाएगी। इससे नवी मुंबई एयरपोर्ट पर ट्रैफिक बढ़ सकता है, जो कि एएएचएल के लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि इस प्रोजेक्ट में कंपनी ने करीब 16,700 करोड़ रुपए खर्च कर दिए हैं। हालांकि दोनों एयरपोर्ट्स अडानी ग्रुप के ही हैं, लेकिन नवी मुंबई एयरपोर्ट पर फिलहाल पैसेंजर फीस और एयरलाइन चार्जेस कहीं ज्यादा तय किए गए हैं। यही वजह है कि एयरलाइंस वहां शिफ्ट होने से हिचकिचा सकती हैं। दरअसल, नवी मुंबई एयरपोर्ट जुलाई से कमर्शियल उड़ानों के लिए खुलने वाला है। अडानी ग्रुप ने सरकार से कहा है कि मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट को एक ही एयरपोर्ट मानकर वहां लगने वाले चार्ज तय किए जाएं। इसके लिए उन्होंने 2021 में एयरपोर्ट रेगुलेटरी में किए गए बदलाव का हवाला दिया है। इस बदलाव के तहत एक बड़े एयरपोर्ट के साथ छोटे और घाटे में चल रहे एयरपोर्ट्स को जोड़कर एक साथ प्राइवेट कंपनियों को दिया जा सकता है, ताकि निवेशक उसमें दिलचस्पी लें।

खरीफ की 14 फसलों की एमएसपी बढ़ी

किसान क्रेडिट कार्ड पर कम ब्याज में मिलेगा लोन

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दी है। धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है और इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए हो गई है।

नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। इससे पहले की तुलना में यह 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है।

मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 फीसदी ज्यादा होना चाहिए। इस फैसले के साथ ही किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को भी बढ़ावा मिलेगा।

इस योजना की जानकारी के मुताबिक किसान केसीसी से 3 लाख रुपए तक का लोन 7 फीसदी ब्याज पर ले सकेंगे, जिसमें बैंकों को 1.5 फीसदी ब्याज सब्सिडी मिलेगी। अगर किसान समय पर चुका देते हैं लोन तो 3 फीसदी तक का प्रोत्साहन भी मिलेगा, जिससे उनका ब्याज मात्र 4 फीसदी रह जाएगा। सरकार ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जो कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है। ये परियोजना 2029-30 तक पूरी की जाएंगी। किसी भी देश के विकास के लिए कृषि और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इससे सरकार के विकास और किसानों के लिए सुधार की दिशा में एक नया कदम उठाया गया है।

संक्षिप्त

गिल के लिए कड़ी परीक्षा होगा इंग्लैंड का दौरा: सबा करीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय चयनकर्ता सबा करीम का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरा नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए कड़ी परीक्षा जैसा होगा और कप्तान के रूप में उनकी सफलता उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास लेने के बाद गिल को कप्तान नियुक्त करके भारत ने टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की। करीम ने रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम से इतर पीटीआई वीडियो से कहा, ''यह उनके लिए एक परीक्षा है। मुझे यकीन है कि वह इसके लिए तैयार हैं। उन्हें बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अगर वह ऐसा करने में सफल रहते हैं तो इससे उनकी कप्तानी पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़ को पूरा विश्वास है कि भारत की युवा टीम इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करके अनुकूल परिणाम हासिल करेगी।

मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ की टीम ने मिश्रित एयर पिस्टल में जीता गोल्ड

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड कप के दूसरे दिन रविवार को मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ की मिश्रित एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। आज यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ा की मिक्स्ड एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रुद्रांश खंडेलवाल और सुमेधा पाठक की टीम ने कांस्य पदक जीता।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना अपनी मुक्केबाजी अकादमी शुरू करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन की अकादमी का उद्घाटन मंगलवार को गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा करेंगे। लवलीना ने कहा, ''यह अकादमी सिर्फ प्रशिक्षण सुविधा से कहीं बढ़कर है। यह एक सपना है जो मैंने खुद और असम के उन अनगिनत युवा लड़कों और लड़कियों के लिए देखा है जो रिंग में उतरना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, '''लवलीना मुक्केबाजी अकादमी' के साथ मैं ऐसा माहौल बनाना चाहती हूं जहां महत्वाकांक्षी खिलाड़ी न केवल मुक्केबाजी की कला सीखें बल्कि सफल होने के लिए जरूरी जज्बा, अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास भी हासिल करें।''

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी, एरिगैसी ने नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर, एजेंसी। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

पीएसजी पहली बार बना चैंपियंस लीग का चैंपियन

चैंपियंस लीग

- **पीएसजी की तरफ से डोए ने 20वें और 63वें मिनट में गोल किए**

म्यूनिख, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने डिजायर डोए के दो गोल की मदद से खेले गए एकतरफा फाइनल में इंटर मिलान को 5-0 से करारी शिकस्त देकर पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतियोगिता चैंपियंस लीग का खिताब जीता।

पीएसजी ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच बेहतरीन खेल का नजारा पेश किया और इंटर के समर्थकों को आखिरी सिटी बजने से पहले ही स्टेडियम छोड़ने के लिए मजबूर किया।

पीएसजी की तरफ से डोए ने 20वें और 63वें मिनट में गोल किए। उनके अलावा अचरफ हकीमी (12वें), ख्विचा क्वारात्सखेलिया (73वें) और स्थानापन्न सेनी

मायुलु (86वें) ने एक एक गोल करके पीएसजी की रिकॉर्ड जीत सुनिश्चित की।

यह पिछले 70 वर्षों में चैंपियंस लीग के फाइनल में किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है।

पीएसजी के कोच लुई एनरिक ने कहा, ''अब हमारे पास चैंपियंस लीग की ट्रॉफी है। जब मैं पीएसजी से जुड़ा था तो मैंने पहले दिन ही कहा था कि हमारा लक्ष्य चैंपियंस लीग का खिताब जीतना है। यह एकमात्र ट्रॉफी थी जिसे हम अभी तक नहीं जीत पाए थे।''

यह वह ट्रॉफी थी जो लियोनेल मेस्सी, नेमार या किलियन एमबाप्पे भी फ्रांस के इस क्लब को नहीं दिला पाए थे। इससे पहले पीएसजी 2020 में चैंपियंस लीग के फाइनल में पहुंचा था लेकिन तब वह बायर्न म्यूनिख से हार गया था, जिसके बाद नेमार लिस्बन के खाली स्टेडियम में रो पड़े थे। कोरोना महामारी के कारण तब यह मैच खाली स्टेडियम में खेला गया था।

लेकिन इस बार माहौल पूरी तरह से भिन्न था। पीएसजी के हजारों समर्थक स्टेडियम में मौजूद थे। वे झंडे लहरा रहे थे, पटाखे जला रहे थे और अपने प्रतिद्वंद्वियों इंटर के समर्थकों का शोरगुल दबा रहे थे, जिनमें से कई समर्थक अंतिम सीटी बजने से काफी पहले ही स्टेडियम से चले गए थे।

पीएसजी के समर्थक पूरे दिन म्यूनिख की सड़कों पर पार्टी करते रहे, लेकिन वह उस खुशी के दृश्य की तुलना में कुछ भी नहीं था, जब कप्तान मार्क्विनहोस ने ट्रॉफी को अपने हाथों में उठाया और उनके पीछे आतिशबाजी और सुनहरे कंफेद्दी (कागज के छोटे टुकड़े) हवा में उड़ रहे थे।

मेस्सी के शानदार खेल से इंटर मियामी ने कोलंबस क्रू को 5-1 से हराया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को दो गोल कर इंटर मियामी की एमएलएस (अमेरिका की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) में कोलंबस क्रू पर 5-1 की जीत में अहम योगदान दिया।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी ने मैच में नौ मिनट (15वें और 24वें) के अंदर दो गोल करने के साथ ही दो गोल में सहायक की भूमिका निभाई जिससे पिछले सप्ताह तक खराब दौर से गुजर रही मियामी ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

उनके बनाये मौके पर 13वें मिनट में तादेओ अलेंदे जबकि 89वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट ने गोल किया। मियामी की टीम के लिए एक और गोल 64वें मिनट में दिग्गज लुइस सुआरेज ने किया। आठ बार बैलोन डी'ओर विजेता मेस्सी 16 गोल के साथ लीग के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी है।

भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल : योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर पहलवान योगेश्वर दत्त का मानना है कि भारत में कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल होने जा रहा है। नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में रविवार को 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खेल मंत्री मनसुख मांडविया समेत कई मशहूर हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में साल 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त भी पहुंचे।

योगेश्वर दत्त ने कहा, "आज फिट इंडिया मुहिम के तहत साइकिल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मेरा मानना है कि ये यात्रा हमारे सैनिकों के सम्मान के लिए निकाली गई है। उसके लिए मैं शुभकामनाएं देता हूं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने पहलगाम में कायराना हरकत की थी। हमारे निर्दोष लोगों को उन्होंने मारा था और उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे। हमारी सेना ने वो काम किया।"

दत्त ने आगे कहा, "नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया। 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, उसके बाद 2-3 दिन युद्ध चला, जिसमें हमने पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए। उनके ड्रोन्स को हमने मार गिराया। उनके दो फाइटर जेट को हमने मार गिराया। ये हमारे लिए गर्व की बात है। सीमाओं पर जो हमारे जवान दिन-रात पहरा देते हैं, जिनकी वजह से हम सुख-चैन से सो पाते हैं, उनके लिए हमेशा सम्मान रहेगा।"

इसी साल मार्च में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से बैन हटा लिया गया था। योगेश्वर दत्त मान रहे हैं कि अब भारत में कुश्ती का भविष्य शानदार होने जा रहा है। उन्होंने कहा, "अब कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल है। लगातार 5 ओलंपिक में हमने कुश्ती में मेडल जीते हैं। साल 2008 से 2024 तक हमने मेडल जीते हैं। फेडरेशन का इसमें बहुत बड़ा योगदान रहा है। पिछले दो साल जो घटनाक्रम हुआ, वो काफी दुखदायी था। उसमें कुश्ती की गलत छवि बनाने की कोशिश की गई। ये केस अभी कोर्ट में है।"

उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि कुश्ती का भविष्य उज्ज्वल है। कोर्ट में चीजें हैं। सच सामने आ जाएगा। कुछ सच सामने आ भी रहा है। आने वाला समय कुश्ती का है। हम चाहते हैं कि 2036 ओलंपिक हमारे हिंदुस्तान में हो, जो हमारे पीएम मोदी का सपना है कि खेलों में हम महाशक्ति बनकर उभरे हैं। 2036 में जब ओलंपिक भारत में होगा, तो भारत खेलों में महाशक्ति बनकर उभरेगा।"

रोलां गैरो में 99वीं जीत के साथ चौथे दौर में पहुंचे नोवाक जोकोविच

फ्रेंच ओपन

- **जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं।**

पेरिस, एजेंसी। तीन बार के रोलां गैरो चैंपियन नोवाक जोकोविच ने पेरिस क्ले पर अपने करियर की 99वीं जीत दर्ज की है। जोकोविच ने ऑस्ट्रियाई क्वालीफायर फिलिप मिसोलिक को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया।

रोलां गैरो से ठीक पहले जिनेवा में अपने 100वें टूर लेवल सिंगल्स खिताब के बाद जोकोविच अब पहली बार एक ही टूर्नामेंट में 100 मैच जीतने की उपलब्धि हासिल करने से महज एक कदम दूर हैं। अगर जोकोविच सोमवार को पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी कैमरन नोरी को

हरा दें, तो उनके नाम ये उपलब्धि दर्ज हो जाएगी। जोकोविच 10 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुके हैं।

जोकोविच ने जीत का शतक पूरा करने की संभावना पर बात करते हुए कहा, "99 अच्छा है, लेकिन 100 बेहतर है। मुझे उम्मीद है कि मैं और जीतूंगा। मैं अपने करियर, अपने जीवन के ऐसे दौर में हूं, जब मैं बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं, क्योंकि हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता हूं, तो इतिहास की किताबों के लिए खेल रहा होता हूं। यह अविश्वसनीय है।"

रोलां गैरो में जोकोविच से ज्यादा जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी 14 बार के चैंपियन राफेल नडाल हैं, जिनका रिकॉर्ड 112-4 है। जोकोविच को 23 वर्षीय मिसोलिक के खिलाफ सिर्फ एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। इस परिणाम ने जोकोविच को व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका दिया। जोकोविच ने कहा, "यह मेरे लिए इस साल का पहला नाइट सेशन था। नाइट सेशन अलग होते हैं। खेलने के लिए पूरे दिन इंतजार करना आसान नहीं है, क्योंकि आप बहुत तनाव में होते हैं। आपको मैच के लिए तैयारी करनी होती है। पिछले साल मैंने कुछ नाइट सेशन खेले थे। लोरेंजो मुसेट्टी के खिलाफ एक बेहतरीन सेशन, जो सुबह 3 बजे खत्म हुआ था। आज रात मैं बस यही उम्मीद कर रहा था कि यह 3 बजे के बाद खत्म न हो! हमेशा बहुत सारी उम्मीदें होती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने तीन सेटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन किया।

सिरसा में चार व पांच जून को कुश्ती प्रतियोगिता

प्रतियोगिता

- **महिला वर्ग में केवल फ्री स्टाइल के मुकाबले होंगे और वह भी इन्हीं तीन वर्गों में विभाजित होंगे।**

सिरसा, एजेंसी

हरियाणा के जिला सिरसा में होने वाली बहुप्रतीक्षित कुश्ती प्रतियोगिता सिरसा कुमार एवं कुमारी तथा सिरसा केसरी (पुरुष व महिला वर्ग) की तिथि में बदलाव किया गया है। यह प्रतियोगिता पहले दो से तीन जून तक प्रस्तावित थी, जिसे अब संशोधित कर चार से पांच जून को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन भगत सिंह स्टेडियम, सिरसा में किया जाएगा।

जिला खेल अधिकारी जगदीप ने सभी पहलवानों, कोचों तथा अखाड़ा संचालकों से कहा है कि इस प्रतियोगिता के दौरान सभी आयु वर्गों के मुकाबले करवाए जाएंगे। प्रतिभागियों का वजन सुबह सात बजे से नौ बजे तक लिया जाएगा, जिसके बाद कोई भी खिलाड़ी वजन के लिए पात्र नहीं होगा। कुश्ती मुकाबले ठीक दस बजे शुरू कर दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुषों के फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन दोनों प्रकार के मुकाबले

सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्गों में होंगे। महिला वर्ग में केवल फ्री स्टाइल के मुकाबले होंगे और वह भी इन्हीं तीन वर्गों में विभाजित होंगे। सीनियर महिला वर्ग के लिए वजन श्रेणियां 50, 53, 55, 57, 59, 62, 65, 68, 72, 76 किलोग्राम निर्धारित की गई हैं।

सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल वर्ग के लिए श्रेणियां 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किलोग्राम निर्धारित की गई है। वहीं, सीनियर पुरुष ग्रीको रोमन वर्ग में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97, 130 किलोग्राम की श्रेणियां रहेंगी। जूनियर (अंडर 21) पुरुष और महिला वर्गों में भी यही वजन श्रेणियाँ मान्य रहेंगी।

सब-जूनियर (अंडर 17) महिला वर्ग की वजन श्रेणियाँ 36-40, 43, 46, 49, 53, 57, 61, 65, 69, 73 किलोग्राम निर्धारित की गई है। सब-जूनियर पुरुष फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन दोनों में वजन श्रेणियाँ 41-45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 किलोग्राम निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सिरसा कुमार प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी का वजन 74 किलोग्राम तक होना अनिवार्य है, जबकि सिरसा केसरी प्रतियोगिता के लिए 74 से 125 किलोग्राम तक वजन अनिवार्य होगा।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम पर लगाया धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने बर्मिंघम के एजबेस्टन में गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में स्लो ओवर रेट के लिए वेस्टइंडीज पर जुर्माना लगाया है। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और मार्टिन सैगर्स, थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और फोर्थ अंपायर ग्राहम लॉयड ने ये आरोप तय किए थे। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने अपराध के लिए सजा स्वीकार कर ली। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, "आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने प्रत्येक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है। होप की टीम पारी के अंत में जरूरी टारगेट से एक ओवर पीछे रह गई थी, जिसमें समय की छूट को ध्यान में रखा गया था। यह जुर्माना आईसीसी खिलाड़ी और खिलाड़ी सहायक कर्मचारी आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के अनुरूप है, जो

न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से जुड़ा है। आईसीसी नियमों के अनुसार, खिलाड़ियों पर उनकी टीम द्वारा तय समय के अंदर गेंदबाजी न कर पाने वाले प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।"

इंग्लैंड ने तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के शुरुआती मैच में बेन डकेट, जो रूट, हैरी ब्रुक और जैकब बेथेल के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 400/8 रन बनाए। वेस्टइंडीज की टीम 162 रन ही बना सकी। साकिब महमूद और जेमी ओवरटन ने तीन-तीन विकेट लिए। इंग्लैंड ने 238 रनों से बड़ी जीत दर्ज की।

दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे रविवार को कार्डिफ में खेला जाएगा। कार्डिफ में जीत से इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज जीतने का मौका मिल जाएगा, जबकि एक मैच और खेलना बाकी है। इंग्लैंड की टीम ऑलराउंडर जेमी ओवरटन के बिना उतरेगी, जो दाएं हाथ की छोटी उंगली में फ्रैक्चर के कारण व्हाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं।

सिंगापुर ओपन | **भारतीय जोड़ी के लिए यह इस साल तीसरा सेमीफाइनल था**

सात्विक-चिराग का सफर सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में खत्म

सिंगापुर, एजेंसी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी का सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार सफर पुरुष युगल के सेमीफाइनल में शनिवार को यहां मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ हार के साथ खत्म हो गया।

विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी पहले गेम की बढ़त को भुनाने में नाकाम रही और 64 मिनट तक चले मुकाबले को 21-19, 10-21, 18-21 से गंवा बैठी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जबरदस्त धैर्य

और जज्बे का प्रदर्शन कर सात मैच प्वाइंट बचाए लेकिन यह उन्हें हार से बचाने के लिए काफी नहीं था।

सात्विक और चिराग की जोड़ी चोट और फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रही जिससे यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में 27वें पायदान पर खिसक गयी। पेरिस ओलंपिक में इस भारतीय जोड़ी के सफर पर क्वार्टर फाइनल में विराम लगाने वाली मलेशियाई जोड़ी ने एक बार फिर शुरुआत गेम गंवाने के बाद मजबूत वापसी की।

भारतीय जोड़ी के लिए यह इस साल तीसरा सेमीफाइनल था। यह जोड़ी इससे पहले इंडिया ओपन और मलेशिया ओपन में अंतिम चार में पहुंची थी।

यह मुकाबला शुरुआत से काफी करीबी था जहां दोनों जोड़ियों हर अंक के लिए पूरा जोर लगा रही थी। स्कोर एक समय 6-6 की बराबरी पर थी। भारतीय जोड़ी के दमदार स्मैश का आरोन चिया अच्छा बचाव कर रहे थे।

चिराक के दमदार स्मैश से भारत ने एक बार फिर से स्कोर को 8-8 से बराबर किया जबकि सात्विक के शानदार रिटर्न से इस जोड़ी ने 11-8 की बढ़त कायम की।

भारतीय जोड़ी ने इस बढ़त को बरकरार रखते हुए स्कोर को 15-12 किया लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने वापसी करते हुए इसे 18-18 कर दिया।

सोह शटल को पीछे की लाइन से दूर मारने के बाद दूसरे प्रयास में नेट पर खेल गये जिससे भारत ने दो गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। मलेशिया की जोड़ी एक प्वाइंट का बचाव करने में सफल रही जबकि आरोन के चूकने से भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया।

मलेशियाई जोड़ी ने दूसरे गेम में दमदार खेल से 5-0 की बढ़त कायम की। सात्विक और चिराग इसके बाद 32 शॉट वाली रैली को जीतने में सफल रहे लेकिन आरोन और सोह ने दबदबा कायम रखते हुए 14-7 की बढ़त बना ली।

उन्होंने इसके बाद 10 गेम प्वाइंट हासिल कर इस गेम को आसानी से जीत लया।

निर्णायक गेम की शुरुआती में कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन भारतीय जोड़ी की गलती का फायदा उठा कर मलेशियाई जोड़ी ने 8-6 और फिर 14-9 की बढ़त बना ली।

उन्होंने स्कोर को 18-12 किया और फिर नौ मैच प्वाइंट हासिल किये। भारतीय जोड़ी सात मैच प्वाइंट का बचाव करने में सफल रही लेकिन मलेशियाई जोड़ी को लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने से नहीं रोक सकी।

पवनमुक्तासन से दूर होती है गैस की समस्या

वर्तमान में अनियमित खान-पान, फास्ट फूड इत्यादि के अत्यधिक सेवन से गैस की समस्या आम हो गयी है. इसके अलावा पेट की दूसरी समस्याओं में भी वृद्धि हुई है. प्रतिदिन पवनमुक्तासन के अभ्यास से पेट की इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

पवन मुक्तासन में पाचन क्रिया में उत्पन्न होनेवाली और आंतों की सारी वायु बाहर निकली जाती है. इसलिए इसे पवन मुक्तासन कहते हैं. यह आसन दो प्रकार से किया जाता है.

आसन से इन रोगों में लाभ

पवन मुक्तासन से मांसपेशियां और मेरूदंड (रीढ़ की हड्डी) मजबूत होते हैं. यह फेफड़े और हृदय के विकारों को दूर करता है. यह आसन शारीरिक व मानसिक थकान को दूर करता है.

इस आसन से खून के बहाव की गति तेज होती है तथा आलस्य दूर होता है. यह आसन वायु को शरीर से मुक्त करता है. इससे पेट की चर्बी कम होती है और कब्ज, एसिडिटी व पेट के सभी रोग ठीक होते हैं. इसको करने से पेनक्रियाज सक्रिय होता है, शरीर की जकड़न, तनाव, थकान तथा सांस के रोग दूर होते हैं. यह आसन बवासीर को दूर करता है तथा एक गिलास पानी पीकर सुबह इसे करने से शौच सही से होता है.

विधि 1 – इस आसन में सबसे पहले चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं. दोनों पैरों को सीधे सामने की और फैलाकर रखें. अब अपने दाहिने पैर को घुटने से मोड़कर सिर की ओर लाएं और अपने दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा कर उसके बीच में घुटनों को रखें. अब धीरे-धीरे घुटनों को जितना संभव हो मुंह की ओर लाएं और अपने सिर को फर्श से ऊपर उठा कर घुटने से नाक छूने की कोशिश करें. इस स्थिति में 2 मिनट तक रहें. आखिर में सांस अंदर खींच कर सिर व पैरों को सामान्य स्थिति में लाकर सांस छोड़ें. यह प्रक्रिया बायें पैर से भी करें. दोनों पैरों से यह क्रिया 10-10 बार करें.

विधि 2 – इस आसन को दोनों पैरों से भी कर सकते हैं. इसके लिए अपने दोनों पैरों को घुटनों से मोड़ कर सिर की ओर लाएं तथा दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में फंसा कर हाथ के बीच में घुटनों को रखें. अब घुटनों को हाथों के सहारे ऊपर खींचें और सिर को ऊपर उठा कर घुटनों को नाक में लगाने की कोशिश करें. कुछ समय तक इस स्थिति में रहने के बाद सांस लेते हुए पैरों व सिर को सीधा कर सांस को छोड़ें. इस तरह इस क्रिया को 3 बार करें.

सावधानी – इस आसन को आराम से करें तथा पहले दिन जितना संभव हो उतना ही घुटनों को सिर के पास ले जाएं. जिन लोगों को कमर व गरदन में दर्द की शिकायत हो उन्हें इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए.

विशेष – मोटे पेटवाले व्यक्तियों को पवन मुक्तासन करने में परेशानी हो सकती है. शुरू में घुटने नाक या ठोड़ी पर न लग सके, तो ऐसी स्थिति में घुटनों को सिर के जितना करीब ले जा सकें, ले जाएं. तब इसे करने में आसानी होगी.

ठंडे रहिए स्वस्थ रहिए

हाल ही में मेलबर्न में हुए एक शोध में शोधकर्ताओं ने पाया कि ठंडे वातावरण में रहने से आप स्वस्थ रह सकते हैं। ठंडा वातावरण ब्राउन फैट्स की वृद्धि को बढ़ावा देता है जो मधुमेह और मोटापे जैसी बीमारियों से बचाता है। लोगों में ब्राउन फैट्स का घटना या बढ़ना उनके व्यापक वातावरण पर निर्भर करता है। जहां ठंडा वातावरण इन फैट्स को बढ़ावा देता है, वहीं गर्म वातावरण इन्हें नष्ट करता है।

पूर्व अध्ययनों में देखा गया है कि जिन लोगों में ब्राउन फैट्स की मात्रा अधिक होती है वे दुबले होने के साथ ही मंद रक्त शर्करा भी होता है।

ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च के एंडोक्राइनोलोजिस्ट पॉल ली ने कहा, %अभी तक इस शोध से पहले यह अज्ञात था कि किसी मनुष्य में ब्राउन फैट्स की मात्रा को परिवर्तित किया जा सकता है या नहीं। हमने पाया कि शीत माह ब्राउन फैट्स को 30 से 40 फीसदी तक बढ़ा सकता है। शोधकर्ताओं ने पांच स्वस्थ व्यक्तियों को चार माह के निर्धारित तापमान में रखा जिसकी सीमा 19 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस तक रखी गयी। दिनभर सामान्य जीवन व्यतीत करने के बाद वे रात में 10 घंटे तापमान नियंत्रित कक्ष में रहते थे। इसमें पाया गया कि ग्रीष्म माह में ब्राउन फैट्स घटे और शीत माह में बढ़े।

%इंसुलिन संवेदनशीलता और ब्राउन फैट्स की बढ़ोतरी में सुधार क्षीण ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के उपचार में कई नए आयाम खोलेगा। वहीं दूसरी ओर, समकालीन समाज में व्यापक गर्माहट से थोड़ी-बहुत ठंडक की कमी से ब्राउन फैट्स के निर्माण में क्षति आ सकती है एवं मोटापे और मेटाबौलिक गड़बड़ी में सहयोग कर सकता है।

जामुन में है बड़ा दम

आजकल के मौसम में मिलने वाले जामुन का रंग न सिर्फ देखने में बढ़िया होता है, बल्कि यह स्वाद और सेहत से भी भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। जामुन के सेवन से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। यह पाचन तंत्र के लिए भी लाभकारी है। खास बात यह है कि डायबिटीज वाले लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं।

- जामुन में फ्लेवोनॉइड्स, फेनॉल्स, प्रोटीन और कैल्शियम भी पाया जाता है, जो सेहत के लिए लाभकारी होता है।
- इसमें कैरोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और सोडियम भी पाया जाता है। इस वजह से यह शुगर का लेवल मेंटेन रखता है।

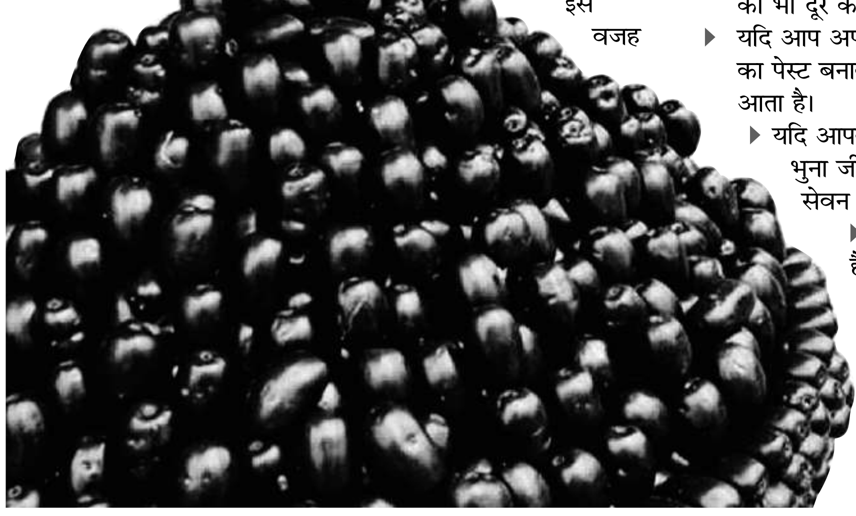

- बहुत कम लोगों को यह मालूम होगा कि जामुन में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
- लूकोज और फ्रक्टोज के रूप में मिलने वाली शुगर शरीर को हाईड्रेट करने के साथ ही कूल और रिफ्रेश करती है।
- जामुन में फाइटोकेमिकल्स भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।
- अगर आपको कमजोरी महसूस होती है या आप एनीमिया से पीड़ित हैं तो जामुन का सेवन आपके लिए फायदेमंद रहेगा।
- जामुन का सिरका बनाकर बराबर मात्रा में पानी मिलाकर सेवन करने से यह न केवल भूख बढ़ाता है, बल्कि कब्ज की शिकायत को भी दूर करता है।
- यदि आप अपने चेहरे पर रौनक लाना चाहती हैं तो जामुन के गूदे का पेस्ट बनाकर इसे गाय के दूध में मिलाकर लगाने से निखार आता है।
- यदि आपको एसिडिटी की समस्या रहती है तो काले नमक में भुना जीरा मिलाकर पीस लें। फिर इसके साथ जामुन का सेवन करें। एसिडिटी की समस्या दूर हो जाएगी।
- यदि आपका बच्चा बिस्तर गीला करता है तो जामुन के बीजों को पीसकर आधा-आधा चम्मच दिन में दो बार पानी के साथ पिलाएं।

बस एक बात का ध्यान रखें कि कभी भी खाली पेट जामुन का सेवन न करें। न ही कभी जामुन खाने के बाद दूध का सेवन करें। साथ ही अधिक मात्रा में भी जामुन खाने से बचें। अधिक खाने पर यह नुकसान भी करता है।

हेल्दी लाइफ

व्यायाम घटाता है कैंसर का खतरा

एक्सरसाइज करने से न केवल हमारा शरीर और मन फिट रहता है, बल्कि हमें कई बीमारियों से भी मुक्ति मिलती है. यह शरीर को स्वस्थ रखने का एक आसान तरीका है. इससे हमारे शरीर का हर अंग स्वस्थ रहता है. एक्सरसाइज से कई बार कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है.

एक्सरसाइज से इनका खतरा होता है कम

पाचन ग्रंथी का कैंसर – एक्सरसाइज करने में कोताही बरतनेवाले लोगों में पाचन ग्रंथी का कैंसर होने का खतरा ज्यादा होता है. पाचन ग्रंथी एंजाइम पैदा करती है, जो भोजन को पचाने और हार्मोन के लिए लाभदायक होते हैं. इससे शरीर में शर्करा की मात्र को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है.

जीवनशैली में परिवर्तन के कारण रक्त में प्रोटीन की मात्र बढ़

जाती है और इससे पैंक्रियाटिक कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है. इसमें वजन को नियंत्रित रखना अहम है.

आंत का कैंसर -जो लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहते हैं, उनमें दूसरों की तुलना में आंत के कैंसर का खतरा 40 प्रतिशत कम रहता है. रनिंग व साइकिलिंग से इसे कंट्रोल कर सकते हैं.

प्रोस्टेट कैंसर – दिनभर एक ही जगह काम करना भले ही आपको पसंद हो, लेकिन इससे प्रोस्टेट कैंसर का खतरा बढ़ जता है. ऐसे लोगों में अधिक सक्रिय लोगों के मुकाबले प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 30 प्रतिशत अधिक होता है.

विभिन्न प्रकार के एक्सरसाइज इस बीमारी से आपका बचाव कर सकते हैं. प्रतिदिन एक घंटा टहलने से या साइकिल चलाने से प्रोस्टेट कैंसर का खतरा 14 प्रतिशत तक कम हो जाता है. प्रतिदिन व्यायाम जरूर करें.

बिस्तर पर जाने के बाद कभी न सोचें ये बातें

रात में बिस्तर पर लेटकर दिन भर की बातें सोचते हैं पर सोचते-सोचते नींद ही नहीं आती है तो इसकी वजहें आपकी कुछ गलत आदते हो सकती हैं।

अच्छी नींद के लिए जरूरी है कि बिस्तर पर लेटकर आप इन बातों को न ही सोचें।

आपका जरूरी मेल

दिन भर दफ्तर के जरूरी काम से संबंधित ईमेल अगर आपकी नींद उड़ा रहा है तो खुद को इस बारे में सोचने का मौका ही न दें।

कई शोधों में प्रमाणित हो चुका है कि जरूरी ईमेल, फेसबुक अपडेट आदि चेक करने वाले लोगों की नींद सबसे अधिक प्रभावित होती है।

तो कम से कम बिस्तर पर पड़ते वक्त आप मेल और अपडेट के बारे में सोचना ही छोड़ दें जिससे इन्हें चेक करने का मन करे।

किसी झगड़े के बारे में

अगर दिन में बॉस की फटकार मिली है या साथी से किसी बात पर नोकझोंक हो गई है तो इसे सोने से पहले कतई न सोचें।

यूनिवर्सिटी ऑफ मसाच्युसेट्स के शोधकर्ताओं की मानें तो झगड़ा व तनाव की बातें सोचने के कारण नींद अधिक प्रभावित होती है और स्ट्रेस लेवल बढ़ता है।

क्या-क्या करना है

सोने से पहले अगले दिन की तैयारी यकीनन अच्छी बात है लेकिन क्या-क्या करना है इसकी चिंता करने की आपकी आदत नींद पर भारी पड़ सकती है।

2013 में टोरंटों में हुए एक सम्मेलन में अगले दिन के तनाव को नींद न आने की बड़ी वजह माना गया है।

गैस्ट्रिक से परेशान हैं तो इस 7 उपायों से मिलेगा आराम

रुटीन या खानपान में जरा सी गड़बड़ गैस्ट्रिक समस्याओं को बढ़ा सकती है। ऐसे में गैस्ट्रिक समस्याओं से निजात के लिए कुछ घरेलू उपाय मददगार हो सकते हैं।

अगर आपको अक्सर इस तरह की सम्सयाएं होती हैं तो सैर और व्यायाम के साथ इन घरेलू उपायों को रुटीन में शामिल करने से आपको आराम मिल सकता है।

गुनगुना पानी

गुनगुना पानी पीने से न सिर्फ पाचन ठीक होता है बल्कि यह अपच से होने वाले पेट दर्द में भी आराम पहुंचाता है। गैस्ट्रिक की समस्या अधिक हो तो गर्म पानी में अज्वाइन या जीरा खौलाकर पीने से भी तुरंत आराम मिलता है।

मसालों से बनी दवा नियंत्रित करेगी हाई बीपी

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी है। हाल में वैज्ञानिकों ने भारतीय मसालों से ऐसी दवा तैयार की है जिसकी मदद से वे हाइपरटेंशन के उपचार का दावा कर रहे हैं। इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित खबर के अनुसार, श्री रामचंद्र यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने चेन्नई में वैज्ञानिकों ने चूहों पर इस दवा का इस्तेमाल करके अपने प्रयोग में सफलता हासिल की है।

मसालों से तैयार है यह दवा

वेंथामरई चूर्णम नामक यह दवा ग्रेवी, कढ़ी और रसम में इस्तेमाल होने वाले मसालों से तैयार की गई है। इसमें इलायची, अदरक, जीरा, लंबी काली मिर्च, सफेद कमल की पत्तियां और विभिन दक्षिण भारतीय मसालों को इस्तेमाल किया गया है।

मसालों से बनी इस दवा में द्ग्ह्ह्स् नामक एंजाइम है जो नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर बढ़ाता है जिससे धमनियों में ब्लॉकेज नहीं हो पाता।

नहीं है कोई साइड इफेक्ट

शोधकर्ताओं का दावा है कि इस दवा के सेवन से दिल के मरीजों को किसी तरह का साइड इफेक्ट नहीं होगा। यह शोध

एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ता डॉ. एस थांकिचलन के अनुसार, इस दवा की सबसे बड़ी खासियत है कि इससे प्रचलित एलोपैथिक दवाओं की तरह साइड इफेक्ट्स नहीं होंगे। साथ ही, कम कीमत के कारण इसका उपलब्धता भी आसान होगी।वैज्ञानिकों ने चूहों पर सफलता के बाद दिल के रोग से गंभीर हालत में पहुंच चुके जानवरों पर शोध की तैयारी कर रहे हैं, इसके बाद ही वे इसे बाजार में उतारने की प्रक्रिया में शामिल होंगे।

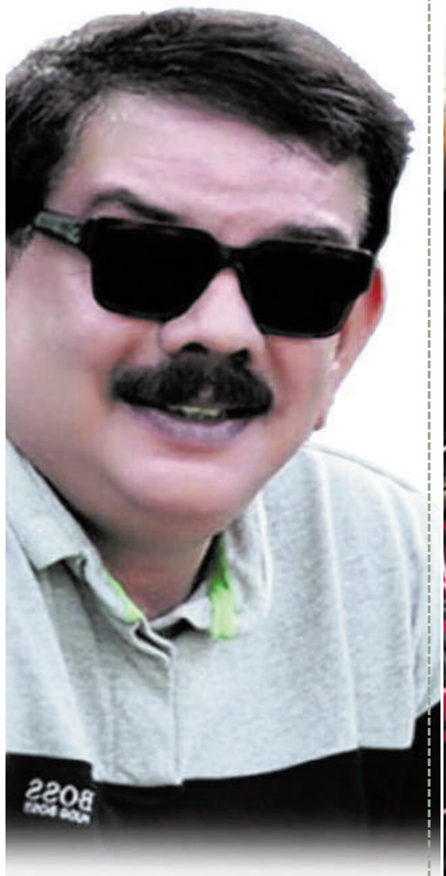

'हेरा फेरी 3' कॉन्ट्रोवर्सी पर बोले डायरेक्टर प्रियदर्शन

परेश रावल के फिल्म 'हेरा फेरी 3' छोड़ने की खबर ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अब इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत की। उन्होंने कहा कि परेश ने यह फैसला करने से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी थी। वो खुद इस स्थिति से हैरान और निराश हैं।

आज तक परेश ने इस बारे में बात नहीं की

बातचीत में प्रियदर्शन ने कहा, फिल्म शुरू होने से पहले मैंने तीनों – अक्षय, सुनील और परेश – से क्लियर पूछा था कि क्या आप लोग तैयार हैं? सबने कहा – हां। फिर हमने एक दिन शूट भी किया। सब स्मूद चला। लेकिन अचानक परेश जी के हटने की खबर आई... बिना कुछ बोले, बिना कोई कारण बताए। आज तक उन्होंने मुझसे इस बारे में कोई बात ही नहीं की।'

'भूत बंगला' के सेट पर कोई तनाव नहीं दिखा

डायरेक्टर ने आगे बताया, ना कोई कॉल, ना कोई मैसेज। हाल ही में हमने 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की। इस फिल्म में भी अक्षय और परेश दोनों साथ थे। वहां भी सब कुछ नॉर्मल था। दोनों के बीच बिल्कुल कॉर्डियल और प्रोफेशनल रिश्ता था। कोई तनाव नजर नहीं आया।

वहीं जब हमने प्रियदर्शन से पूछा कि क्या वाकई अक्षय कुमार ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोका है, तो उन्होंने कहा, इस फिल्म के राइट्स और प्रोडक्शन अक्षय कुमार संभाल रहे थे। ऐसे में अगर किसी को नुकसान हुआ है तो वो सिर्फ अक्षय हैं। अगर परेश जी को कोई दिक्कत थी तो कम से कम बात करते। खैर, मैं सिर्फ डायरेक्टर हूं। मुझे नहीं पता उनके और अक्षय के बीच क्या हुआ? ना उन्होंने कुछ बताया, ना ही कोई बातचीत की। मैं पूरी तरह ब्लैंक हूं।'

प्रियंका चोपड़ा से दीपिका पादुकोण तक, फिल्मों के लिए तगड़ी फीस लेती हैं ये अभिनेत्रियां

हाल ही में खबर आई कि दीपिका पादुकोण की एंट्री प्रभास अभिनीत फिल्म स्पिरिट में हो गई है। इस फिल्म के लिए अभिनेत्री ने मोटी फीस चार्ज की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने करीब 20 करोड़ रुपये लिए हैं। इस रकम के साथ वे बॉलीवुड की सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में शामिल हो गई हैं। फिल्मों के लिए तगड़ी फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के बारे में जानते हैं...

प्रियंका चोपड़ा

भारत में सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर हैं। हालांकि, पिछले छह वर्ष से उनकी कोई भारतीय फिल्म रिलीज नहीं हुई है। अब वे एस एस राजामौली की फिल्म में नजर आएंगी। इसमें वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने इस साउथ फिल्म के लिए करीब 30 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। भारतीय सिनेमा में यह किसी अभिनेत्री के लिए सबसे ज्यादा फीस हो सकती है, लेकिन हॉलीवुड में वे इससे भी ज्यादा फीस चार्ज करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सिटाडेल सीरीज के लिए उन्होंने करीब 41 करोड़ रुपये फीस ली।

कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हैं। फीस के मामले में भी वह हाइएस्ट पेड अदाकाराओं में शामिल हैं। वे विज्ञापनों के लिए करीब छह से सात करोड़ रुपये फीस चार्ज करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैटरीना प्रति फिल्म करीब 10-12 करोड़ रुपये प्रति फीस लेती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट का नाम भी लिस्ट में शामिल है। कपूर परिवार की बहू बन चुकीं आलिया प्रति फिल्म करीब 10 से 15 करोड़ रुपये फीस चार्ज कती हैं।

करीना

इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की करीना कपूर बॉलीवुड की पावरहाउस स्टार हैं। शादी और मां बनने के बाद भी करियर को किस कदर आगे बढ़ाया जा सकता है, करीना ने इसका उदाहरण सेट किया है। फीस की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे प्रति फिल्म करीब 8-18 करोड़ रुपये फीस लेती हैं।

श्रद्धा कपूर

बीते वर्ष फिल्म स्त्री 2 से बॉक्स ऑफिस की गद्दी पर राज करने वाली अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की भी अपनी चमक है। वह फिल्मों के लिए 7-15 करोड़ रुपये फीस लेती हैं। इसके अलावा विज्ञापनों के लिए भी वह अच्छी-खासी रकम चार्ज करती हैं।

भारतीय सेना के 'ऑपरेशन खुकरी' पर फिल्म बनाएंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक जबरदस्त किरदार में नजर आने वाले हैं। जाट जैसी सुपरहिट फिल्म की सफलता के बाद अब रणदीप अपनी अगली फिल्म में भारतीय सेना के सबसे साहसिक मिशन्स में से एक को जीवंत करने जा रहे हैं। एक्टर की आने वाली फिल्म का नाम है 'ऑपरेशन खुकरी', जो कि एक रियल लाइफ वॉर ड्रामा है।

क्या है फिल्म का सब्जेक्ट?

यह फिल्म साल 2000 में सिएरा लियोन यानी पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए एक वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

प्रोजेक्ट पर क्या बोले रणदीप?

रणदीप हुड्डा ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए कहा कि यह कहानी सिर्फ हथियारों और युद्ध की नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और भाइचारे की है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसे योद्धा की भूमिका निभा रहा हूं, जिसने 75 दिन तक दुश्मन के बीच फंसे जवानों को न सिर्फ जिंदा निकाला बल्कि भारत के सैन्य इतिहास में एक सुनहरा अध्याय जोड़ दिया।

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी

'ऑपरेशन खुकरी' की कहानी एक बेस्टसेलर किताब पर आधारित है, जिसे पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने प्रकाशित किया है। इस किताब के फिल्मी अधिकार अब ऑफिशियली राहुल मित्रा फिल्म्स और रणदीप हुड्डा फिल्म्स ने हासिल कर लिए हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम जोरों पर है और इसे बड़े पैमाने पर शूट किया जाएगा। फिल्म की टीम का मानना है कि 'ऑपरेशन खुकरी' न सिर्फ एक थ्रिलिंग एक्शन फिल्म होगी, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरगाथा को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाने का एक जरिया बनेगी।

करिश्मा तन्ना को नहीं मिल रहा ढंग का काम

करिश्मा तन्ना को आखिरी बार अमेजन प्राइम के शो कॉल मी बे में देखा गया था। इसमें एक्ट्रेस गेस्ट अपीयरेंस में नजर आई थीं। करिश्मा फुल फ्लेज रोल में दो साल पहले हंसल मेहता की क्राइम सीरीज स्कूप में दिखी थीं। इसमें उन्होंने एक क्राइम जर्नलिस्ट की भूमिका निभाई थी। लंबे समय से स्क्रीन से गायब रहने पर एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बात की है। वह कहती हैं, मेरे पास वास्तव में इसका कोई जवाब नहीं है। लंबे समय के बाद, मेरे पास एक प्लेटफॉर्म और अभिनय-आधारित स्क्रिप्ट थी। स्कूप चुनौतीपूर्ण था। ऐसा नहीं है कि शो के बाद मैं बहुत ज्यादा चूजी हो गई हूं। मुझे पता है कि अगर सही स्क्रिप्ट लिखी जाए तो डायरेक्टर उसे और भी ऊंचे स्तर पर ले जा सकता है। मैं बस इस तरह के काम का इंतजार कर रही हूं।

करिश्मा आगे कहती हैं, मुझे अच्छे ऑफर मिले लेकिन किसी कारण से मेरे पास जो आया, उसके लिए मैं हां नहीं कहना चाहती। मैं किरदार आधारित भूमिकाओं की उम्मीद कर रही थी, क्योंकि मैंने दिखा दिया था कि मैं क्या करने में सक्षम हूं। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने स्वीकार किया कि खुद की रिलेवेंसी बनाए रखने के लिए वो ऐसी प्रोजेक्ट साइन करने के बहुत करीब पहुंच गई हैं, जो बेहद निराशजनक थे। वह कहती हैं, मैं ऐसी स्क्रिप्ट की उम्मीद करती हूं, जिसके साथ मैं न्याय कर सकूं।

प्रभास की फिल्म छोड़ दीपिका ने थामा अल्लू अर्जुन का दामन

हीरोइन नंबर वन दीपिका पादुकोण की निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से खटक गई है। वह अब उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में शायद ही काम करें क्योंकि दीपिका के अब एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने के नए नियम से संदीप खुश नहीं थे। 'स्पिरिट' की डेट्स दीपिका ने फिल्म 'जवान' के अपने निर्देशक एटली की झोली में डाल दी हैं, जो जल्द ही अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ एक मेगा बजट फिल्म करने जा रही हैं।

फिल्म 'एनिमल' के बाद इसके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा अब तक दूसरी फिल्म शुरू नहीं कर पाए हैं। लोगों को इसकी सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार है लेकिन उससे पहले संदीप का वादा प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' पूरी करने का है। इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही शुरू हो जानी थी, लेकिन दीपिका के मां बनने की खबरें आने के बाद संदीप ने इस फिल्म की शूटिंग आगे के लिए टाल दी। अब दीपिका के मां बनने के बाद जो पहली फिल्म शुरू होनी थी, उसमें सबसे पहले 'स्पिरिट' का ही नंबर था। फिल्म के निर्माता इस फिल्म के लिए दीपिका को 20 करोड़ रुपये देने की बात भी मांग गए थे, लेकिन चूंकि संदीप रेड्डी वंगा का काम करने का स्टाइल अलग है तो दीपिका पहले से ही कुछ बातें लिखित में चाह रही थीं। जानकारी के मुताबिक दीपिका ने एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने की शर्त रखी और ये भी कि वह तेलुगु में अपनी डबिंग नहीं करेंगी।

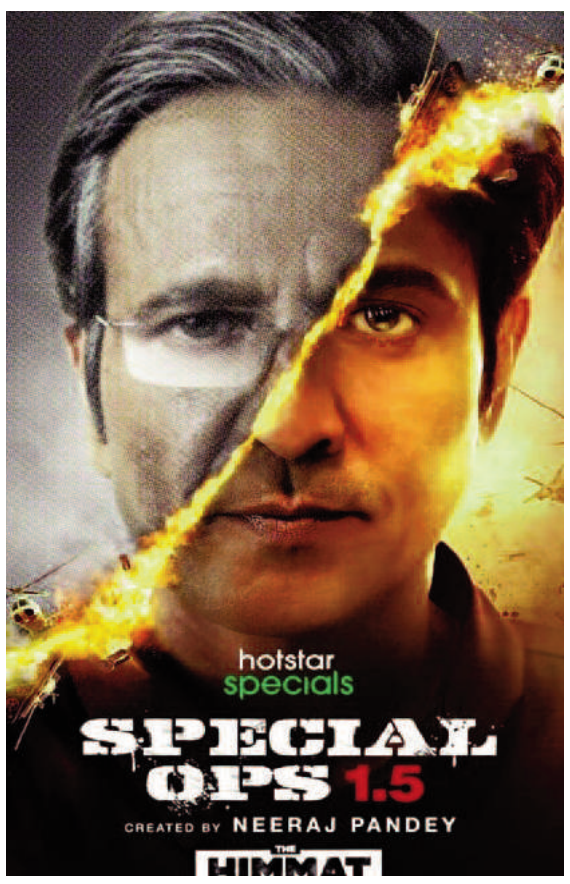

'स्पेशल ऑप्स 2' ही नहीं कई और सीरीज में दिखीं स्पाई स्टोरीज

हाल ही में केके मेनन स्टारर वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 2' का टीजर रिलीज हुआ, जल्द ही यह वेब सीरीज दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस स्पाई सीरीज के पहले सीजन को दर्शकों ने काफी सराहा था। इस सीरीज के अलावा भी स्पाई यानी जासूसों पर आधारित सीरीज बनी हैं। जानिए, ऐसी ही कुछ चर्चित सीरीज के बारे में।

क्राइम के अलावा जासूसी कहानियों पर बेस्ड सीरीज भी दर्शकों को काफी पसंद आती हैं। कई सीरीज की पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ जाती है कि इसके कई सीजन आते हैं। जल्द ही 'स्पेशल ऑप्स' के दूसरे सीजन का भी प्रीमियर होने वाला है।

द नाइट मैनेजर

साल 2023 में 'द नाइट मैनेजर' नाम की एक वेब सीरीज रिलीज हुई। इसमें अनिल कपूर ने नेगेटिव रोल किया था और जासूस के रोल में आदित्य रॉय कपूर नजर आए। सीरियल में आदित्य रॉय कपूर एक पूर्व नौ सेना के ऑफिसर बने हैं, जो एक मिशन के लिए जासूस बनते हैं और विलेन के बुरे इरादों को नाकाम करते हैं। इस सीरीज को संदीप मोदी ने क्रिएट किया था।

फैमिली मैन

राज एंड डीके की पॉपुलर वेब सीरीज 'फैमिली मैन' में मनोज वाजपेयी ने लीड रोल किया है। इस सीरीज के कई सीजन आ चुके हैं, पहला सीजन 2019 में आया था। इस सीरीज की कहानी में एक मिडिल क्लास आदमी का रोल मनोज वाजपेयी ने निभाया है। वह दुनिया की नजर में एक आम इंसान है लेकिन असल में वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी के एक स्पेशल सेल में काम करता है। वह एक सीक्रेट एजेंट है, जो देश को आतंकवादियों से बचाने की कोशिश करता है। अपने काम के साथ-साथ उसे अपने परिवार का ध्यान भी रखना है साथ ही उनसे अपनी सीक्रेट एजेंट की पहचान भी छुपानी है।

बार्ड ऑफ ब्लड

साल 2019 में वेब सीरीज 'बार्ड ऑफ ब्लड' में इमरान हाशमी ने लीड रोल किया था। सीरीज में वह एक पूर्व रॉ एजेंट बने थे। जिसे फिर से एक मिशन पर जाना होता है। इस स्पाई सीरीज को रिभु दासगुप्ता ने निर्देशित किया था।

मुखबिर

इस सीरीज को शिवम नायर और जयप्रद देसाई ने डायरेक्ट किया था। यह सीरीज एक नॉवेल 'मिशन टू पाकिस्तान' पर आधारित थी। स्पाई जॉनर वाली इस सीरीज में जैन खान दुर्रानी, प्रकाश राज, आदिल हुसैन, बरखा बिष्ट जैसे कलाकार नजर आए थे।

द फ्रीलांसर

वेब सीरीज 'द फ्रीलांसर(2023)' में मोहित रैना ने लीड रोल निभाया था। इस सीरीज को भाव धूलिया ने निर्देशित किया। सीरीज की कहानी अविनाश नाम के एक एक्स पुलिस ऑफिसर की है, जो अब एक मिलिट्री फ्रीलांसर है। उसे सीरीया में जाकर आईएसआईएस की कैद से अपने दोस्त की बेटी को छुड़ाना है।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009